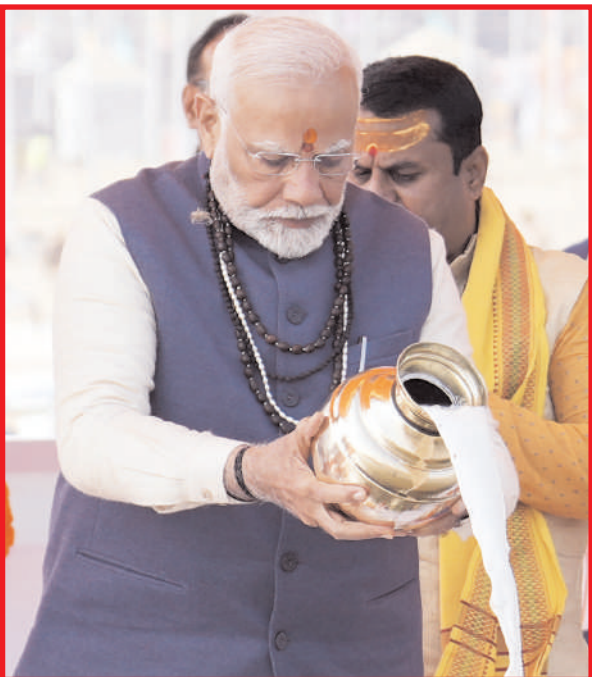




प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में संगम तट पर की पूजा, 5500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का दिया बड़ा तोहफा

महाकुंभ एकता का है महायज्ञ : मोदी



प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर एक औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ शुरू हुई



प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और यह एकता का महायज्ञ है। प्रधानमंत्री ने 5500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा, महाकुंभ देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

महाकुंभ को एकता का महायज्ञ बताते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाकुंभ में जाति और संप्रदायों का भेद मिट जाता है। उन्होंने 2025 के महाकुंभ मेले के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से 5,500 करोड़ रुपये की 167 प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने भारद्वाज आश्रम गलियारा, श्रृंगवेरपुर धाम गलियारा, अक्षयवट गलियारा, हनुमान मंदिर गलियारा का उद्घाटन भी किया। इन परियोजनाओं से श्रद्धालुओं की पहुंच आसान होगी और आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री कुंभ 'सहायक'

15 हजार से ज्यादा सफाईकर्मी संभालेंगे स्वच्छता व्यवस्था की जिम्मेदारी : प्रधानमंत्री

चैटबॉट की भी शुरुआत की। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित यह चैटबॉट महाकुंभ मेला 2025 के बारे में श्रद्धालुओं को कार्यक्रमों की नवीनतम जानकारी प्रदान करेगा। इस बार 15 हजार से ज्यादा मेरे सफाईकर्मी भाई-बहन कुंभ की स्वच्छता को संभालने वाले हैं।

मैं आज कुंभ की तैयारी में जुटे अपने सफाईकर्मी भाई-बहनों का अग्रिम आभार भी व्यक्त करता हूँ। पीएम मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वतः जागृत होती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में पेयजल और आध्यात्मिक आपूर्ति से संबंधित कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ एकता का महायज्ञ है। यहां पर देश के कोने-कोने से लोग आते हैं। यहां आकर श्रद्धालु भेदभाव की आहूति देते हैं। प्रयागराज वह धरती है जहां पर अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों पदार्थ सुलभ हैं। मां गंगा के आशीर्वाद से मुझे यहां बार-बार आने का सौभाग्य मिला है। 2019 के कुंभ में भी आने का सौभाग्य मिला था और अगले साल होने वाले महाकुंभ के लिए भी आने का सौभाग्य आज प्राप्त हुआ है।

मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। ये वो स्थान जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। प्रयागराज वो स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। पीएम मोदी ने कहा कि महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। महाकुंभ की तैयारियों के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया गया है, प्रयागराज शहर के सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट पर फोकस किया गया है।

महाकुंभनगर का सपना हो रहा साकार : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आना और मां गंगा-यमुना एवं सरस्वती की त्रिवेणी में पूजा-अनुष्ठान करना प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह महाकुंभ संपूर्ण सनातन धर्मावलंबियों, देश व दुनिया के भीतर भारत के प्रति अनुराग रखने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्व रखता है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से कुंभ-2019 का सफल आयोजन हुआ था और अब महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के लिए मिल रहे मार्गदर्शन के लिए हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विजन की प्रशंसा करते हुए उनके नेतृत्व में किए गए प्रयासों और सनातन धर्मावलंबियों के हितों

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से कुंभ-2019 का सफल आयोजन हुआ था

की रक्षा के साथ ही कुंभ को लेकर स्थापित किए गए उच्च प्रतिमानों की पूर्ति को लेकर आभार भी जताया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार 2019 के प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन व आदेश पर सैंकड़ों वर्षों के बाद श्रद्धालुओं को अक्षय वट के दर्शन हुए थे। इस बार प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में अक्षयवट कोरिडोर का भी उद्घाटन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़े हनुमान जी जिनका अभिषेक करने के लिए मां गंगा प्रतिवर्ष आती हैं, उस बड़े हनुमान मंदिर के कोरिडोर का लोकार्पण भी आज प्रधानमंत्री

मोदी के कर-कमलों द्वारा होने जा रहा है। योगी ने कहा कि सरस्वती कूप, जिसमें अदृष्य रूप में मां सरस्वती वास करती हैं और संगम पर गंगा-यमुना के साथ ही उनका संगम होता है, पहली बार 2019 के कुंभ में ही श्रद्धालुओं को इस पवित्र सरस्वती कूप के दर्शन सुलभ हुए थे। सरस्वती कूप का यही भव्य रूप अब सरस्वती कोरिडोर के रूप में लोकार्पण के जरिए सबके समक्ष होगा और सर्व सुलभ होगा। भगवान श्रीराम जब वनवास के लिए निकले थे तो सबसे पहले उन्होंने मैत्री का हाथ श्रृंगवेरपुर में निषादराज के समक्ष बढ़ाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां भगवान राम और निषादराज की 56 फुट ऊंची प्रतिमा व कोरिडोर का लोकार्पण भी होने जा रहा है।

लोगों को जागरूक करने के लिए नियुक्ति की गई है। पूजा के अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, डिप्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंगादूत, गंगा प्रहरी और गंगा मित्रों की प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य उपस्थित रहे।

संविधान पर रक्षामंत्री ने कांग्रेस को दिखाया आईना

नेहरू-इंदिरा ने संविधान बदला: राजनाथ

- सरकार की ओर से शुरू की संविधान पर चर्चा
- कांग्रेस ने दुर्भावना से संविधान बदलने का किया प्रयास



नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाया। राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा भारत के संविधान निर्माण के काम को हाईजैक करने की कोशिश करती रही है। संविधान चर्चा के दौरान लोकसभा में यह सारी बातें कहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि संविधान किसी एक पार्टी को देन नहीं है, लेकिन इसके निर्माण के कार्य को एक पार्टी विशेष द्वारा 'हाईजैक' करने की कोशिश हमेशा की गई है। नेहरू-इंदिरा

ने संविधान बदला था। अपने एक घंटे से अधिक के भाषण में कांग्रेस पर कई करारे हमलों के साथ ही रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना यह तंज भी कसा कि कुछ लोग आजकल संविधान जेब में रखकर घूमते हैं। असल में उन्होंने अपने परिवार में पीढ़ियों से संविधान को जेब में रखना ही सीखा है, जबकि भाजपा संविधान को सिर-माथे से लगाती है। संविधान निर्माताओं की भूमिका के बखान के साथ ही

संवाद हमारे देश की परंपरा : प्रियंका गांधी



नई दिल्ली। लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान पहली बार बोलते हुए प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। लोकसभा में अपने पहले भाषण के दौरान प्रियंका गांधी 32 मिनट तक बोलीं, इस दौरान उन्होंने जातीय जनगणना, अदापी मुद्दे, देश की एकता जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। प्रियंका गांधी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का जिक्र करते

को कब तक कोसते रहेंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि हजारों साल पुरानी हमारे देश की, धर्म की एक पुरानी परंपरा रही है, ये परंपरा संवाद, चर्चा की रही है। एक गौरवशाली परंपरा है, जो दर्शन ग्रंथों, वेदों और उपनिषदों में रही है। अलग-अलग धर्मों में इस्लाम, जैन, सिख धर्म में भी बहस और चर्चा की संस्कृति रही है। इसी परंपरा से हमारा स्वतंत्रता संग्राम उभरा।

राजनाथ सिंह ने एक हाथ से कांग्रेसी सरकारों के इतिहास के पन्ने पलटना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में ऐसा माहौल बनाया गया कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है। संविधान निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका को जानबूझकर नकार दिया गया।

झांसी में एनआईए की छापेमारी

झांसी। एनआईए की टीम ने अलीगोल मोहल्ले से पूछताछ के लिए मुफ्ती खालिद को हिरासत में लिया था। लेकिन, वहां जमा हुई भीड़ ने मुफ्ती को छुड़ा लिया था। इस मामले में शहर कोतवाली में 100 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की दबिश लगातार जारी है। मुफ्ती खालिद को पूछताछ के लिए ले जाते समय एनआईए अफसरों ने पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोपियों के घर पुलिस ने शुक्रवार को कई बार दबिश दी। अभी तक पुलिस के हाथ आरोपी नहीं आए हैं। पुलिस उनकी सुरागशी में जुटी है। उधर, वीडियो के आधार पर पुलिस अन्य आरोपियों की शिनाख्त कर रही है। एनआईए का रास्ता रोकने वाली

- मुफ्ती को छुड़ने वालों की तलाश में पुलिस
- 100 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

महिलाओं की भी शिनाख्त कराई जा रही है। कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह की तहरीर पर छोटी मस्जिद इमाम अब्दुल हमीद, शकिर उर्फ पप्पू बिरयानी पुत्र मुर्तजा, गोल्लू पुत्र इमामउद्दीन, परवेज पुत्र मूसा, जकरया पुत्र छोट्टे, गुफरान पुत्र निजाम सभी निवासी मुकरयाना समेत मोहम्मद, कामिल, तारिक, इकराम एवं शाबिर मकरानी के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी।

न्यूज डायरी

राहुल गांधी को कोर्ट ने किया तलब



लखनऊ। भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान अपने भाषण में साबरकर के कथित अपमान वाली अर्जी की सुनवाई के दौरान शुक्रवार को एमपी एमएलए अदालत के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को तलब किया है। अगली सुनवाई के लिए 10 जनवरी की तारीख नियत करते हुए अदालत ने राहुल गांधी को अदालत में तलब किया है। कोर्ट में वादी वृन्देश पांडे की ओर से दी गई दलील में कहा गया कि 12 नवंबर 2022 को एक समाचार चैनल पर प्रसारित राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि राहुल गांधी जुड़े हुए भारत को पुनः जोड़ने की बात कहते हुए पदयात्रा कर रहे हैं।

मुरादाबाद के जेल अधीक्षक निलंबित

मुरादाबाद। संभल हिंसा के आरोपियों से सपा नेताओं की मुलाकात कराने के मामले में मुरादाबाद जेल अधीक्षक पीपी सिंह को निलंबित कर दिया गया है। डीआईजी जेल की जांच में उनकी भूमिका संदिग्ध पाई गई है। आरोप है कि जेल में अवैध मुलाकात की जानकारी मिलने के बाद भी वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने अधीनस्थों से पूछताछ नहीं की और न ही उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुलाकात करने के बाद सपाइयों ने बयान दिया तो वह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसके बाद शासन तक हड़कंप मच गया था। इस मामले में डीजी जेल के निर्देश पर डीआईजी जेल कुंतल किशोर ने जेल पहुंचकर पूरे मामले की जांच की।

कादिर की दोनों बेटियों का सरेंडर मुजफ्फरनगर। राना स्टील में जीएसटी टीम पर हमले और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पूर्व सांसद कादिर राना की बेटी सादिया और सारिया ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सेशन कोर्ट से दोनों को अंतरिम जमानत मिल गई। नियमित जमानत पर 16 दिसंबर को सुनवाई होगी। वहलना चौक स्थित राना स्टील में पांच दिसंबर को हुए प्रकरण में पूर्व सांसद की बेटियों को आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने जीएसटी अधिकारियों के बयान और जांच के बाद दोनों पर हमले की धारा बढ़ा दी थी। शुक्रवार को दोनों ने सीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया। बचाव पक्ष की ओर एसीजेएम कोर्ट में दाखिल जमानत अर्जी को खारिज कर दिया गया।

मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का हो रहा है प्रयास : अखिलेश

- सरकार जाति जनगणना नहीं कराती है तो विपक्ष में बैठे लोग सत्ता में आएं तो इसे जरूर कराएंगे : सपा सुप्रीमो



नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सरकार पर संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का हनन करने का आरोप लगाया और दावा किया कि देश के मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि यदि यह सरकार जाति जनगणना नहीं कराती है तो विपक्ष में बैठे लोग सत्ता में आएंगे तो इसे जरूर कराएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान कहता है कि सरकार की नजर में सभी समान हैं। उन्होंने दावा किया, 'देश के अल्पसंख्यकों और विशेषकर मुसलमानों को दूसरे दर्जे का

नागरिक बनाने का प्रयास हो रहा है, उन पर हमला किया जा रहा है, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।' सपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर इस तरह की घटनाएं जानबूझकर की गईं और विधानसभा उपचुनाव के समय लोगों को मतदान से रोका गया। अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान ने ही विविधताओं से भरे इस देश को एक सूत्र में बांधकर रखा है। उनका कहना था कि संविधान 90 प्रतिशत पीड़ित और शोषित जनता का सबसे बड़ा संरक्षक है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ को पद से हटाने के मुद्दे पर राज्यसभा में जोरदार हंगामा

- राज्यसभा में 'एकतंत्र की तोप' चलाई जा रही
- कांग्रेस का आरोप, दलित का अपमान हुआ

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव के मुद्दे पर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का जोरदार दौर चला, जिसके कारण हुए भारी हंगामे के बाद उच्च सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह सदन की बैठक आरंभ होने पर सदन ने साल 2001 में संसद पर हुए हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को



बधाई दी। इसके बाद सभापति धनखड़ ने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कुल चार नोटिस मिले हैं। उन्होंने कहा कि सदस्यों को मंथन करना चाहिए कि विगत 30 सालों में इस नियम के तहत कितने नोटिस दिए गए और कितने स्वीकार किए गए। उन्होंने कहा कि उनके अब तक के

कार्यकाल में नियम 267 के तहत रिकार्ड नोटिस दिए गए हैं। इसी बीच, भारतीय जनता पार्टी के राधा मोहन दास ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए सभापति धनखड़ को पद से हटाए जाने के प्रस्ताव संबंधी विपक्षी दलों के नोटिस का उल्लेख किया और कहा कि वह 20 साल उत्तर प्रदेश में विधायक रहे हैं लेकिन जो स्थिति आज वह राज्यसभा में देख रहे हैं, वैसी स्थिति विधानसभा में भी कभी नहीं रही। कांग्रेस के राज्यसभा में नेता मस्किरुन खरो को बोलने से रोका गया और एक दलित का अपमान किया गया। राज्यसभा में लोकतंत्र की शहनाई बजाने के बजाय 'एकतंत्र की तोप' चलाई जा रही है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव के मुद्दे पर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का जोरदार दौर चला, जिसके कारण हुए भारी हंगामे के बाद उच्च सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। अग्रवाल जब अपनी बात रख रहे थे तब विपक्षी सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

प्रमुख सचिव ने किया स्मार्ट सिटी की तीन परियोजनाओं का निरीक्षण



अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। प्रमुख सचिव कृषि और जिले के नोडल अधिकारी रविन्द्र ने आज दोपहर स्मार्ट सिटी की तीन परियोजनाओं, हैबोटेड सेंटर व कन्वेंशन हॉल सहित स्टेडियम की खेल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त संजय चौहान ने नोडल अधिकारी को परियोजनाओं के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी। नोडल अधिकारी ने समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ

कार्य पूरा करने के निर्देश कार्यदायी संस्थाओं को दिए। सहारनपुर के नोडल अधिकारी रविन्द्र आज दोपहर जिलाधिकारी मनीष बंसल, स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त संजय चौहान व सीडीओ सुमित राजेश महाजन व स्मार्ट सिटी के अन्य अधिकारियों के साथ जनमंच परिसर स्थित निर्माणाधीन कन्वेंशन हॉल पहुंचे और प्रदर्श मॉडल व माप पुस्तिका एवं डिजाइन ड्राइंग के साथ बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पिलरों की स्थिति, उनमें प्रयुक्त सरिया आदि

सामग्री के सम्बंध में कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों से जानकारी ली। उन्होंने पिलरों को नपवाकर भी देखा और प्रयुक्त की गयी निर्माण सामग्री के टेस्ट कब-कब हुए हैं, टेस्ट रजिस्टर देखकर इस सम्बंध में भी सवाल किये। उन्होंने सबसे ऊपरी मंजिल पर पहुंचकर पिलर में लगे सरियों के नमूने और दरवाजे में लगाये एल्यूमिनियम व शीशों की गुणवत्ता के सम्बंध में भी जानकारी ली। उन्होंने ले-आऊट देखकर यह भी जांचा परखा कि जो सामग्री डीपीआर में प्रस्तावित है, उसका प्रयोग किया गया है या नहीं। उन्होंने लगायी जा रही टायल का भी नमूना देखा और दूसरे प्लोर पर लगायी गयी टायल का लेविल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों की संस्था को अपने रजिस्टर ठीक से मेनटेन करने तथा समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने प्रमुख सचिव/नोडल अधिकारी को बताया कि कन्वेंशन हाल का कार्य 95

प्रतिशत पूरा कर लिया गया है, शेष कार्य भी शीघ्र पूरा करा लिया जायेगा। इसके बाद नोडल अधिकारी रविन्द्र अम्बेडकर स्टेडियम पहुंचे। जहां स्मार्ट सिटी से बनायी गयी सभी खेल परियोजनाओं के सम्बंध में नगरायुक्त/सीईओ स्मार्ट सिटी संजय चौहान ने जानकारी दी। नोडल अधिकारी ने बैडमिंटन हाल का निरीक्षण किया। स्मार्ट सिटी अधिकारियों ने बताया कि उक्त हाल का स्मार्ट सिटी के तहत पुनरोद्धार किया गया है। पुराना फ्लोर हटाकर नया फ्लोर बनवाया गया है। उन्होंने हाल के वुडन फ्लोर और उसकी थिकनेस की भी बारीकी से जांच की। डीपीआर के अनुरूप थिकनेस पाये जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। नोडल अधिकारी ने नवनिर्मित बाक्सिंग हाल का भी निरीक्षण किया और फ्लोर व लगाये गए शीशों की थिकनेस आदि की जानकारी ली। अम्बाला रोड स्थित निर्माणाधीन हैबोटेड सेंटर का निरीक्षण किया।

नोडल अधिकारी ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा



अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश शासन एवं जनपद के नोडल अधिकारी रविन्द्र ने नई दुग्ध समितियों के गठन के साथ पुरानी दुग्ध समितियों को पुनर्जीवित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि भूमि की अनुपलब्धता के कारण जिन स्थानों पर सामुदायिक शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है वहां व्यक्तिगत रूचि लेते हुए भूमि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव रविन्द्र कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने बीएसए को निर्देश दिए कि प्राथमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों को नामांकित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने गौआश्रय स्थलों की जानकारी लेते हुए सहभागिता योजना के तहत समय से सभी संबंधितों का भुगतान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पशु टीकाकरण शत-प्रतिशत करते हुए उसे पशुधन एप पर फीड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उप निदेशक कृषि को निर्देश दिए कि विभिन्न गांवियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से कृषकों को नई-नई वैज्ञानिक तकनीकों एवं पद्धतियों के बारे में बताया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निवेश-मित्र पोर्टल पर कोई भी प्रकरण लम्बित न रहे।

हत्या के प्रयास के आरोपी को रिमांड पर लेकर किया असलाह बरामद



अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी को पुलिस अभिरक्षा रिमाण्ड पर लेकर घटना में प्रयुक्त एक तमंचा 315 बोर, दो जिन्दा कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद कर उसका चालान काटकर जेल भेज दिया।

गौरतलब है कि 24 अक्टूबर को वादी आनन्द प्रकाश पुत्र हुन्नर सिंह निवासी ग्राम बादशाहपुर थाना कोतवाली देहात ने अपने पुत्र अंकुर को जान से मारने की निमत से गोली मार देने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली देहात पर मुकदमा पंजीकृत कराया था। थाना देहात कोतवाली प्रभारी चन्द्र सैन सैनी ने जानकारी देते हुए

बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में घटना में सम्मिलित आरोपी वंश पुत्र नीटू, उर्फ लोकेन्द्र निवासी ग्राम मनोहरपुर थाना सदर बाजार को 28 अक्टूबर की गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। घटना में वांछित एक अन्य आरोपी विवेक पुत्र सुरेन्द्र निवासी काशारीम कालोनी थाना सदर बाजार ने 26 नवम्बर को न्यायालय के समक्ष आत्म समर्पण कर दिया गया था। आज थाना कोतवाली देहात पुलिस ने आरोपी विवेक को पुलिस अभिरक्षा रिमाण्ड पर लेकर उसकी निशानदेही पर ओमेगा सिटी गेट के पास से इंटी में दबा घटना में प्रयुक्त एक तमंचा 315 बोर, दो जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद कर लिया।

बरेली में NIA का छपा: मीरगंज थाने के बंद कमरे में सदियों से छुछाछ, इनपुट के अनुसार नहीं मिले साक्ष्य



अवधनामा संवाददाता

बरेली। आरोप या सलिसतता साबित न होने पर ही टीम सदियों को छोड़कर चली गई। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि एनआईए ने कोई जानकारी नहीं दी। बरेली के मीरगंज थाने लाकर एनआईए और एटीएस की संयुक्त टीम ने दोनों सदियों से बंद कमरे में दो घंटे तक गहन छूछाछ की। इस दौरान कुछ रिकार्ड भी खंगाले गए। छूछाछ के दौरान स्थानीय पुलिस को दूर रखा गया। बाद में

पुलिस ने हिरासत में लिए गए दोनों सदियों को उनके परिवजनों के सुपुर्द कर दिया। पता लगा कि किसी टेरा फंडिंग से जुड़े मामले में यह छूछाछ की गई। हालांकि, जिस हिसाब से इनपुट मिला था, वैसे साक्ष्य नहीं मिल सके। आरोप या सलिसतता साबित न होने पर ही टीम सदियों को छोड़कर चली गई। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि एनआईए ने कोई जानकारी नहीं दी। केवल पुलिस लाइन से फोर्स मांगा था। टीम को जरूरी पुलिस बल मुहैया करा दिया गया था।

आधी रात को जिलाधिकारी ने खुले में सो रहे लोगों का जाना हाल, गाड़ी से पहुंचाया रैन बसेरा

अवधनामा संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार गुरुवार देर रात सर्दी के मौसम में निराश्रित लोगों का हाल चाल लेने के



उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों का निरीक्षण किया,खुले आसमान के नीचे सो रहे लोगों को गाड़ी से पहुंचाया रैन बसेरा,और बाटे कंबल।

जिलाधिकारी सबसे पहले बरेली जंक्शन पहुंचे वहां खुले में सो रहे लोगों का हाल चाल लिया और उन्हें रैन बसेरों की जानकारी दी तथा गाड़ी से रैन बसेरों में पहुंचाया।

जिलाधिकारी ने असहाय व बेसहारा लोगों को कंबल वितरण भी किए। जिलाधिकारी इसके बाद सेटलाईट स्टेशन पर पहुंचे और वहां स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया और वहां

आश्रय लिये हुए लोगों से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और जरूरतमंदों को कंबल वितरित किये।

जिलाधिकारी ने रैन बसेरों की सूची रेलवे स्टेशन कि जीआरपी पुलिस और बस स्टेशन के स्टॉफ को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे जरूरतमंदों को रैन बसेरों कि

जानकारी मिल सके और लोग खुले में ना सोयें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम द्वारा शहर के समस्त चिन्हित अलाव के स्थानों के साथ साथ समस्त रैन बसेरों में अलाव जलाने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

रविन्द्र कुमार ने अपर नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि जिले के समस्त रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में कम्बल/रजाईया, गर्म पानी आदि उपलब्ध रहे तथा रैन बसेरों में आने वाले समस्त लोगों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो। नगर निगम के जोनल अधिकारीयों अपने क्षेत्रों में भ्रमण शील रहते हुए सड़क के किनारे सोने वाले लोगों को रैन बसेरों में भेजना सुनिश्चित कराए। तथा बेसहारा व असहाय लोगों को कम्बल उपलब्ध कराएं।

कलसुणी भाई ने की बड़े भाई की गोली मारकर हत्या, एसएसपी ने किया मौका मुआयना



अवधनामा संवाददाता

बदायूं। थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ल चौधरी सराय में गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। बीच शहर में हुई हत्या की घटना के बाद घटनास्थल के आसपास सनसनी व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ल चौधरी सराय में दो सगे भइयों में आपसी कहा सुनी हो गई जिसके बाद छोटे भाई ने बड़े भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 बृजेश

कुमार सिंह द्वारा मय पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच गए जहां उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए एसएसपी ने संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। एसएसपी श्री सिंह ने बताया कि चौधरी सराय निवासी आदिल और अमन सगे भाई हैं। उन्होंने बताया बड़े भाई अमन को आदिल ने कहासुनी के बाद गोली मार दी, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस द्वारा पंचायत नाम की कार्यवाही करते हुए मृतक केशव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

आगरा का पान का शौकीन रंगबाज, नहीं मिला पान तो तानी पिस्तौल और चला दी गोली

अवधनामा संवाददाता

आगरा। आगरा शहर में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है जहां पान खाने की तलब ने एक शख्स को कानून की अवहेलना करने पर मजबूर कर दिया। दिल्ली गेट के पास हुई इस घटना में शुभम भार्गव नाम के एक प्रॉपर्टी डीलर ने पान की दुकान पर लाइन में लगे लोगों को देखकर फायरिंग कर दी जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई।

क्या था पूरा मामला? घटना के मुताबिक शुभम भार्गव को पान खाने की तलब लगी थी। जब वह पहले पान की दुकान पर गया तो वहां पहले से ही काफी लोग खड़े थे। इसके बाद वह दूसरी दुकान पर गया जहां भी कई ग्राहक खड़े थे। पान की तलब ने उसे इतना हाताश कर दिया कि उसने अपनी कमर से पिस्तौल निकालकर वहां मौजूद लोगों को डराने के लिए पांच गोलीयां चला दी।

फायरिंग के बाद मची

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार लखीमपुर-खीरी। थाना पडुआ पुलिस द्वारा अ0सं0 153-96, मु0अ0सं0 9666/23 धारा 323/525/504 भादवि में वारंटी अभियुक्त जगदीश पुत्र मिश्रीलाल नि0 ग्राम ढखेखा खालसा थाना पडुआ को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है।

बदल रहा है मौसम का मिजाज दिन के पारे में दो डिग्री का हुआ इजाफा

लखीमपुर-खीरी। मौसम का मिजाज बदल रहा है। दिन में अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन के पारे में दो डिग्री का इजाफा हुआ है। वहीं शाम होते ही सर्दी और ठिठुरन ने फिर दस्तक दे दी। जिसके बाद रात का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि एक दो दिनों में घने कोहरे की दस्तक के बाद न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है जहां एक ओर दिन का तापमान 24 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं रात न्यूनतम तापमान 5 डिग्री पर पहुंचने के बाद लोगों को खांसी सर्दी का अहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में कोहरे की आमद के साथ सर्दी में और इजाफा होने की संभावना है। सर्दी से बचाव के लिए लोगों ने गर्म कपड़ों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। मौसम के बदलाव के चलते बच्चों और बुजुर्गों में खांसी बुखार जैसी बीमारियां बढ़ने लगी है। जिसको लेकर डॉक्टरों ने इस मौसम बुजुर्गों और बच्चों को गर्म कपड़े पहनने और रात के समय बाहर न निकलने की सलाह दी है।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का किया गया आयोजन

लखीमपुर-खीरी। रानी लक्ष्मी बाई इंटर कॉलेज में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 115 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें निःशुल्क दवा दी गई। बचपन किडनेय डॉ नेहा गुप्ता और डॉ पवन वर्मा ने छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य समस्या सहित नियमित जांच कर 115 बच्चों को उचित स्वास्थ्य परामर्श दिया। साथ ही स्वास्थ्य जांच उपरांत मुफ्त दवा का भी वितरण किया गया। कैम्प में एचबी, आरबीएस, सीबीसी, जीबी पीपीसीएफटी एवं केएफटी आदि जांचे आयोग्यम डेनोस्टिक सेंटर के सहयोग से मुफ्त की गईं। इस अवसर पर डॉ.नेहा गुप्ता, डॉ. पवन वर्मा, प्रबंधक संजय वर्मा, प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार वर्मा के अलावा संत सरन, अशोक वर्मा, अमित सिंह, भानु प्रताप सिंह, सुफियान आदि स्वास्थ्य कर्मी व अनुका शुक्ला,सलमान,अंकुल शर्मा, श्यामकिशोर,अभिषेक यादव, सुशील वर्मा, दिनेश, नियामत, राधा, चान्दी, अंजली,नेहा, भूपेंद्र , सतेन्द्र, सौरभ राठौर, शिखा मिश्रा आदि मौजूद थे।

त्यापार मण्डल ने किया युवा इकाई का गठन, अनुभव शर्मा बने महानगर अध्यक्ष

सहारनपुर। सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा ने युवा इकाई का गठन करीं हुए अनुभव शर्मा को महानगर अध्यक्ष, आचमन मनोचा को महानगर संयोजक, कुबेर नरुला को महानगर महामंत्री, वीनीत चौहान को महानगर कोषाध्यक्ष, दीपक खेड़ो को युवा इकाई का चेयरमैन मनोनीत किया। रेलवे रोड स्थित व्यापार भवन में आयोजित बैठक में महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा व महानगर वरिष्ठ महामंत्री स.सुरेंद्र मोहन सिंह चावला ने कहा कि युवा व्यापार में रीढ़ की दृढ़ी का कार्य करते है। उन्होंने सभी युवा व्यापारियों को प्रण दिलाया की नौकरी छोड़ो और व्यापार करो। महानगर महामंत्री वीनीत चौहान व महानगर कोषाध्यक्ष सुधीर भिमालानी ने युवा व्यापारियों से अपील की कि वह अपने बड़े बुजुर्गों द्वारा स्थापित किए गए व्यापार को ओर आगे बढ़ाएं और दूसरे को रोजगार देने वाले व्यापारियों की श्रेणी में आए। सभी को प्रदेश उपाध्यक्ष यशपाल मैनी, महेश नारां, पंडित देशमुख वशिष्ठ ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रांतीय संगठन मंत्री अशोक छाबड़ा, मंडल अध्यक्ष संजय भसीन, राजीव मदान, राजकुमार बिज, नीरज जैन, मुकेश दत्ता, मुकेश धनगर, ऋषि कपूर, देवेन्द्र चड्ढा, फजान उल हक, राजकुमार नरुला, डीके गुप्ता, सुरेश सलुजा, सुदर्शन जुनेजा, अशोक नारां, हरजिंदर सिंह, संजय गुप्ता, हरीशचंद्र चौहान, मनोज बर्मन समेत भारी संख्या में युवा व्यापारी मौजूद रहे।

सिविल एयरपोर्ट भी जगह जगह क्षतिग्रस्त

अनुसार सिविल एन्क्लेव आगरा को लभभा 14.70 लाख लीज रेंट इस स्ट्रक्चर के लिए देना पड रहा है।इलैक्ट्रिसिटी और वाटर सपलाई

आईसीआईसीआई प्रू लाइफ ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के 99.04 प्रतिशत क्लेम सिर्फ 1.2 दिनों में निपटाए बरेली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरंस ने जुलाई 2024 से सितंबर 2024 की अवधि में 99.04 प्रतिशत का क्लेम सेटलमेंट रेशियो हासिल किया है, जो इंडस्ट्री में सबसे अधिक है। खास बात यह है कि डेथ क्लेम निपटाने में औसतन केवल 1.2 दिन का समय लगा है। आईसीआईसीआई प्रू लाइफ इंश्योरंस के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर श्री अमीश बैकर ने कहा क्लेम वह पल है जब ग्राहक का विश्वास हम पर टिका होता है और हम हर क्लेम को संवेदनशीलता के साथ संभालते हैं। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में हमने 99.04 प्रतिशत क्लेम सेटल किए, जबकि नॉन-इन्वेस्टिगटेड क्लेम्स का एवरेज सेटलमेंट समय (डॉक्यूमेंट्स प्राप्त होने के बाद) केवल 1.2 दिन था। इस अवधि में हमने 451 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम निपटाए।

हमारी क्लेम फॉर श्योर पहल के तहत, हम सभी दस्तावेज जमा होने के बाद योग्य क्लेम्स को एक दिन में निपटाने का वादा करते हैं। इस पहल के तहत वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में हमने 71.24 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम निपटाए। हम लगातार इंडस्ट्री में अग्रणी क्लेम सेटलमेंट रेशियोके साथ सबसे आगे बने हुए हैं। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में यह 97.94 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 98.14प्रतिशत, वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 98.52प्रतिशत और पूरे वित्त वर्ष 2024 में 99.17प्रतिशत रहा।

उसकी पिस्तौल और पांच खोखे बरामद किए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछाछा की जा रही है। बताया जा रहा है कि शुभम भार्गव



बाद वहां का माहौल डरावना हो गया। इसके बाद शुभम ने आगरा से पान खाया और दुकान से बाहर निकल गया। पान खाने के बाद वह वहां से चला गया जबकि लोग उसकी हकत को देखकर हैरान रह गए।

पुलिस ने किया गिरफ्तार घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शुभम भार्गव के खिलाफ FIR दर्ज की। पुलिस ने

को आगरा का -रंगबाज- भी कहा जाता है जो अपनी दमबांज के लिए मशहूर है। बता दें कि यह घटना न केवल पान की तलब के चलते हुई अव्यवस्था को दर्शाती है बल्कि यह भी दिखाती है कि कुछ लोग अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल कैसे करते हैं। पुलिस ने अब आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

दशमोत्तर छात्रवृत्त योजनान्तर्गत जनपद स्तर गठित समिति अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति की बैठक

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देश पर अपर



जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व महेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत जनपद स्तर पर गठित अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा कक्षा 11-12 स्तर पर प्रोफाइल अपडेट करने और कक्षा 11-12 के ऊपर की संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा लॉक करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई।

11-12 और उससे ऊपर की कक्षाओं में छात्रों द्वारा लगातार आवेदन किए जा रहे हैं, लेकिन शिक्षण संस्थानों द्वारा इन आवेदन पत्रों को अप्रसारित नहीं किया जा रहा, जिसके कारण अनेक ऑनलाइन आवेदन पत्र लम्बित पड़े हैं।अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी शिक्षण संस्थान अपने स्तर पर ऑनलाइन आवेदन पत्रों को लम्बित न छोड़ें और उनके सप्पेक्ष नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें

समय से अग्रसारित या निरस्त करें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग नकारात्मक रूप से प्रभावित न हो, सभी शिक्षण संस्थानों को अपने पोर्टल पर लम्बित ऑनलाइन आवेदन पत्रों की समीक्षा कर उनका निस्तारण करने का निर्देश दिया गया।

अपर जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि सभी शिक्षण संस्थाओं के कक्षाध्यापकों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए, और संस्था प्रमुख से इस आशय का प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाए। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्रतिनिधि, तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दबंग कर रहे न्यायालय के आदेश की अवमानना

■ पुलिस की लापरवाही कही बन न जाये बड़ी घटना का कारण ■ महिला की भूमि पर दबंगों का कब्जा जारी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या की सदर तहसील के धरमपुर सहादत गांव में दबंगों द्वारा न्यायालय के आदेश की अवमानना करते हुए एक महिला की भूमि पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। विवादित भूमि को लेकर न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन) सदर फैजानाबद ने दो अगस्त को स्पष्ट निषेधाज्ञा जारी की थी, जिसमें विपक्षियों को भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा या निर्माण करने से रोका गया था।

धरमपुर सहादत गांव निवासी विजय लक्ष्मी, जिनके पिता कन्हैया लाल की वसीहत के आधार पर यह भूमि उनके नाम हुई है, अपने ही अधिकार की भूमि पर कब्जा पाने

के लिए संघर्ष कर रही हैं। विजय लक्ष्मी ने दबंगों की इस हरकत और न्यायालय के आदेश की अवहेलना के खिलाफ अदालत में अवमानना का मुकदमा भी दर्ज करवाया है। बावजूद इसके, दबंग खुलेआम न्यायालय के आदेश की अवमानना कर रहे हैं।बता दें विजय लक्ष्मी को उनके पिता कन्हैया लाल ने वर्ष 2010 में वसीहत लिखकर अपनी चल-अचल संपत्ति का उत्तराधिकारी घोषित किया था। उनके पिता का निधन 11 नवंबर 2010 को हो गया, जिसके बाद विजय लक्ष्मी संपत्ति की कानूनी मालिक बन गईं। विवादित भूमि पर विजय लक्ष्मी का कच्चा मकान स्थित है। जब उन्होंने इसे बनवाने का प्रयास किया, तो विपक्षियों ने उन्हें रोक दिया।एसडीएम ने लेखपाल से भूमि माच करारकर सम्झौता करवा दिया, लेकिन विपक्षियों ने समझौते का उल्लंघन करते हुए फिर से मकान पर कब्जा करना शुरू कर दिया।विजय लक्ष्मी ने इसके बाद दीवानी न्यायालय में गुहार लगाई, जहां से स्ट्रे ऑर्डर जारी किया गया। पीड़ित महिला का आरोप है कि स्थानीय

पुलिस भी उनका सहयोग नहीं कर रही है। पुलिस की निष्क्रियता ने दबंगों के हौसले और बढ़ा दिए हैं। विजय लक्ष्मी का कहना है कि वह अपनी ही भूमि पर कब्जा पाने के लिए लगातार भटक रही हैं, लेकिन न्याय नहीं मिल रहा है। विजय लक्ष्मी ने न्यायालय द्वारा जारी आदेश का पालन न करने पर विपक्षियों के खिलाफ अवमानना का मुकदमा भी दर्ज करवाया है। लेकिन इस पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। दबंगों द्वारा न्यायालय के आदेश की खुलेआम अवमानना और प्रशासन की निष्क्रियता ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला न केवल कानूनी प्रक्रिया की विफलता को दर्शाता है, बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा में प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाता है। विजय लक्ष्मी ने स्थानीय प्रशासन और न्यायपालिका से न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि यदि उन्हें जल्द न्याय नहीं मिला, तो वह इस मामले को उच्च न्यायालय और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक ले जाने को बाध्य होंगी।

बिजली बकायेदारों को एक मुश्त समाधान को लेकर निकली रैली

रामनगर बाराबंकी। एक मुश्त समाधान योजना के अंतर्गत बिजली के बकाएदारों को सरकार के द्वारा बहुत बड़ा तोहफा मिल रहा है। यह योजना 15 दिसंबर से लेकर 31 जनवरी तक हो लागू है। इस योजना में उपभोक्ताओं को बकाए का 30व पंजीकरण राशि के रूप में जमा करना होगा। इस योजना के अंतर्गत सभी बिजली कनेक्शन धारकों को इसका लाभ दिया गया है। इस योजना के अंतर्गत जल्दी आए ज्यादा लाभ पाए। यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा लागू की गई है। उपभोक्ताओं की जानकारी हेतु इस कार्यक्रम को रैली के माध्यम से एसडीओ मनोज यादव जो ई अनुराग वर्मा विनय यादव लाइनमैन नायब हसन रामपदे यादव कमलेश कुमार सहित बिजली विभाग के सभी लोगों ने सहभागिता करके लोगों को अधिक लाभ की विशेष जानकारी दी।

मोदी सरकार चंद पूंजीपतियों के लिए काम कर रही: गौरव रावत

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है। जीडीपी लगातार गिर रही है। आम जनता महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी से त्रस्त है। भाजपा को आम जनता की परेशानियों को कोई चिंता नहीं है। उक्त विचार आज विधानसभा जैदपुर के अंतर्गत ग्राम मजीठ में अपनी विधायक निधि द्वारा निर्मित इंटरलॉकिंग रोड को जनसेवा केंद्र के माध्यम से भी पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए आधार, आधार बेस मोबाइल नंबर, खतौनी की आवश्यकता होगी।



रही है। देश को साम्प्रदायिक आग में झोंक रही है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से ध्यान हटाकर सरकार जनता को आपस में लड़ाने का काम कर रही है। भाजपा सरकार पूरी तरह से नकारात्मक एजेंडे पर काम कर रही है। नोटबंदी, जीएसटी से व्यापार चौपट हो गया है, जिसके कारण देश की अर्थव्यवस्था तबाह हो गई है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। विकास कार्य ठप है। इस सरकार की योजनाएं पूरी तरह से गरीब विरोधी हैं। महंगाई रोकने के लिए भाजपा सरकार के पास न तो कोई नीति है और न उसकी नीयत है। इसने आम जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है। भाजपा सरकार की मुनाफाखोरी और कमीशन खोरी की नीति ने देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में

बच्चों को गर्म वस्त्र वितरण कर बांटी खुशियां

■ बैंक ऑफ बड़ौदा व मातृत्व सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर खुशियां लाने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय व मातृत्व सोशल वेलफेयर सोसायटी की ओर से एक दिव्यांग प्रतिभा सम्मान समारोह लोदीपुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि ने बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां मनाईं और लंच किया। तत्पश्चात बच्चों को गर्म वस्त्र, उपहार आदि का वितरण किया गया।मुख्य अतिथि जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं प्रभारी जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी वरुण सिंह ने कार्यक्रम संबोधित



करते हुए कि दिव्यांग बच्चों में भी प्रतिभाएं छिपी होती हैं। बस जरूरत है इनको मंच मिले और कुछ करने की हौसलाअफजाई। समाज की तरफ़ी महिलाओं, दिव्यांगजन व वृध्दों के सम्मान से ही आकी जाती हैं।बच्चों के लिए आज जो कार्यक्रम किया गया है,वह दिव्यांग बच्चों के लिए प्रेरणा बनेगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे विभाग में दिव्यांग बच्चों के लिए तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जाता है, अगर किसी तरह ही जरूरत या जानकारी करनी हो तो विकास

भवन स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा दीपक कुमार ने कहा कि हम लोग चाहते हैं कि दिव्यांग बच्चों के लिए कुछ किया जाए। इसके लिए सोसाइटी से मिलकर कार्य करना चाहिए दिव्यांग बच्चों को भागवान वो दिया जो एक आम आदमी के पास नहीं होता है। इनकी प्रतिभाओं को निखारने की जरूरत है। बहुत खुशी हो रही है आज बच्चों के साथ कुछ समय बिताकर उनकी जिज्ञासाओं को

जाना।मातृत्व सोशल वेलफेयर सोसायटी की डायरेक्टर नेहा यादव सक्सेना ने बच्चों की हरसंभव मदद सोसायटी की ओर से करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा एक नेत्रहीन बच्ची को गोद लिया गया है। जिसको म्यूजिक सिखवा रहे हैं। हर बच्चे को जीने का अधिकार है, हर किसी में कुछ करने का जज्बा होता है। उस जज्बे को मंच मिले और वह आगे बढ़े, इसके लिए समाज का योगदान जरूरी है। क्षेत्रीय राज्यभाषा अधिकारी ने कहा कि हमारा बैंक वंचित, पिछड़ा वर्ग तक सेवाएं पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि जिंदगी सबको अवसर देती है, उसे स्वीकार करे और आगे बढ़े।

कार्यक्रम में वरिष्ठ सहायक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग चंद्रभानू सिंह, श्वेता ओझा,हर्ष वर्धन गुप्ता, सचिद्वानंद मिश्रा, नीरज गुप्ता, रागिनी, विक्रान्त सक्सेना, मनोभा मिश्रा, अनुज्ञा मिश्रा, प्रियांशुल सक्सेना आदि मौजूद रहे।

कार ने बाइक सवार युवक को मारी जोरदार टक्कर, दर्दनाक मौत

मिल्कीपुर-अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के कुचैरा बाजार मे इनायतनगर से अयोध्या की तरफ तेज गति से जा रही कार UP32 k 4 2020ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हादसे मे बाइक के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना होने पर स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची NHAI की एम्बुलेंस ने तत्काल घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया जहाँ पर डाक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया तथा तीन का इलाज जिला अस्पताल मे चल रहा है।

बताते चलें कि इनायत नगर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मोटे गांव निवासी आदित्य कुमार पुत्र गुलाब चन्द (21)वर्ष,शिवम कुमार पुत्र प्रेम दास (19), अभिषेक पुत्र गोपी(20), व राजू(18) एक साथ बीते वृहसपतिवार की शाम को बाइक पर सवार होकर वेटर का काम करने मवाई खुर्द तिवारी का पुरवा गयादीन मौर्या की टीम मे ग्रीत भोज मे मजदूरी के उद्देश्य से गये थे। वृहस्पति की रात्रि करीब 11.30 बजे काम खत्म होने पर साथ मे गए चारो युवक एक ही बाइक से अपने घर मोटे गांव वापस लौट रहे थे कि कुचैरा बाजार पहुंचे ही थे कि पीछे की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार हृह्य 32 च 4 2020 ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो बाइक में कार चालक ने इतनी जोरदार टक्कर मारी कि बाइक सवार युवक बाइक से लगभग 15फुट उछल कर सड़क के किनारे जा गिरा जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसे के बाद घायल युवक को स्थानीय लोगों के द्वारा एनएचएआई एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां मौजूद डाक्टरों ने घायल युवक आदित्य को मृत घोषित कर दिया। शेष तीन घायल युवकों का इलाज जिला अस्पताल मे चल रहा है। बताते चले कि मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और यही घर के खर्च चलता था वहीं मृतक की शादी 21 दिन पूर्व भी कुमारराज थाना क्षेत्र के तिवैली पुरी वीसा का पुरवा के निवासी मिहि लाल की पुत्री स्वीटी से हुई थी हुई थी। प्रभारी निरीक्षक इनायत नगर ने बताया अभी तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ता हित के लिए संकल्पित है गिरीश चंद्र तिवारी

अयोध्या। अधिवक्ता संघ फैजानाबद अयोध्या में महामंत्री पद के लिए गिरीश चंद्र तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ जनसर्पक तेज करके अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए वर्ष 2025 मे पूर्ण आशा एवं विश्वास के साथ अभियान मे लगे है। जिसमें अधिवक्ताओं के हित के लिए वर्तमान संघ द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के संचालन में आ रही दिक्कतों का निस्तारण संघ की अस्मिता बचाए रखना और अधिवक्ताओं के हित की लड़ाई लड़ने के साथ महिलाओं के बैठने और वंशरूप की व्यवस्था बुजुर्ग अधिवक्ताओं के पेंशन कन्या धन मेडिकल के साथ अन्य लाभ की योजनाओं का संचालन संघ के अनुमति से करने के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता हित के लिए एक किसी तरह का सम्झौता नहीं करेगे इसके लिए अधिवक्ताओं से वोट और सहयोग मांगा है कि आगामी 17 दिसंबर को वोट देकर अधिवक्ता उनके हाथों को मजबूत करेगे तो संघ के सम्मान और अधिवक्ता हित के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे।

नेपाली संस्कृत परिषद समिति का 18 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अयोध्या में प्रारंभ

अयोध्या। अयोध्या धाम तीर्थ क्षेत्र में आज से तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय नेपाली-गोथरा सम्मेलन आरम्भ हो गया है।अयोध्या के बड़ा भक्तमाल आश्रम में आयोजित इस सम्मेलन में पश्चिम बंगाल के गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन इलाके, सिलीगुड़ी तराई डुवर्स, सिक्किम तथा पूर्वोत्तर राज्यों से करीब 250 तथा भारत के अन्य 12 राज्य तथा नेपाल लिंगायत 500 प्रतिनिधि आते रहे है। प्रतिनिधियों करीब 50% महिलाएं हैं नेपाली समाज के प्रायःसभी उपजाति जसे राई सुब्बा तामंग गुरूङ मगर प्रधान सार्की कामी दमाई जोगी सन्यासी, लोहार, मुनुवार, मार, बाहाण, छेत्री, बौद्ध समुदायका शेर्पा, तमू, लेच्चा, भोटीया आदि की उपस्थिति है।

बुजुर्ग महिला ने एसडीएम सदर न्यायालय में तेल डालकर किया आत्महत्या का प्रयास,कलेक्ट्रेट परिसर में मचा हड़कंप

शाहजहांपुर। 1990 से चल रहे संपत्ति विवाद में 35 वर्ष बीत गए,पति की हत्या कर दी गयी,एक वर्ष बीत गया फाइल दो बार आर्डर पर लगी पर नही किया निस्तारण।22 नवम्बर को पीडिता ने सीएम योगी आदित्यनाथ को रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से एक प्रार्थना पत्र भेजा जिसमे मामले का निस्तारण न होने पर आत्मदाह की बात कही गयी थी।बाबजूद इसके शाहजहांपुर एसडीएम सदर ने मामले की गंभीरता को नही समझा और आज महिला ने एसडीएम सदर न्यायालय के अंदर खुद पर तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। शाहजहांपुर जिलाधिकारी धर्मेद्र प्रताप सिंह ने महिला को कार्यालय में बुलाया समझाया और एसडीएम सदर ज्ञानेंद्र नाथ को मामले के निस्तारण के तत्काल निर्देश दिए।

बौद्धिक क्षमता मजबूत होती है खेलकूद से: एसडीएम

■ मशाल दौड़ स्थापना के साथ तीन दिवसीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार (महराजगंज)। सिसवा खुर्द स्थित स्टर्लिंग पब्लिक सीनियर सेकेंड्री स्कूल में शुक्रवार को तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ मार्च पास्ट की सलामी, प्रतियोगिता का ध्वजारोहण तथा मशाल दौड़ स्थापना के साथ किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि निचलौल एसडीएम शैलेंद्र कुमार गौतम ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व मशाल प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ ही साथ बौद्धिक क्षमता को मजबूत करने के लिए खेलकूद बेहद जरूरी है। ये नहें-मुन्ने बच्चे इस तरह के स्थानीय स्तर की प्रतियोगिता के माध्यम से ही राष्ट्रीय तथा

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना तथा अपने जनपद का नाम रोशन कर सकते है। प्रबंधक एनबी पाल ने खेलकूद तथा प्रतियोगिता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों के उज्जल भविष्य की कामना किया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में सीनियर बालक व बालिका वर्ग में 100, 200 मीटर तथा जूनियर बालक व बालिका वर्ग में 100, 200 मीटर दौड़ आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त दौड़ लंबी कूद, ऊंची कूद, रस्साकस्सी, चेस, रिले रेस, बॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों

ने अपनी-अपनी प्रतिभा के हुनर का प्रदर्शन किया। कोच चंदन पाठक ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन 15 दिसंबर को प्रुस्कार वितरण के साथ किया जाएगा। प्रधानाचार्य रविंद्र सिंह ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस दौरान निदेशक चंद्रशेखर पाल, संरक्षक शकुंतला पाल, पंडित अवधेश चौबे, भारती चौबान, बिरेन्द्र दुबे, महंथ उपाध्याय, संजय सिंह, भुवनेश्वरी तिवारी, वैदिका सिंह, राणी सिंह, प्रिया सिंघानिया, नीतू चौधरी, अफजल अहमद, अमित सहित शिक्षालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराएं: सीडीपीओ

सीडीपीओ ने सेमरा राजा गांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ ग्रामीणों को किया जागरूक

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। सदर ब्लॉक के ग्राम सभा सेमरा राजा में शुक्रवार



सेमरा राजा में ग्रामीणों को जागरूक करते सीडीपीओ ।

को बाल विकास परियोजना अधिकारी सदर विजय प्रकाश चौधरी ने कुपोषित बच्चों के अभिभावकों को पोषण पुनर्वास केंद्र

(एनआरसी) में भर्ती के लिए प्रेरित किया गया। सीडीपीओ ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा किए

करने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। इन बच्चों को 14 दिन तक चिकित्सक एवं समस्त स्टाफ के देखरेख में पूरी देखभाल की जाएगी। पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद उन्हें एनआरसी से डिस्चार्ज किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि पोषण पुनर्वास केंद्र एक ऐसी सुविधा है, जहां छह माह से पांच वर्ष तक के गंभीर रूप से कुपोषित बच्चे जिनमें किण्वित्सकीय जटिलताएं होती हैं, को चिकित्सकीय सुविधाएं मुफ्त में प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा बच्चों की माताओं को बच्चों के समग्र विकास के लिए आवश्यक देखभाल तथा खान-पान संबंधित कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दौरान ग्राम प्रधान टीटू राय, आंगनबाड़ी कार्यवाही प्रस्तावित करें। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

अवर सचिव भारत सरकार का जिले में दौरा, जिला प्रशासन एवं बैंकरों के साथ की समीक्षा बैठक

अवधानामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भारत सरकार के वित्तीय सेवाएँ विभाग के सचिव एम. नागराजू, के निर्देश पर रमेश यादव, अवर सचिव भारत सरकार ने प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले का शुक्रवार को दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी डॉ राजागणपति आर से उनके निवास स्थान पर जिले की वित्तीय समावेशन स्थिति पर चर्चा की। इसी क्रम में अम्बेडकर सभागार विकास भवन में जिला प्रशासन, एलडीएम तथा बैंकरों के साथ भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों पर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत जिले के प्रदर्शन की समीक्षा बैठकें भी आयोजित की गयी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार, एस.एल.बी.सी. उत्तर प्रदेश प्रतिनिधि उमेश श्रीवास्तव, एल.डी.एम. आर. के. सिन्हा, डीडीएम नाबाई हिमांशु त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक दीपेंद्र यादव, क्षेत्रीय



प्रबंधक बबौदा यूपी बैंक बुजेंद्र नागराजन, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, बैंकिंग कॉरस्पॉण्डेंट्स एवं बैंकिंग सेवाओं से जुड़े हुए अधिकारी शामिल हुए।

समीक्षा बैठक में वित्तीय समावेशन के महत्व पर विचार विमर्श हुआ तथा यह जोर दिया गया कि इसके दायरे में अधिकाधिक गरीबों, महिलाओं, किसानों तथा छोटे उद्यमियों के लिए

समान अवसर सुनिश्चित किये जाएँ। वित्तीय समावेशन के विषय जिले की प्रगति की सराहना करते हुए रमेश यादव ने कहा कि वित्तीय समावेशन की प्रगति निरंतर बनाये रखने के लिए वित्तीय साक्षरता तो आवश्यक है ही, किन्तु शिकायतों का उचित निवारण और ग्राहकों के हितों की रक्षा करना सर्वोपरि है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं बैंक प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि

विभिन्न संचार माध्यमों से भारत सरकार तथा राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाये जिससे कि लोग स्वयं तथा अपने परिवार को सशक्त बनायें। जैसे कि प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना के माध्यम से एक वर्ष में मात्र 20 रुपये द्वारा आप अपने परिवार को 2 लाख रुपये का सुरक्षा कवच दे सकते है। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को वित्तीय समावेशन के आधारभूत तत्वों पर ध्यान केन्द्रित करके नियामक ढाँचे के अनुपालन और जन भागीदारी के जरिए समाज के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने हेतु तहसील स्तर पर 'मेगा कैम्प' आयोजन करने के आदेश दिए साथ ही डिजिटल, साइबर सिक्यूरिटी, धोखाधड़ी से बचने के उपाय आदि पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने हेतु आग्रह किये।

स्रोत पर आयकर की कटौती व संग्रहण हेतु आयोजित सेमिनार



अंबेडकरनगर अवधानामा संवाददाता। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयकर अधिकारी टीडीएस फैजाबाद द्वारा जनपद के आहरण एवं वितरण अधिकारियों के साथ स्रोत पर आयकर की कटौती व संग्रहण के विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।उक्त सेमिनार में आयकर की स्रोत पर कटौती व संग्रहण की विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही कर कटौती के बाद उसका उचित समय में आयकर विभाग केंद्र सरकार के खाते में जमा करने व त्रैमासिक ई-फाइलिंग सही समय पर करने हेतु बताया गया। सेमिनार में आहरण एवं वितरण अधिकारियों द्वारा होने वाली त्रुटियों के बारे में भी अवागत कराया गया साथ ही आगे के लिए यह जागरूकता फैलाई गई जिसे या त्रुटियां ना होने पाए और टीडीएस की मांग न प्रदर्शित हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी महोदय ने सभी को बताया कि आहरण एवं वितरण अधिकारी आयकर की प्रावधानों के अनुरूप अपनी जिम्मेवारियों का सुचारु रूप से निर्वहन करें। फैजाबाद से आई हुई आयकर अधिकारी टीडीएस श्रीमती ममता केसवानी ने सभी आहरण एवं वितरण अधिकारियों को आयकर की कटौती में होने वाली त्रुटियां से बचने व पुरानी बकाया मांग को खत्म करने के लिए सुधार हेतु कार्यवाही करने हेतु प्रेरित किया। बैठक में उपस्थित आयकर अधिकारी अंबेडकर नगर श्री चंद्र प्रकाश ने आयकर के महत्व व उसमें टीडीएस की भूमिका से संबंधित जानकारीयें उपलब्ध कराईं।

अस्सी लाख इव्यासी हजार रुपये की लागत से बनेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत महादेवा नानकार में अस्सी लाख इव्यासी हजार रुपये की लागत से सामुदायिक केंद्र बनाए जाने की स्वीकृति शासन द्वारा दी गई है। समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा को पत्र के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र के महादेवा नानकार में सामुदायिक केंद्र के निर्माण से क्षेत्र के लोग उसका उपयोग कर सकेंगे। राज्य मंत्री ने यह भी कहा कि सामुदायिक केंद्र के निर्माण के समय विधायक विनय वर्मा समय-समय पर निरीक्षण करते रहें ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनी रहे और राजकीय धन का अधिकतम सही उपयोग सुनिश्चित हो सके। निर्माण कार्य में अधोमानक सामग्री के उपयोग व कार्य की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए।

बैदौला चौराहे पर योगा पृथ्वी मुद्रा के फाउंडेशन का कार्य शुरू : इओ
डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। प्रधानमंत्री जी के प्रेरणा से नगर पंचायत डुमरियागंज के बैदौला चौराहे पर योगा पृथ्वी मुद्रा की स्टेच्यू लगाए जाने के कार्य का अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव ने बताया कि विगत दिनों चौराहे के दोनों तरफ रोड एवं नाले के बीच में लगभग दो फिट सी.सी. पट्टी का निर्माण कराया गया था, जिससे सड़क की चौड़ाई और बढ़ गयी तथा इससे आवागमन वाहनों को मुझने में काफी आसानी होगी। अब बैदौला चौराहे पर गोल्डेन कलर में योगा पृथ्वी मुद्रा की स्टेच्यू लगाने हेतु फाउंडेशन का कार्य शुरू करा दिया है। अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव द्वारा संबंधित ठेकेदार को कार्य मानक और गुणवत्ता पूर्वक कराने के लिए कई निर्देश दिए गए।

पटखौली में चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों की सुनी गयी समस्या



लोटन सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। विकास खण्ड लोटन बाजार अन्तर्गत ग्राम पंचायत पटखौली एवं धरनिहवा में ग्राम प्रधान कमलेश चौरसिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को चौपाल का आयोजन किया गया ताकि गांव की समस्या गांव में समाधान हो सके। सचिव मनोज कुमार की मौजूदगी में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया। ग्राम विकास अधिकारी मनोज कुमार ने मौजूद लोगों को सरकार की योजनाओं एवं मिलने वाले लाभ के बारे में सचिव ने विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान किसान सम्मान निधि, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन शौचालय के बारे बताया गया। प्रिया सिंह ने ग्रामीणों को बैंक से सम्बन्धित जानकारी दी। आनलाइन फाड से कैसे बचें और यदि फाड हो जायए तो तत्काल इसकी शिकायत कहाँ दर्ज करें। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जन धन खाता, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान ग्राम प्रधान तीरथ प्रसाद, अजय कुमार, संध्या चौरसिया, रोजगार सेवक कृपा शंकर चौरसिया, आशा देवी,माधुरी, किसमतती देवी, राजेन्द्र यादव, मुन्ना प्रसाद, इंसाफ अली, शोहभत अली, साबित्री देवी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नेपाली सेना में मुस्लिम समुदाय और उलेमा की भागीदारी से परहेज अन्यायपूर्ण कदम: मशहूद खां

अवधानामा संवाददाता

कृष्णानगर, नेपाल। नेपाल में सेना ने विभिन्न तकनीकी और सेवात्मक क्षेत्रों में 30/01 पदों के लिए भर्ती की घोषणा की है, जिनमें नर्स, मैकेनिक, पुजारी, वेटरनरी और वीडियो एडिटिंग जैसे विभाग शामिल हैं। इस भर्ती प्रक्रिया में मुस्लिम समुदाय और उलेमा को पूरी तरह नजर अंदाज किया गया है। न तो मुस्लिम उलेमा को शामिल किया गया और न ही किसी अन्य क्षेत्र में मुस्लिम व्यक्तियों की भागीदारी का कोई उल्लेख किया गया है। इसके विपरीत, हिंदू धार्मिक व्यक्तित्व जैसे पुजारियों को इस सूची में शामिल किया गया है, जिससे एक धर्म को प्राथमिकता दी जा रही है।

राष्ट्रीय मंदरसा संघ के महासचिव मशहूद खां ने इस कदम पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह निर्णय नेपाल जैसे धर्मनिरपेक्ष देश के संवैधानिक और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है। धार्मिक सतुलन और समान अवसर प्रदान करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। मुस्लिम समुदाय और उलेमा को नजरअंदाज करना राष्ट्रीय एकता और सामंजस्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है।

सड़क पर गम्बा लदी ट्रैक्टर ट्रालियों से लग रही लम्बी कतारें
अम्बेडकरनगर। मिर्झा चौनी मिल के आसपास गम्बा लदी ट्रालियों की लंबी कतारों के चलते सुबह से शाम तक जांच के हालात बने हुए हैं। मिर्झा से भीटी रोड, अकबरपुर रोड, गेोशार्ङग मार्ग पर गम्बा वाहनों की लम्बी लम्बी कतारें लगी है। इस वजह से बाइक व चारपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो रहा है। सूचना के बाद भी पुलिस गम्बा वाहनों को रास्ते से किनारे नहीं करा सकी। मिर्झा चौनी मिल ने क्षमता से अधिक गम्बा पर्वियां जारी कर दी हैं। इस वजह से मिल को गम्बा तले दब जाते हैं। मिर्झा चौनी मिल में ट्रैक्टर ट्रालियां आ रही हैं। किसानों को उम्मीद थी कि शीघ्र गन्ने की तोल हो जाएगी। इस वजह से रात भर वे वाहनों के साथ हाई वे पर रहे। इस वजह से जाम के हालात बन गए हैं। मिर्झा चौनी मिल के पास अपना गम्बा याई होने के बाद भी गम्बा भरे हाइवन जगमार्ग पर खड़े रहे। इस वजह से सड़क पर गुजरने वाले वाहन जाम में घंटों फसे रहते हैं। मिर्झा चौनी मार्ग पर स्थित बलरामपुर चीनी मिल को आपूर्ति करने आ रहे गम्बा भरे ट्रक, ट्रैक्टर ट्राली सड़क पर खड़े होने की वजह से सुबह भी वाहनों को कतार लगी रही।

बेजा रसमें मिठाओ राहत पाओ मुहिम का 15 दिसम्बर को मोहम्मद एबाद करेंगे शुमारम्मा

अवधानामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सामाजिक रीतियों और अनावश्यक परंपराओं को समाप्त कर एक नए, शिक्षित, और प्रगतिशील समाज के निर्माण की दिशा में बेजा रसमें मिठाओं, राहत पाओ शीर्षक से एक महत्वपूर्ण पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम समाज में शिक्षा, व्यापार, और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक संगठित प्रयास है। हमारे समाज में कई ऐसी परंपराएं और रसमें प्रचलित हैं जो न केवल संसाधनों की बर्बादी करती हैं, बल्कि समाज के एक बड़े वर्ग के लिए आर्थिक और मानसिक बोझ भी बन जाती हैं। शादी, जन्म और मृत्यु जैसे अवसरों पर दिखावे और अनावश्यक खर्च के नाम पर कई परिवार कर्ज के बोझ तले दब जाते हैं। मोहम्मद एबाद द्वारा आयोजित यह पद यात्रा समाज को इन कुरीतियों से राहत दिलाने और एक सकारात्मक परिवर्तन की ओर प्रेरित करने का

प्रयास है। यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के लिए जागरूकता का संदेश लेकर आएगा। शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति की रीढ़ होती है। इस पद यात्रा के माध्यम से लोगों को यह समझाया जाएगा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का ही नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की उन्नति का आधार है। शिक्षित समाज ही अनावश्यक परंपराओं और कुरीतियों के खिलाफ खड़ा हो सकता है। व्यापार और स्वावलंबन को बढ़ावा देना इस कार्यक्रम का एक और प्रमुख उद्देश्य है। यदि लोग आर्थिक रूप से सशक्त होंगे, तो वे अपनी और अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगे। अनावश्यक खर्चों से बचने और बचत करने का संदेश भी इस पहल का हिस्सा है। समाज में समानता, एकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य है। जागरूक समाज ही अपने विकास और प्रगति के लिए नई राहें खोल सकता है।

अवधानामा संवाददाता
अंबेडकरनगर। सर्दी की ठंडुरन बढ़ने के साथ ही नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने भी राहगीरों के लिए ठंड से बचाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत नगर में कई जगहों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा जरूरतमंदों के लिए एक अस्थायी रैन बसेरा भी रात गुजारने के लिए बनाया गया है। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी बीना सिंह ने ठंड से बचाव के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए पालिका प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी अच्छे ढंग से निभाने की बात भी कही है। हाइ कंफने वाली सर्दी को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। कोहरे के बाद लगातार चल रही पछुआ हवा ने ठंड बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसे देखते हुए अकबरपुर नगरपालिका परिषद ने आने वाले दिनों

ठंड से बचने के लिए अकबरपुर पालिका द्वारा जलवाया गया अलाव



में अलाव जलाने के लिए लकड़ी खरीदने की निविदा की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। साथ ही अस्थायी रैन बसेरा बनाने की तैयारी भी तेज कर दी गई है। ठंड का आगाज होते ही नगरपालिका अकबरपुर ने 49 प्रमुख स्थानों पर अलाव जलवाने का निर्णय लिया है। स्थानीय नागरिकों व यात्रियों को ठंड से बचाने के लिए बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, पुरानी तहसील, फक्कारा तिराहा, पहितीपुर तिराहा, पटेल नगर सहित सभी प्रमुख स्थानों का चयन किया गया है। तय हुआ है कि एलआईसी गली में बने 100 बेड के

स्थायी रैन बसेरे के साथ ही बस स्टेशन पर अस्थायी रैन बसेरे की स्थापना होगी। इससे दूर दराज से आने वाले यात्री रात्रि में यहां रुक सकेंगे।नगर पालिका ई ओ बीना सिंह ने बताया कि अलाव जलाने के लिए लकड़ी खरीद की निविदा की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। साथ ही रैन बसेरे को लेकर भी तैयारी पूरी हो चुकी है। जल्द ही पहले प्रमुख स्थानों पर अलाव जलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी। अलाव के स्थानों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी।

नहरों में पानी की समस्या को लेकर मणेर मिश्रा ने दिया ज्ञापन



शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र की नहरों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने को लेकर समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेर मिश्रा ने शुक्रवार को उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ न्यायिक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रबी की फसलों की सिंचाई के लिए नहरों में पानी की अनुपलब्धता की समस्या के समाधान हेतु आग्रह किया गया है। मणेर मिश्रा ने कहा कि शोहरतगढ़ क्षेत्र में रबी की फसल विशेषकर गेहूं में सिंचाई के लिए नहरों में पानी की बेहद आवश्यकता है। प्रति वर्ष दिसंबर के दूसरे सप्ताह के पूर्व तक नहरों में पानी आ जाता था। जिससे किसानों के फसलों में आसानी से सिंचाई की जा सकती थी। लेकिन इस बार अभी तक नहर में पानी नहीं आया जिससे गेहूं की फसल का नुकसान हो रहा है। सिंचाई विभाग की उदासीनता से अन्रदाता त्रस्त है। पहले बीज और खाद की क्लिन्न और अब नहरों में पानी नहीं ऐसे में शासन/प्रशासन की लापरवाही से किसानों का जीवन संकटास्त हो गया है। इस दौरान मणेर मिश्रा, हरिराम यादव, राकेश दूवे, अजय चौरसिया, मनोज मिश्रा, संदीप साहनी, पिंदू गौड़, सुरेश साहनी, अली अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

जलालपुर बार एसोसिएशन ने बुलाई आपातकालीन बैठक
जलालपुर अंबेडकरनगर अवधानामा संवाददाता। जलालपुर तहसील बार एसोसिएशन की आपातकालीन बैठक बुलाई गई जिसमें एक अधिवक्ता द्वारा एसडीएम कार्यालय में अपशब्दों का प्रयोग करने पर विचार विमर्श किया गया जिसमें अधिवक्ता की तीन माह तक की सदस्यता निलंबित कर दी गई तथा 5000 अर्थ दंड लगाया गया इस संबंध में जानकारी देते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने बताया कि अधिवक्ता अशोक कुमार तिवारी द्वारा एसडीएम पेशकार सहित एक कर्मचारियों के साथ गाली गलौज करने के मामले में आपातकालीन बैठक अधिवक्ता सभागार में संघन हुई जिसमें सर्वसम्मत से यह पारित किया गया कि अधिवक्ता अशोक कुमार तिवारी की सदस्यता तीन माह के लिए निलंबित कर दी जाए और 5000 अर्थ दंड लगाया जाए। एक सप्ताह के अर्थ दंड न जमा करने की स्थिति में उक्त अधिका की सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी।

पीएम के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौपा

जलालपुर अंबेडकरनगर अवधानामा संवाददाता। तमसाश्रेष्ठ ट्रस्ट के अध्यक्ष केशव श्रीवास्तव ने पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में पीएम के नाम संबोधित एसडीएम पवन जायसवाल को ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष केशव श्रीवास्तव ने बताया कि बांग्लादेश में लंबे समय से हिंदुओं पर अत्याचार कर सनातन समाज के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।स्थिति यह है कि मीडियों में पूजा के दौरान हमले हो रहे हैं। पीड़ित न्याय के लिए भटक रहे हैं लेकिन उनकी कोई सुनने वाला नहीं है। बांग्लादेश में मानवाधिकारों का हनन हो रहा है उनके रोजगार, जमीन और अन्य अधिकारों से उन्हें वंचित किया जा रहा है ऐसे में पीएम से बांग्लादेश में हिंदुओं की धार्मिक सुरक्षा और हिंदुओं की रोटी, बेटी, चोटी की सुरक्षा की मांग की।

पुरुष उत्पीड़न का सच

यह कैसा दौर है? कैसे रिश्ते हैं? वैवाहिक संबंध बेचे जा रहे हैं? पुरुष उत्पीड़न का नया तबका बन गया है। पुरुष एटीएम बनता जा रहा है। स्त्री-पुरुष अब सामाजिक, मानसिक पूरक नहीं, बल्कि संबंधों के बाजार की दो वस्तुएं हैं। लैंगिक विभेद की व्याख्याएं अधूरी और आग्रही हैं। यह कैसा समाज बन गया है, जहां सिर्फ स्त्री और पुरुष हैं, कोई सामाजिक रिश्ता नहीं है। रिश्ते दरक रहे हैं, तो परिवार टूट रहे हैं और आपसी सम्मान भी विलुप्त हो रहे हैं। हमने ऐसा पश्चिमी देशों के संदर्भ में सुना था, लेकिन अब भारतीय संस्कृति में भी संबंधों और मूल्यों को खरोँचा जा रहा है। हम कोई प्रवचन देने की मुद्रा में नहीं हैं और न ही स्त्री-व्नेष वर्ग के चेहरे हैं। हम नारीवाद, महिला सशक्तिकरण के विरोधी भी नहीं हैं। घरेलू हिंसा, झूठे आरोप और उत्पीड़न, आर्थिक लूट के शिकार पुरुष भी हो रहे हैं। उनके लिए विशेष कानून क्यों नहीं हैं? बलात्कार, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज की मांग के झूठे केस भी दर्ज होते रहे हैं। अदालतों के जरिए ऐसे मामले भी सुविधाएं बनते रहे हैं। स्त्री को निर्णायक तौर पर ढंङित करने वाले कानून क्यों नहीं हैं। समाज में पुरुष भी उसी महत्वपूर्ण और अनिवार्य इंकाई है, जितनी महिला है। ये सवाल, ये मुद्दे इसलिए उठे हैं, क्योंकि एक बहुपक्षीय कंपनी में डीजीएम के पद पर कार्यरत, एआई इंजीनियर, 34 वर्षीय अतुल ने वैवाहिक उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले उस नौजवान ने जो वीडियो सार्वजनिक किया और 24 पत्रों का आत्महत्या नोट लिखा, वे थराने वाले दस्तावेज हैं।

उस युवक ने अदालती व्यवस्था को भी बेनकाब किया, क्योंकि महिला जज ने 5 लाख रुपए की घूस मांगी थी। जज ने हंसते हुए व्यंग्य किया था, 'नहीं तो जिंदगी भर तुम और तुम्हारा परिवार अदालत के धके खोते रहना। नौबत आत्महत्या की भी आ सकती है, लिहाजा 5 लाख में मैं तुम्हारा केस सेटल कर सकती हूं।' युवा इंजीनियर अदालत की व्यवस्था से भी उत्पीड़ित था। केस की 58 तारीखें लग चुकी थीं। वह बंगलुरु से जौनपुर, यूपी में हर तारीख पर नहीं आ सकता था। उसे पत्नी की 3 करोड़ रुपए के जुजारा भत्ता की मांग भी सवालिया लगी। अतंत-आत्महत्या का फैसला लिया, ताकि पैसा देने वाली इंकाई ही समाप्त हो जाए। आत्महत्या नोट में इंजीनियर ने लिखा- 'यदि मुझे इंसफ़ म मिले, तो मेरी अस्थियां अदालत के पास वाले गटर में बहा दी जाएं।' कितना मार्मिक और पराजित कथन है यह! दरअसल हम किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच रहे हैं। आत्महत्या नोट 'सत्य की पराकाष्ठा' माना जाता है। मरने से पहले नौजवान इंजीनियर ने जो कुछ लिखा है, हम उसके आधार पर ही विश्लेषण कर रहे हैं और कुछ सवाल उठाए हैं। अदालत का फैसला आना है। हमारे कानून नारीवादी हैं। यदि स्त्री हिंसा या उत्पीड़न अथवा शोषण की शिकायत दर्ज कराती है, तो पुरुष पक्ष के कई लोगों को जेल में भेजा जा सकता है। बाद में वह शिकायत फर्जी भी साबित हो सकती है। ऐसे कानून में संशोधन किया जाना चाहिए। बेशक हमारा समाज पितृसत्तात्मक है। सभ्यता की बुनियाद यही है। औसत वैश्विक संस्थान पुरुष निर्मित है। अधिकतर भगवान पुरुष हैं, जिनकी पूजा महिलाएं करती हैं। यह दुनिया ही पुरुष की है, लेकिन अब यथार्थ बवल भी रहे हैं। औरत हर क्षेत्र में बढ़ रही है। फिर ऐसे कानून क्यों हैं कि जिनका दुरुपयोग किया जा रहा है।

एशिया, यूरोप और नाटो के शक्ति संतुलन में भारत की भूमिका

रूस में यूक्रेन पर आक्रमण कर के अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के नाक में दम कर के रखा है।रूस का कहना है कि यदि यूक्रेन में नाटो देश अपनी सेना का लश्कर उतारेगा तो नाटो देश को भुगतान पड़ेगा। इसी श्रृंखला में इसराइल ने फिलिस्तीन लेबनान और ईरान पर अपना रोड रूप दिखाना शुरू कर दिया है इसराइल में हम आपका फिलिस्तीन को को लगभग नेस्तनाबूत कर दिया है,

इसमें एक भी अटलांटिक देश शामिल नहीं है। नाटो प्लस में सम्मिलित देशों को सामूहिक सुरक्षा के दायरे में रखा गया है सुरक्षा कवच के तहत यह सामूहिक अवधारणा है कि इन देशों पर यदि कोई दूसरा देश आक्रमण करता है तो यह माना जाएगा की वह इन सदस्य देशों पर हमला कर रहा है और उसकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी नाटो देशों की होगी पर नाटो प्लस के देशों को इसरायल को राष्ट्र प्रमुख नेताओं के खिलाफ हत्याकांड का प्रकरण दर्ज किया है पर इसरायल को इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा तो दुगुनी ताकत से हमास फिलिस्तीन लेबनान और ईरान पर लगातार हमला कर रहा है लाखों नागरिक और सैनिकों की मौत भी हो गई है। चीन ने प्रशांत क्षेत्र में अपने कई युद्धपोत उतारकर नाटो देशों में खलबली मचा रखी है। अमेरिका की चीन से खाटी दुश्मनी जगजाहिर है अब चीन की ज्यादाती ऊपर अंकुश लगाने के लिए अमेरिका तथा नाटो देश बहुत गहरी चिंता में पड़ गए हैं।

यह भी चिंता है एशिया में चीन की टक्कर में अब भारत एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है और भारत की सामरिक शक्ति का सहयोग लेने के लिए नाटो देश और अमेरिका भारत को हर तरह से घेरने की तैयारी में है। अब डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के साथ ही अमेरिका और भारत के नए सम्बन्ध बनने के कगार पर है भारत एशिया की चीन के बाद दूसरी महाशक्ति बन चुका है और अमेरिका तथा नाटो देश ने भारत के साथ एशिया में शक्ति संतुलन बनाने की पूरी योजना तैयार कर ली है और इसी कार्यक्रम में भारत को नाटो प्लस में शामिल होने का प्रस्ताव भी दिया गया है। उल्लेखनीय है कि नाटो में कुल 31 देश शामिल है और नाटो प्लस इसके एक एक्सटेंशन की तरह ही है आपको बता दें की नाटो प्लस में शामिल पांच देश वर्तमान में है जिनमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजराइल, जापान ,दक्षिण कोरिया शामिल है और यह देश अपने-अपने हितों के कारण नाटो प्लस तथा अमेरिका से जुड़े हुए हैं। जाहिर है कि

सुरक्षा कवच के दायरे से बाहर रखा गया है। इन देशों को सामरिक सूचनाएं और सामरिक सहयोग प्रदान नाटो देश करता रहेगा छद्मसुरी तरफ नाटो देश और अमेरिका हमेशा युद्ध के समय सदस्य देशों को यूक्रेन की तरह धोखा देने में माहिर होने के लिए जगजाहिर हो चुके हैं ऐसे में भारत को नाटो प्लस में शामिल होने के लिए कई बार विचार करना पड़ेगा।वैसे नाटो प्लस में शामिल होने के लिए अभी केवल अमेरिकी सांसदों का प्रस्ताव ही पारित हुआ है और अमेरिकी सरकार का पक्का प्रस्ताव भारत को नहीं मिला है।छ घंछले 5 वर्षों से भारत नई शक्ति के रूप में तेजी से शक्तिशाली हुआ है और अमेरिका तथा यूरोपीय देश भारत को एशिया की चीन के बाद दूसरी बड़ी शक्ति मान कर उसे अपनी तरफ शामिल करने के लिए काफी हद तक इच्छुक हैं।छ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं।छ प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा में भविष्य में नाटो प्लस पर भी चर्चा हो सकती है। भारत के संबंध अमेरिका से पिछले एक दशक से थोड़े मधुर हुए हैं पर अमेरिका का जैसा भारत के साथ इतिहास रहा है उस पर आंख मुंदकर विश्वास किया जाना बहुत मुश्किल ही समझा जाएगा।छ अमेरिका पर ज्यादा भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि वह अपने मित्र राष्ट्रों पर एन वक में धोखा देने में माहिर है जिसके ताजा उदाहरण अफगानिस्तान और यूक्रेन की तरह देखा जा सकता है। अफगानिस्तान अमेरिका के धोखे के कारण तालिबानी आतंकवादियों के हाथ में चला गया और यूक्रेन पूरी तबाही के कगार पर बैज है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने गुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित करवाकर प्रथम तत्व, मस्फ़िद नूर महल, साकेत पब्लिकी, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।
RNI No UPHIN/2010/31173
देली फेक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com,

भारत में भाषाई जनसांख्यिकी समृद्ध और विविध है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत आबादी खुद को गैर-अंग्रेजी, मूल भाषा बोलने वालों के रूप में पहचानती है। गहन शिक्षा के मूल में मातृभाषा है। हमारी भाषाएं केवल संचार के उपकरण नहीं हैं - वे इतिहास, परंपराओं और लोककथाओं के भंडार हैं, जो पीढ़ियों के सामूहिक ज्ञान को संरक्षित करती हैं और एक अद्वितीय विश्वदृष्टि प्रदान करती हैं। रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता से भरपूर बच्चे तब फलते-फूलते हैं जब उनकी शिक्षा उनकी मूल भाषा में शुरू होती है।

मातृभाषा : भारतीयता की विशिष्ट पहचान को पुनर्जीवित करना

भारतीय भाषा उत्सव, हमारी विविध भाषाई विरासत को मनाने और 11 दिसम्बर को श्रद्धेय महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर 4 से 11 दिसम्बर तक मनाया जा रहा है। एक सप्ताह का उत्सव वर्तमान में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है। 'भाषाओं के माध्यम से एकता' इस वर्ष के समारोह का मुख्य विषय है, जो भारत की सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। अभी कुछ महीने पहले, 3 अक्टूबर, 2024 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच भाषाओं - मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा देकर एक तरह का इतिहास रच दिया, इस प्रकार तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी पहले से मान्यता प्राप्त छह अन्य शास्त्रीय भाषाओं के दायरे का विस्तार किया। भारत की उल्लूक भाषाई विरासत की गहन स्वीकृति के रूप में, यह घोषणा उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है जिनकी ये भाषाएं मातृभाषा है।

भारत की विविध भाषाएँ भारतीयता की अभिव्यक्ति हैं और ये हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, सभी भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और वे भारतीयता की आत्मा हैं और इसलिए विषय है, जो भारत की सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। अभी कुछ महीने पहले, 3 अक्टूबर, 2024 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच भाषाओं - मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा देकर एक तरह का इतिहास रच दिया, इस प्रकार तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी पहले से मान्यता प्राप्त छह अन्य शास्त्रीय भाषाओं के दायरे का विस्तार किया। भारत की उल्लूक भाषाई विरासत की गहन स्वीकृति के रूप में, यह घोषणा उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है जिनकी ये भाषाएं मातृभाषा है।

भारत की विविध भाषाएँ भारतीयता की अभिव्यक्ति हैं और ये हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, सभी भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और वे भारतीयता की आत्मा हैं और इसलिए

सम्मान की पात्र हैं। भाषाई विविधता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को साकार करने में मदद करती है। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति को भाषाई गौरव को सम्मान की निशानी के रूप में धारण करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भी इसका उदाहरण दिया जब उन्होंने जोर देकर कहा, मैं संयुक्त राष्ट्र में भी गर्व के साथ भारत की भाषाएँ बोलता हूँ। अगर श्रोताओं को तालियॉ बजाने में थोड़ा समय लगे, तो लगे। यह कथन भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है और भाषाई गौरव के मूल्य को उजागर करता है।

भारत एक ऐसी भूमि है जहाँ न केवल अनेक भाषाएँ हैं, बल्कि एक दूसरे का सम्मान भी करती है। यह एक से अधिक भाषा के उल्लूक इस्तेमाल का सटीक उदाहरण है। हमारी भाषाई विविधता एक समृद्ध, जटिल ताने-बाने का निर्माण करती है, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान को एक साथ बुनती है और साथ ही देश की एकता को विविधता के बीच पोषित करती है। औपनिवेशिक शासन के दौरान इस सांस्कृतिक शक्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ा। 2 फरवरी 1835 को, थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसे मैकालेज मिन्ट ऑन इंडियन एजुकेशन के रूप में जाना जाता है, जिसमें देशी भाषाओं पर अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई थी, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश हितों के प्रति वफादार भारतीयों का एक वर्ग



बनाना था, जो पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों से अलग कर रहा था। तब से, उपनिवेशवाद का दीर्घकालिक प्रभाव काफी लंबे समय तक रहा, जिसने हमारे सांस्कृतिक और भाषाई गौरव को गंभीर चोट पहुंचाई है।

भारत में भाषाई जनसांख्यिकी समृद्ध और विविध है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत आबादी खुद को गैर-अंग्रेजी, मूल भाषा बोलने वालों के रूप में पहचानती है। गहन शिक्षा के मूल में मातृभाषा है। हमारी भाषाएं केवल संचार के उपकरण नहीं हैं - वे इतिहास, परंपराओं और लोककथाओं के भंडार हैं, जो पीढ़ियों के सामूहिक ज्ञान को संरक्षित करती हैं और एक अद्वितीय विश्वदृष्टि प्रदान करती हैं। रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता से भरपूर बच्चे तब फलते-फूलते हैं जब उनकी शिक्षा उनकी मूल भाषा में शुरू होती है। अपनी मातृभाषा में एक प्राप्रम घर से कक्षा तक एक निर्बाध पुल का निर्माण करता है, उन्हें मातृ भाषा से अन्य भाषा तक का मार्गदर्शन - बोलने से लेखन, शब्दावली से शब्दार्थ और भाषा से विषय की समझ में परिवर्तन करता है। जैसा कि

डिब्बाबंद भोजन के खिलाफ जागरूक होने की जरूरत

इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी का एक ताजा शोध बेहद चिंताजनक है कि डिब्बाबंद भोजन का बहुत अधिक सेवन करने से शरीर जल्द ही बूढ़ा होने लगता है। शोध के मुताबिक, इससे कोशिकाएं और ऊतक बहुत ज्यादा बूढ़े हो सकते हैं। बुढ़ापे की रफ्तार दरअसल डिब्बाबंद भोजन की मात्रा के सेवन पर निर्भर करती है। प्रसंस्कृत और जंक फूड का सेवन लोगों को जल्दी बूढ़ा करता है, इसकी पड़ताल करने के लिए शोधकर्ताओं ने शोध में कुल 22,495 प्रतिभागियों को शामिल किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों ने डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का भरपूर सेवन किया, उनमें जैविक उम्र ज्यादा देखी गयी। प्रसंस्कृत भोजन के मुक कण दूसरे स्वस्थ अणुओं के साथ आसानी से प्रतिक्रिया करते हैं और डीएनए आरएनए तथा प्रोटीन को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे कोशिका की मृत्यु होती है और शरीर तेजी से बूढ़ा होता है। डिब्बाबंद भोजन शरीर में सूजन भी पैदा कर सकते हैं, जिससे गठिया, टाइटन-2 डायबिटीज, मोटापा और दिल की बीमारी की आशंका बढ़ जाती है। प्रसंस्कृत अनाज, प्रिजर्वेटिव और सोडियम से भरपूर डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ सेहत को बिगाड़ते हैं। इनमें अत्यधिक चीनी, खतरनाक रसायन, कार्बोहाइड्रेट, वसा आदि होते हैं। चूँकि डिब्बाबंद खाने को काफी वक्त तक ताजा रखने के लिए कई चीजें मिलाई जाती हैं, इसलिए हद से ज्यादा इसका इस्तेमाल किसी भी



व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे ताजा रखने के लिए बहुत ज्यादा मात्रा में स्टार्च का भी इस्तेमाल किया जाता है। इससे शरीर में शुगर लेवल बढ़ने का खतरा काफी बड़ जाता है। ऐसे खाने में तेल की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है, जो शरीर के लिए काफी खतरनाक है। दरअसल, इसमें विद्यमान ट्रांस फैट कालंतर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा देता है। इससे बाद में कई तरह के रोग पैदा हो जाते है। विशेषकर दिल के रोगों के लिये यह घातक साबित हो सकता है। एक अध्ययन बताता है कि हलात के वर्षों में भारतीयों के खाने में डिब्बाबंद भोजन का हिस्सा बढ़ा है। एक भारतीय रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि नई पीढ़ी घरों में खाना बनाने के बजाय डिब्बाबंद खाने को तर्जिह दे रही है। जो कालांतर गैर संक्रामक रोगों की ही बढ़ावा देता है। आजकल डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों के लोग इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि इन्हें खाए बिना चैन ही नहीं पड़ता। वहीं, एक अध्ययन के अनुसार, ऐसे

का समर्थन करते हैं जो कम से कम प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के सेवन को बढ़ावा देते हैं। लोगों की जीवशास्त्री में डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों वाली चीजें बढ़ी हैं। खानपान में चिकनाई वाली चीजों का सेवन ज्यादा करने से पाचन तंत्र बिगड़ रहा है। लोग पाचन तंत्र की गड़बड़ी से परेशान हैं। खाने में रेशेदार चीजों को बढ़ाने की बेहद जरूरत है। इससे पाचन तंत्र सुधरेगा और आंतों से जुड़ी दूसरी बीमारियों से बचा जा सकेगा। जो भी खाना खाता है वह आहार नाल से पेट तक जाता है। आहार नाल मुख से शुरू होकर गुदा द्वार तक पहुंचता है। जो भी चीजे खाई जाती हैं वह लार के साथ यकृत और अग्न्याशय से होते हुए पेट तक पहुंचती हैं। शरीर के विभिन्न रासायनिक पदार्थ खाने के साथ क्रिया कर उससे रस निकालते हैं। यह रस शरीर को एनर्जी देता है। भोजन को मुख्य रूप से कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा और अल्प मात्रा में विटामिन एवं खनिज लवणों की जरूरत होती है। पाचन के दौरान शरीर सभी पोषक तत्वों को अवशोषित कर लेता है और गैर जरूरी तत्व मल-मूत्र के रास्ते बाहर निकल जाते हैं। जंक, फास्ट और डिब्बाबंद खाने के बजाय ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रीय खानपान पर ध्यान दें। आहार में अपने क्षेत्र विशेष के अनुसार मोटा अनाज, छछ-राबड़ी, जो का दलिया, पंचमूल की दाल, धी, मसाले आदि का प्रयोग करें। बच्चों के आहार में भी इनका प्रयोग अधिक करें। इनसे जरूरी पोषक तत्वों की पूर्ति होगी। विडंबना यह कि मां-बाप के मना करने के बावजूद नई पीढ़ी के शिक्षा व बच्चे डिब्बाबंद खाने और फास्ट फूड को अपना मुख्य भोजन बना रहे हैं। यही वजह है कि बड़ी उम्र में होने वाले लाइफस्टाइल के रोग अब बच्चों व किशोरों में भी होने लगे हैं।

आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल रहें

हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फ़र्क के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी जरूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस!यहीं से टकराव की शुरुआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता- पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आख़िर वजह क्या है।

संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फ़र्क के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी जरूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस !यहीं से टकराव की वजह शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता- पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आख़िर वजह क्या है।इसके अलावा भाई-बहनों के अलग भिन्नान और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेजी से और रातों रात हो रहा है, बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहते को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं जिसको रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़



बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भ्रूंसटलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रीवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मजबूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या देशों में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में, आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते, स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाजा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है

सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुवान चलाने या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्ले में ऐसा माहौल और अपनपन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे जो रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है। इसलिए भी बुजुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुजरते दौर के साथ ये स्थिति और मजबूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मजबूत होते हैं, जो आसानी से खत्म नहीं होते, लिहाजा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चयन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आगे वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी। साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र व बच्चों के संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, बड़ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ल और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे।परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग

एसपी कार्यालय पर तैनाथ महिला पुलिसकर्मी के घर में चोरी, मुकदमा दर्ज

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। एसपी कार्यालय के शिकायत प्रकोष्ठ में तैनात शहर कोतवाली के रैदोपुर निवासी महिला पुलिसकर्मी के घर में भी चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। परिवार को इसकी जानकारी शुक्रवार की दोपहर रिस्तेदार के यहां से लौटने पर हुई। मौके पर शहर कोतवाली पुलिस, फेरेंसिक टीम व डॉग स्क़ायड टीम पहुंचकर जांच-पड़ताल की लेकिन कुछ ठेस सुराग हाथ नहीं लग सके।

जानकारी मुताबिक फ़तेहपुर जनपद निवासी गगन जोशी की पत्नी अंशु गुप्ता आजमगढ़ जनपद में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के शिकायत प्रकोष्ठ में तैनात हैं। वह शहर कोतवाली के रैदोपुर मोहल्ला निवासी विजय कुमार के मकान में कमरा किराए पर लिया था। 15 दिन से अंशु गुप्ता तीन दिन की छुट्टी लेकर अपने पति गगन के साथ



नौ दिसंबर को प्रयागराज में रहने वाले अपने एक रिस्तेदार के यहां गई थीं। शुक्रवार की दोपहर वह अपने पति के साथ घर पहुंचीं। घर के मुख्य द्वार पर लगे चैनल गेट का ताला खोला और अंदर गई तो कमरे की आलमारी का लॉक टूटा हुआ था। सामान बिखरे पड़े थे। आलमारी में रखे करीब ढाई लाख के जेवरात, जरूरी अभिलेख और ब्लैकबैट चोरी हो गए थे। अंशु ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर शहर कोतवाली पुलिस,

फेरेंसिक टीम व डॉग स्क़ायड टीम पहुंच गईं। टीम ने घर का कोना-कोना चेक किया। पुलिस घटना को देख दंग रही कि चोर घर का ताला तोड़े बिना घर में घुसे और घर को साफ़कर चले गए। टीम को जांच पड़ताल में कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका। एसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने बताया कि चोरी की जानकारी मिली है। मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के आधार पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

खेल एवं उद्योग विषय पर मौखिक प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन



अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में माननीय कुलपति महोदय प्रो. एन. बी. सिंह के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में फिट इण्डिया मूवमेंट के अंतर्गत फिट इण्डिया वीक समारोह, 2024 में खेल एवं उद्योग विषय पर मौखिक प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 13 दिसंबर, 2024 को किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने खेल से औद्योगिकरण संबंधी विचार व्यक्त किये छ विद्यार्थियों ने बताया कि खेल उपकरण, खेल परिधान, स्पोर्ट्स इफ़ास्ट्रकर इत्यादि से उद्योग को प्रारम्भ किया जा सकता हैछ प्रतियोगिता में 11 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया छ जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः राहुल कुमार, मुदित शुक्ला एवं बरीरा युमन ने प्राप्त किया छ प्रतियोगिता का निर्णायन मो. शारिक, सदस्य सचिवः क्रीड़ा परिषद एवं डॉ. हसन मेहदी, सहायक आचार्य (अस्थाई) शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। फिट इंडिया वीक, 2024 के समापन समारोह पर सभी विद्यार्थियों को डॉ नीराज शुक्ल, उपाध्यक्ष क्रीड़ा परिषद द्वारा उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर डॉ. नल्लिनी मिश्रा, डॉ. पूनम, डॉ. नसीब, इत्यादि शिक्षक उपस्थित रहे।

कई जगह सिकुड़ रहीं हमारी सीमाएं : अखिलेश

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को जमकर घेरा। कहा कि वोट डालने जा रहे लोगों को डराया-धमकाया गया। यूपी में कई लोगों को वोट डालने से रोका गया। क्या यही लोकतांत्रिक गणराज्य है? कहा कि कई जगहों पर हमारी सीमाएं सिकुड़ रहीं हैं।

जातीय जनगणना पर भी बोले अखिलेश
अखिलेश जातीय जनगणना पर भी बोले। कहा कि जातीय जनगणना होनी चाहिए। हमें मौका मिला तो जातीय जनगणना कराएंगे। ये नहीं करा पाएंगे तो हम जातीय जनगणना कराएंगे। आगे कहा कि डबल इंजन की सरकार में अब डिब्बे भी टकराने लगे हैं। न्याय मांगने के लिए आत्मदह करना पड़ रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री सहित भाजपा पदाधिकारियों ने किया पीएम मोदी का स्वागत

प्रयागराज। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयागराज पहुंचने पर भाजपा पदाधिकारियों ने बमरौली एयरपोर्ट एवं संगम नोज स्थित जनसभा स्थल पर स्वागत अभिनन्दन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष कक्षा प्रांत दिलीप पटेल, महेश चंद्र श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, महामंत्री देवेश सिंह, प्रमोद मोदी, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, विनोद प्रजापति, राजेश पटेल तो वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एवं सांठन महामंत्री धर्मपाल का महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, महापौर गणेश केसरवानी, प्रवक्ता राजेश केसरवानी, मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, दीप द्विवेदी, राकेश भारती, प्रशांत शुक्ला, आनंद दुबे, राजेश गोड, मनोज कुशवाहा, संजय सिंह आदि ने स्वागत अभिनन्दन किया।



■ **‘संविधान पर चर्चा’ के दौरान सरकार पर बरसे अखिलेश; अतीक अहमद पर भी बोले**

अखिलेश यादव ने अतीक अहमद के पुलिस सुरक्षा में मारे जाने का स्वादा भी उड़ाया। कहा कि हिरासत में मौत के मामले में नंबर वन हो रहा

‘क्रिसमस्टाइड विन्टरफेस्ट-2024’ का भव्य आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के कैम्ब्रिज सेक्शन के तत्वावधान में क्रिसमस्टाइड विन्टर फेस्ट-2024 का भव्य आयोजन विद्यालय के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रभु ईशु की महिमा का गुणगान करते बच्चों व गीतों (क्रिसमस कैरॅल्स) एवं लंदन से पधारे संगीत बैंड ‘अज्योर क्रांटेट’ द्वारा पश्चिमी शास्त्रीय संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शक झूम उठे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. श्रद्धा शुक्ला, डायरेक्टर, राज्य ललित कला एकेडमी ने अभिभावकों का आह्वान किया कि यदि बच्चों में किसी क्षेत्र विशेष में विशेष प्रतिभा नजर आती है तो उसे नजरअंदाज न करें एवं उसकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने में कोई कसर न छोड़ें। डा. शुक्ला ने कहा कि अपने बच्चों की क्षमता व प्रतिभा पर विश्वास करें, वो कुछ भी कर सकने में सक्षम हैं। आज के दौर में संगीत, फ़डन आर्ट्स जैसी कलात्मक विधाओं में बढ़तेरे अवसर उपलब्ध हैं। विशिष्ट अतिथि श्री

पैमाइश के नाम पर एक लाख रुपये की रिश्तत लेते लेखपाल गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड के रहने वाले एक प्राइवेट कंपनी अधिकारी की चिनहट कमता स्थित जमीन की पैमाइश के नाम पर सदर तहसील में तैनात लेखपाल को एक लाख रुपये रिश्तत लेते हुए शुक्रवार को एंटी करश्शन की टीम ने गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एंटी करश्शन टीम ने विभूतिखंड थाने में केस दर्ज कराया है। विभूतिखंड के विराजखंड इलाके में एक प्राइवेट कंपनी अधिकारी रहते हैं। उनकी चिनहट के कमता इलाके में लगभग एक करोड़ रुपये कीमत की जमीन है। वह उक्त जमीन पर निर्माण करवाना चाह रहे थे। जमीन की पैमाइश के लिए उन्होंने सदर तहसील में तैनात लेखपाल राजू सोनी से संपर्क किया। राजू ने पैमाइश और रिपोट लगाने के एवज

■ **एंटी करश्शन टीम ने इस तरह किया ट्रैप**



में उसने 8 लाख रुपये की मांग की थी। सारे पेपर पूरे होने के बावजूद भी रुपये की मांग होने पर पीड़ित ने इसकी जानकारी अपने अधिवक्ता को दी। अधिवक्ता ने पीड़ित को लेखपाल के रिश्तत मांगने की शिकायत एंटी करश्शन विभाग से करने की सलाह दी। पीड़ित ने शिकायत एंटी करश्शन से की। इस पर एंटी करश्शन की एक ट्रेप टीम को गठन किया गया।

आठ से पांच और फिर तीन लाख रुपये में तय हुईं डील

पीड़ित प्राइवेट कंपनी अधिकारी ने लेखपाल राजू सोनी से रुपये कम करने के लिए कहा तो उसने आठ लाख की जगह पांच लाख रुपये देने की बात कही। पीड़ित ने और रुपये कम कराए तो आखिर में लेखपाल ने तीन लाख रुपये से एक रुपये कम ब करने की बात कही। तीन लाख रुपये में डील तय हुई। शुक्रवार को लेखपाल ने पीड़ित को एक लाख रुपये बतौर एडवांस देने के लिए विराजखंड मार्केट बुलाया। इस बीच पीछे से एंटी करश्शन की ट्रेप टीम ने लेखपाल राजू सोनी को एक लाख रुपये रिश्तत लेते हुए ट्रेप रौं हाथों पकड़ लिया। आरोपी लेखपाल को विभूतिखंड थाने की पुलिस के हवाले किया गया है और एंटी करश्शन की तरफ से उसके खिलाफ केस भी दर्ज कराया गया है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

टीएमयू नर्सिंग की एल्युमिनाई मीट में रुबरू होंगे एनर्जेटिक यंगस्टर्स

अवधनामा संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद का तीर्थंकर महावीर कॉलेज ऑफ नर्सिंग खास उपलब्धि रचने जा रहा है। ऑडी में 14 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित इस एल्युमिनाई मीट-2024-स्मृतियों का संगम में देश-विदेश के तीन बैच के पासआउट 125 से अधिक यंग प्रोफेशनल्स जुटेंगे। इन यंग प्रोफेशनल्स में सत्र 2013 से 2015 तक के भारत समेत यूके, यूरोप, सउदी अरब आदि देशों के एल्युमिनाई भी शामिल हैं। वे अपने अशुभों को जूनियर्स के संग साझा करेंगे। यह जानकारी एल्युमिनाई रिलेशन सेल- एआरसी के ज्वाइंट रजिस्ट्रार प्रो. निखिल त्सोगी ने देते हुए बताया, यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. वीके जैन बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित करके एल्युमिनाई मिलन का शंखनाद करेंगे। तीर्थंकर महावीर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुरादाबाद की डीन प्रो. एसपी

■ **यूके, यूरोप, सउदी अरब आदि के एल्युमिनाई करेंगे अनुभव साझा**

सुभाषिणी के संग-संग अमरोहा के तीर्थंकर पार्श्वनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या प्रो. श्योली सेन बोलीं, वे अपने पुराने स्टूडेंट्स को मिलने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई, नर्सिंग एल्युमिनाई मिलन हमारे नर्सिंग स्टूडेंट्स के करियर के लिए मील का पत्थर का साबित होगा। एल्युमिनाई मीट- स्मृतियों का संगम में डॉ. अब्दुल रहमान अल मिसारी हॉस्पिटल, सउदी अरब में रजिस्टर्ड नर्सिंग ऑफिसर- श्री परवेज आलम, सेफन क्राइड हॉस्पिटल, यूके में मेंटल हेल्थ नर्सिंग ऑफिसर- श्री अर्नेस्ट लैम्पुअल, मेडिकलनिक सीटी हॉस्पिटल, दुबई में सीनियर कैथ लैब टेक्नीशियन- श्री फैजान, लाइला साउद हॉस्पिटल, मिस ज्योति सिंह सर्रोवे एल्युमिनाई भी ब्लेंडेड मोड में जुड़ेंगे।

खाके वतन अज़ मुल्के सुलेमान खुशतर

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। आज दिनांक 13 दिसम्बर को मुमताज पी जी कॉलेज में ‘बैरिस्टर मुमताज हुसैन व्याख्यान माला’ जिसके संरक्षक महाविद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट अतहर नबी साहब व अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर नसीम अहमद खान हैं। बैरिस्टर मुमताज हुसैन व्याख्यानमाला के संयोजक डॉ. मोहम्मद इमरान खान व महाविद्यालय के फ़ारसी विभाग के अध्यक्ष डॉ जेड एच अल्वी द्वारा संयुक्त रूप से यह व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय फ़ारसी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. उमर क़मालुद्दीन काकोरीवी साहब ने तर्कसंगत विश्लेषण करते हुए बताया कि अमीर खुसरो की रचनाओं विशेषकर फ़ारसी रचनाओं में किस प्रकार से हिंदुस्तान की मिटटी की सुगंध मौजूद है, उन्होंने अपनी रचनाओं में किस प्रकार से देश को एकता में पिरोए रखने की बात की है।

खाके वतन अज़ मुल्के सुलेमान खुशतर
खाके वतन अज़ सुबुल्ले रैहान खुशतर।।



इस व्याख्यान की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट अतहर नबी साहब ने की तथा मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर उनको सम्मानित किया। महाविद्यालय के फ़ारसी विभागाध्यक्ष डॉ जेड एच अल्वी ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। महाविद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट अतहर नबी साहब के मार्गदर्शन में प्राचार्य प्रोफ़ेसर नसीम अहमद खान ने इस व्याख्यान को आयोजित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की एवं भविष्य में इस प्रकार के ज्ञानपूर्ण व्याख्यान आयोजित कराने हेतु प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के कुलनृपासक डॉसलमान खान नदवी व अरब कल्चर विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ आमीर हुसैन सिद्दीकी ने किया। अग्रेजी विभाग की अध्यक्ष व कला संकाय प्रभारी प्रोफ़ेसर शाजिया सिद्दीकी खान ने अमीर खुसरो की बहुलता से सम्बंधित उनकी ही अद्भुत कालजयी पंक्तियों का उल्लेख करते हुए सभी उपस्थित जनों विशेषकर मुख्य वक्ता को धन्याद ज्ञापित किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक ,शिक्षणेत्तर व अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पावर ऑफिसर एसोसिएशन ने किया बड़ा खुलासा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के सधार न होने के पैमाने पर करारा हमला बोलते हुए कहा दक्षिणांचल और पूर्वांचल के आत्मक हज़ारों को जो आंकड़ा भारत सरकार काजि मौं मंत्रालय आरएफएस द्वारा अनुमोदित किया गया उसमें वर्ष 2021-22 में जो दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की एटीएंडसी हानियां 38.24 प्रतिशत थी वह 2022-23 में 31.06प्रतिशत हो गई और वहीं वर्ष 2023 -24 में 25.26प्रतिशत हो गई और वर्ष 2024- 25 में वह 18.97 प्रतिशत हो गई जो यह सिद्ध करती है कि सुधार की दिशा में बिजली कंपनियां आगे बढ़ रही है उसी प्रकार से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम की जो एटीएंडसी हानियां 32.32 प्रतिशत वर्ष 2021-22 में थी वह 2022-23 में 27.84प्रतिशत हो गई और वर्ष 2023- 24 में 22.75प्रतिशत हो गई और इस समय वर्ष 2024-25 में 18.49 प्रतिशत हो गई।

कंपनियों को मिला लाइसेंस बिना आयोज की अनुमति के कार्यवाही असंवैधानिक

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। पावर कॉरपोरेशन द्वारा प्रस्तावित पूर्वांचल व दक्षिणांचल के पीपीपी मॉडल में निजीकरण के मसौदे को एनजी ट्रांसपोर्ट की अनुमति के बाद आज उस समय नया मोड आ गया जब उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में एक लोक महत्व प्रस्ताव सौंपते हुए यह मुद्दा उठा दिया की विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 14 के तहत पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम को विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2010 में लाइसेंस दिया गया था लाइसेंस के बिंदु 5 में यह स्पष्ट कर दिया गया था की लाइसेंसधारी यानी पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम आयोग को पूर्वं सूचना देकर ही किसी भी कार्य में आगे संलग्न होंगे और

■ **व्यवसाय व परसंपत्तियों के अधिकतम उपयोग व अन्य कार्य की नहीं दी जाएगी अनुमति**

अपनी परसंपत्तियों के अधिकतम उपयोग के लिए व्यवसाय निर्धारित करेंगे यानी की बिना विद्युत नियामक आयोग की पूर्व अनुमति के पावर कॉरपोरेशन द्वारा जो पीपीपी मॉडल का अनुमोदन एनजी ट्रांसपोर्ट से लिया गया है वह पूरी तरह असंवैधानिक है । विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 17(3) भी यही कहती है कि किसी भी समय बिना समुचित आयोग के अनुमोदन के बिना लाइसेंस विक्रय पद्ध विनियम द्वारा या अन्यथा अपनी अनुगती द्वारा कोई भी निर्णय नहीं ले सकता- यह उपभोक्ता परिषद ने आगे- वह भी स्पष्ट किया की पावर कॉरपोरेशन ने एनजी टास्कफोर्स में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 131 के तहत

कार्यवाही की बात की है जबकि यह धारा राज्य विद्युत परिषद के विघटन के लिए अनुमति देता है यहां विघटन के फल स्वरूप उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल दक्षिणांचल मध्यांचल व पश्चिमांचल का गठन हो चुका है और वह विद्युत नियामक आयोग से लाइसेंस लेकर अपना स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहे हैं ऐसे में पावर कॉरपोरेशन का तर्क पूरी तरह बेबुनियाद व गलत है।

उत्तर प्रदेश राज विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा पावर कॉरपोरेशन गलत तरीके से दोनों बिजली कंपनियों के मसौदे पर कैबिनेट से अनुमोदन लेना चाहता है जो सर्वथा अनुचित है पूरे देश में जिस प्रकार की कार्यवाही पावर कॉरपोरेशन मनमाने तरीके से कर रहा है उसे पर ऊंची क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है सभी को पता है कि इस पूरे मामले पर विद्युत नियामक आयोग की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल की एकल चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

प्रयागराज। प्रयागराज के सुविख्यात कलाकार न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल की एकल चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति प्रकाश पांडिया भवसं मेहता विद्या आश्रम भरवारी कोशांबी द्वारा आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शिशिरोत्सव में करेंगे। इस एकल कला प्रदर्शनी के संयोजक नारायण आठ अकादमी के निदेशक रवीन्द्र कुशवाल ने बताया कि अकादमी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल वाश शैली के मूर्धन्य कलाकार हैं तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मशहूर कलाकार कलाऋषि श्रितिन्द्र नारा मजुमदार के परम शिष्य रहे हैं। जिनकी वाश शैली की 12 कलाकृतियां एवं और पांच तैल पेंटिंग को भारतीय आध्यात्मिकता के अपने अंदर समेटे बहुत ही भावपूर्ण अनुपम कलाकृतियां हैं भवसं मेहता कॉलेज के हाल में दर्शकों के रसास्वादन लिए 7 दिन प्रदर्शित रहेंगी।

बालाजी विद्या मंदिर मे हुआ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। बालाजी विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल जखौरा में आयोजित प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि आशीष रावत जिला पंचायत सदस्य बानपुर, जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र कुमार रजक, सुदामा प्रसाद दुबे बांसी,अरविंद नरवरिया प्रधान गुरसौरा, नितिन जैन, राजपाल सिंह यादव नीरज जैन आशु, भरत कांत महाराज,रविन्द्र सिंह लाला, राजा, तनु, महावीर सिंह ने सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। अतिथियों द्वारा सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया पुरस्कृत छात्र छात्राओं में अंशुल, अतुकल्प, कार्तिक, ब्रह्मभ, अमस, दर्श, कुलदीप, रामसरन, रोली, नैतिक, हिमांशु, सासिका, कृतिका, दिव्यांश, तेजस, राधिका, शिव, आयुष, निहाल, देव, आर्यश, वंश, कृष, विवेक, आरुषि, खुशगु, कृष्णा, त्रिशु परमार एवं आरती आदि छात्रों का प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा।

भाजपा विधायक की रिश्तेदार के मकान से लाखों की चोरी

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जनपद के मांट विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक राजेश चौधरी की सास के घर से लाखों की चोरी कर चोर भाग गए। चोरों ने बंद मकान देखकर गहनों और नगदी सहित लाखों का सामान चुरा लिए, भगवान की मूर्तियां तक को नहीं छोड़ा। इस घटना को अंजाम देने के साथ ही चोरों ने पुलिस की कानून व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। जब विधायक की सास को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

घटना मथुरा महानगर के थाना सदर बाजार इलाके के सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाली श्रीमती कुसुम लता बीजेपी विधायक राजेश चौधरी की सास हैं। वह अपने बेटे के पास दिल्ली गई हुई थीं। इस दौरान उनके घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। बंद मकान को शांति चोरों ने रात्रि में निशाना बनाया और खाली



विद्यालय प्रबंधक अरुण ताम्रकार द्वारा अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में रचनात्मक विकास होता है अगली बार प्रतियोगिता को और भी बड़े स्तर पर आयोजित करेंगे। मैं आप सभी का आभारी हूं की आप बालाजी स्कूल के 25 वर्षों के सफर में आज हमारे साथ हैं आप सभी का सहयोग एवं मार्गदर्शन निरंतर विद्यालय परिवार को मिल रहा है आप सभी के सहयोग से ही बालाजी विद्या मंदिर स्कूल निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है आप सभी की समर्पण और विद्यालय के प्रति प्रेम के लिए बहुत

बहुत आभार व्यक्त करता हूं इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में सम्मिलित समस्त विद्यालय परिवार अतिथि बन्धु सहित प्राचार्य रानी मेम, अंजु मेम, शेर सिंह, प्रियंका, एनी जैन, रिया राजा, कार्तिका, प्रियंका राजपूत, नेहा राजा , प्रिंसी नामदेव, अंजली राजा, प्रतिभा, रचना चौबे साधना सोनी,सैसी, कीर्ति ताम्र कार, निशा, डॉली राजा, भारती,पूनम राजा, तेजबीरसिंह,जानकी, गोलू राजा, विश्ववीर सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या रानी यादव द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।



एनसीआरएमयू ने उत्तर मध्य रेलवे जोन में लगातार तीसरी बार मान्यता प्राप्त की

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। झांसी मण्डल में एनसीआरईएस ने शिकस्त देकर अपना वचंस्य हासिल की है। मण्डल अध्यक्ष एनसीआरएमयू हुकुम सिंह चौहान ने बताया कि वह पुरानी पेंशन के मुद्दे को लेकर चुनावी मैदान में थे। पुरानी पेंशन बहाली से लाखों रेलवे कर्मियों को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि हम रेलवे कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं। इसी क्रम में मण्डल मंत्री अमर सिंह यादव ने इस ऐतिहासिक जीत को रेलवे कर्मियों की जीत बताया। इस अवसर पर एनसीआरएमयू के ललितपुर शाखा अध्यक्ष नितिन शर्मा, शाखा मंत्री सचिन यादव और शाखा उपाध्यक्ष शान्तनु पुरोहित ने संयुक्त रूप से खुशी का इजहार किया है। गौरतलब है कि सीनियर इंस्टीट्यूट झांसी एवं आगरा डिविजन एवं इलाहाबाद डिविजन में रेलवे में यूनियन की मान्यता के गुरु मतदान



की कार्रटिंग सुबह 8 बजे से प्रारंभ की गई थी। जिसमें आगरा मंडल एवं इलाहाबाद मंडल में एनसीआरएमयू मान्यता में सबसे बड़ी यूनियन पोषित हुई एवं झांसी मंडल में एनसीआरएमयू को सबसे ज्यादा मत प्राप्त हुए। उत्तर मध्य रेलवे में एनसीआरएमयू ने तीसरी बार मान्यता प्राप्त की, जिसके लिए शाखा ने झांसी मंडल एवं ललितपुर क्षेत्र के सभी रेल कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया एवं यूनियन के सभी मंडल एवं शाखा पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्यों का उनकी पूर्ण लगन एवं मेहनत के लिए

शारीरिक मानसिक रूप से स्वस्थ रखने को खेलकूद बहुत ही महत्वपूर्ण: बीएसए

■ परिषदीय विद्यालयों की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया अपना दम

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। राजकीय मोहन पहलवान गणेशरा स्टेडियम मथुरा में बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय बच्चों की प्राथमिक एवं जूनियर स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मथुरा सुनील दत्त एवम् जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश यादव द्वारा किया गया।

बालक वर्ग में दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय पातीगांव मांट के मोन्100 मी. प्रथम ,200 मी उच्च प्राथमिक विद्यालय जमालपुर फरह अंकुश प्रथम, 600 मी दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय सींगापट्टी गोवर्धन के अरविंद कुमार प्रथम, गोला फेंक में उच्च प्राथमिक विद्यालय अनोड़ा राया के शेरू प्रथम, लंबी कूद में उच्च

राष्ट्रमिक विद्यालय अनोड़ा राया के शेरू प्रथम, बालिका वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय मांट की 100 राधा , 200 मीटर भावना, 600 मीटर में उच्च प्राथमिक विद्यालय अलवाई मांट की भावना प्रथम ,गोला फेक में उच्च प्राथमिक विद्यालय फरह के काजल प्रथम,लंबी कूद में फरह राधा प्रथम रहे। प्राथमिक विद्यालय भाहई फरह सुमन 200 मी प्रथम, प्राथमिक वर्ग में बालिका वर्ग में खो खो में फरह प्रथम, राया द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अतिथियों का स्वागत जिला व्यायाम शिक्षिका सीमा शर्मा, जिला व्यायाम शिक्षक प्रभु कांत उपाध्याय ने स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया। बीएसए सुनील दत्त ने कहा कि शारीरिक मानसिक रूप से स्वस्थ

साइबेरिया, तिब्बत, भूटान से जोधपुर झाल पहुंचे पक्षी

मथुरा। लगातार बढ़ रही सर्दी के साथ जोधपुर झाल वेटलैंड पर प्रवासी पक्षियों के जमावड़े ने पक्षी प्रेमियों में गर्मजोशी भर दी है। सर्द मौसम के बढ़ते ही प्रवासी प्रजातियों की संख्या भी यहाँ बढ़ने लगी है। उम्मीद है कि दिसंबर के अंत तक यहाँ प्रतिवर्ष आने वाली सभी प्रजातियां इस वेटलैंड पर पहुंच जाएंगी। इनमें अधिकांश पक्षी कजाकिस्तान, मंगोलिया, रूस, साइबेरिया, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, तिब्बत, भूटान आदि देशो से आते हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संरक्षित मथुरा और आगरा जनपद सीमा पर फरह निकट स्थित जोधपुर झाल देश विदेशी पक्षियों का ठिकाना बन रहा है। संरक्षण के परचता प्रवासी और स्थानीय संकटग्रस्त पक्षियों की प्रजातियों ने इस वेटलैंड को अपनी शरणस्थली बना लिया है। स्थानीय संकटग्रस्त पक्षियों में सारस क्रेन, ब्लैक-नेक्ड स्टार्क, पेन्टेड स्टार्क, ब्लैक-हेडेड आईविश का भी जमावड़ा लग गया है।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा ने बताया कि सर्दियों में प्रवासी पक्षियों का पक्षी प्रेमियों और फोटोग्राफरों को बेसब्री से इंतजार रहता है। प्रवासी पक्षियों के पहुंचने से पक्षी प्रेमी व पर्यावरण प्रेमी लगातार जोधपुर झाल पर पहुंच रहे हैं। विभिन्न डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी अध्ययन के लिए वेतलैंड पर आ रहे हैं।

सेंट्रल एशियन फ्लाई-वे से आने वाले संकटग्रस्त प्रवासी पक्षियों में शामिल है कॉमन पोच्वाई- बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसाइटी के बाइलडलाइफ इंकोलोजिस्ट डॉ के पी सिंह ने बताया कि भारतीय क्षेत्र में प्रवासी पक्षियों का माइग्रेशन मुख्यतः सेंट्रल एशियन फ्लाई-वे से होता है। सेंट्रल एशियाई फ्लाई-वे भौगोलिक रूप से उत्तर, मध्य और दक्षिण एशिया और ट्रांस-काकेशस के 30 देशों को कवर करता है। इनमें मध्य एशियाई व यूरोपीय देश शामिल हैं। इस फ्लाई-वे से 182 प्रजातियों के प्रवासी जलीय पक्षी सदस्यों में प्रवास पर आते हैं जिसमें 29 विश्व स्तर पर संकटग्रस्त और खतरे के निकट वाली प्रजातियां शामिल हैं।



ललितपुर। अनंत सेवा ग्रुप द्वारा एलपीजी शवदाह मशीन द्वारा निःशुल्क रूप से शवदाह किया गया। संस्थापक सदस्य डा.प्रबल सक्सेना ने बताया कि गांधीनगर निवासी एक परिवार द्वारा फोन पर सूचना प्राप्त हुई कि वह अपने परिजन के पार्थिव शरीर का दाह संस्कार इस मशीन से कराना चाहते हैं। आपको बता दें कि इलाइट मुक्तिधाम पर यह व्यवस्था निशुल्क रखी गयी है जिसमे पूरे सनातन रीति रिवाजों के साथ दाह संस्कार क्रिया सम्पन्न कराई जाती है। यह मशीन आज के पर्यावरण को देखते हुए प्रकृति के हित में है, जिसमें गैस के द्वारा अंतिम संस्कार करके प्रकृति को सुरक्षित रखा जा सकता है। बताया कि 9554999922, 9450038350 मोबाइल नम्बर पर बात करके निशुल्क रूप से अंतिम संस्कार करवा सकते है, जिसके लिए एक फॉर्म भरना पड़ता है। साथ ही मृतक एवं उनके परिवार के सदस्य के आधार कार्ड की फोटोकॉपी की आवश्यकता होती है।

एआइपीएम ने स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का किया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

रांची। ऑल इंडिया पसमांद मुस्लिम महाज, झारखंड इकाई ने झारखंड के मंत्रियों, डॉक्टर इफान अंसारी और हाफिजुल हसन से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अनू शहीद अंसारी, प्रदेश उपाध्यक्ष तैयब राय उर्फ कादरी, रांची महानगर अध्यक्ष सैफ अलम, और राशिद अयाज ने किया। इस मुलाकात के दौरान संगठन ने पसमांद समाज के उ्थान और संगठन की आगामी योजनाओं पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों मंत्रियों को झारखंड में जनवरी के पहले सप्ताह में आयोजित होने वाले स्वागत एवं अभिनंदन समारोह के लिए आमंत्रित



किया। मंत्रियों ने इस आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि वे कार्यक्रम में अवश्य शिराकत करेंगे। यह कार्यक्रम झारखंड में पसमांद समाज के प्रति जागरूकता और एकजुटता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा। विस्तृत जानकारी और कार्यक्रम का स्थान शीघ्र ही घोषित किया जाएगा। सभी पदाधिकारियों और पसमांद समाज के लोगों से इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने की अपील की जाती है।

अतिक्रमण के खिलाफ गरजा महाबली का पंजा

- स्टेशन क्षेत्र से शहर की ओर चला अभियान
- व्यापारियों में मची उथल - पुथल, कहीं लगे भेदभाव के आरोप तो कहीं मिली अवैध कब्जे से निजात

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। नगर में सिकुड़ती सड़कों और बेतरतीब तरीके से पसरता अतिक्रमण के खिलाफ शुक्रवार को जिला व पुलिस प्रशासन के साथ नगर पालिका ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। मुनादी करते हुये दुकानदारों को स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया, लेकिन जब दुकानदारों ने स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया तो नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों ने जेसीबी की मदद से अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान व्यापारियों में उथल-पुथल की स्थिति देखी गयी तो वहीं दूसरी ओर वर्षों से दूसरों की



जमीन, मकान और दुकान के सामने गुमटियां रखकर अवैध कब्जा से भी लोगों को निजात मिल सकी।

स्टेशन क्षेत्र से शुरू हुये अतिक्रमण में दोनों ओर से नगर पालिका परिषद ने तयशुदा मानकों के अनुरूप लोगों से अस्थाई और स्थायी रूप से किये गये अतिक्रमण को हटाने का प्रयास किया। मौके पर जिला प्रशासन की ओर से उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभूषण प्रताप सिंह व पुलिस प्रशासन की ओर से जेसीबी की मदद से अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान व्यापारियों में उथल-पुथल की स्थिति देखी गयी तो वहीं दूसरी ओर वर्षों से दूसरों की

नगर पालिका परिषद के अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्टेशन से शुरू हुये अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान कई दुकानों के निर्धारित मानक से आगे निकले अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटया गया। वहीं स्टेशन रोड स्थित संदीप लॉज के बाहर लोगों द्वारा किये गये अवैध अतिक्रमण को भी जेसीबी से हटाते हुये मौके पर गड्डा खोद दिया गया, ताकि फिर से अतिक्रमण को बढ़ावा न मिल सके। इस दौरान नगर पालिका परिषद के अनेकों अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

श्री कृष्ण की नगरी में योगी राज में गाय की दुर्दशा

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। वृन्दावन मार्ग पर मिले गौ माता के 40 अवशेष हिंदुओं में भारी रोष, रोड किया जाम, डीएम को घटना स्थल पर बुलाने पर अडे डीएम एसपी पहुंचे मौके पर रोड जम करने वालों से रोड चालू करने की कि अपील , हल्का करना पड़ा लाठी चार्ज मथुरा। योगी आदित्यनाथ की हिंदूवादी सरकार में गौ माता की बेकदरी बढ़ती जा रही है, कहने को तो योगी आदित्यनाथ अपने चुनावी भाषणों में गौ रक्षा के बड़े बड़े भाषण देते सुने जाते हैं पर धरातल पर उसका उलट प्रभाव देखने को मिल रहा है। ऐसा ही दिल दहलाने वाला मामला आज प्रकाश में आया है,मथुरा के थाना जैत क्षेत्र में गोवश के अवशेष मिलने से लोगों में आक्रोश फैल गया। गोवंश के अवशेष देख आक्रोशित लोगों ने

मथुरा-वृंदावन रोड जाम कर दिया। रोड जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जाम लगा रहे लोगों को सम्झाने का प्रयास करना शुरू कर दिया। शुक्रवार की सुबह मथुरा वृंदावन रोड स्थित पीएमवी कॉलेज के जंगलों की तरफ जब कुछ लोग गए तो वहां पर कुछ गोवंश मृत अवस्था में पड़े थे, तो कुछ के अवशेष पड़े थे। गोवंश के अवशेष देख लोगों में गुस्सा फैल गया। जिसके बाद गौ रक्षकों के अलावा तमाम हिंदूवादी संगठनों को ससकी सूचना दी गई। गोवंश के शिव और अवशेष मिलने की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में गौ रक्षक और हिंदूवादी दलों से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित हुए लोगों ने मथुरा वृंदावन रोड जाम कर दिया। जिसके कारण दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई।

बारहवें स्थापना दिवस पर वरदानी भवन में आयोजन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के टीआरडी कालोनी स्थित सेवा केन्द्र में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 12वां वार्षिक उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सनातन धर्म की ध्वजा को थामे समाज का मार्गदर्शन कराने वाले महामंडलेश्वर संत महात्माओं का स्वागत राजयोगीनी बी.के.चित्रेखा दीदी ने तिलक, मालापूण, पुष्पों एवं शॉल पहनाकर किया। नन्ही कुमारियों ने नृत्यकला के द्वारा किया। राजयोगीनी दीदीजी ने परमात्म संदेश देते हुए कहा कि हम सभी एक परमपिता शिव परमात्मा की संतान है। इस मंच को सुर्योभिषत कर रहे हमारे संत महात्मा जो विभिन्न स्थानों पर रहकर परमात्म सान्निध्य से याद से त्याग, तपस्या और पवित्रता की शक्ति से इस संपूर्ण धरा को खुशी, सुख, शांति प्रदान करने के लिए आए हैं। आप सभी को समस्त ब्राह्मण परिवार



की ओर से बधाई। जिसमें मुख्य अतिथि चंडीधाम पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर चंद्रेश्वरगिरी महाराज ने कहा कि आप हम सभी वरदानी भवन का 12वां वार्षिक उत्सव मना रहे हैं। जब भाग्य का सूर्योदय होता है। पुण्य कर्म का फल फलीभूत होता है। तब हमें सत्कर्म से आगे बढ़ना चाहिए। 12 वर्ष की अवधि में तपस्या पूर्ण होती है। कोई भी साधु संत महात्मा जब आराधना करते हैं या आप सभी भी किसी गुरु से दीक्षा लेते हैं। तो उसका भी समय काल कम से कम 12 वर्ष तक आराधना की जाती है। तब सिद्धि प्राप्त होती है। आज सभी चाहते हैं की आज मंत्र मिले और कल सिद्ध हो जाए।

तो आज हम सभी यहां वरदानी भवन की 12वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। तो इस कार्यक्रम से यह सिद्ध हो रहा है। कि यह अपनी पूणता की ओर है। इसका नाम भी किन्ता सुंदर है वरदानी भवन वरदानों की बरसात करने वाला भवन। वृंदावन से आए हुए पूज्य ब्रजकिशोर महाराज ने कहा कि परमपिता परमात्मा एक ही है। लेकिन उनकी शाखाएं अनेक है। उस निराकार तक पहुंचने के लिए साकार को माध्यम बनाया। महाकाली मंदिर झांसी से आए हुए पूज्य त्यागी महाराज ने कहा कि इस संस्था में परमपिता शिव परमात्मा ने बहनों को निमित्त बनाया है। जिन्हें शिव शक्तियों के रूप में दिखाया गया है। यह संस्था सभी धर्मों

को जोड़ने का कार्य कर रही है। आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना कर रही है। कंचनधाम आश्रम से पधारें हुए पूज्य सूर्यप्रकाशदास महंत ने भी वरदानी भवन को शुभकामनाएं दी। बलराम महंत (कुआंतला), सीताराम शरण महाराज (चंदेरी), अमड़ा घाटी के साधु संत महात्मा एवं विशेष अनेक स्थान से भी आए हुए साधु संत महात्माओं ने भी सभी को वरदानी भवन की 12वीं वर्षगांठ की अनंत शुभकामनाएं दी। राजयोगीनी बीके सरोज दीदीजी (बीना) एवं खुर्दई सेवाकेंद्र से आई हुई राजयोगीनी बीके किरन दीदी ने भी अपने आशीष वचन शुभकामनाओं के साथ विद्यालय का

ब्यूटी/फैशन

हेयर और स्किन मास्क दोनों की तरह काम आ सकते हैं ये पैक

हम सभी खुद की केयर करना पसंद करते हैं। यह ना केवल हमें रिलैक्स फील करवाता है, बल्कि इससे हमें बाहर और भीतर दोनों तरह से अच्छ लगता है। अमूमन यह देखने में आता है कि अपनी स्किन और हेयर की केयर करने के लिए हम सभी कुछ होममेड मास्क का सहारा लेते हैं, जिन्हें नेचुरल इंग्रीडिएंट्स की मदद से बनाया जाता है। हालांकि, स्किन और बालों की देखभाल के लिए अलग-अलग मास्क बनाना थोड़ा मैसी हो सकता है। तो ऐसे में जरूरी है कि आप कुछ ऐसे मास्क बनाएं, जिन्हें आप दोनों तरह से इस्तेमाल कर सकते हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही मास्क के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप अपनी स्किन और बालों दोनों पर आसानी से अप्लाई कर सकते हैं-

एलोवेरा और नारियल तेल मास्क

एलोवेरा ना केवल आपकी स्किन

को आराम और नमी देता है, बल्कि स्कैल्प को भी सुदृिंग अहसास करवाता है। वहीं, नारियल तेल को स्किन और हेयर दोनों की केयर के लिए अच्छ माना जाता है।

कैसे बनाएं

दो बड़े चम्मच ताजा एलोवेरा जेल में एक बड़ा चम्मच नारियल तेल मिक्स करें।

अब आप इसे अपने चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं।

इसे 20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से धो लें।

आप इसी मिश्रण को अपनी स्कैल्प और बालों की लंबाई में मालिश करें।

शैम्पू से धोने से पहले इसे 30 मिनट से एक घंटे के लिए छोड़ दें।

शहद और दही का मास्क

शहद एक प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट है, जो नमी को लॉक करता है। वहीं, दही लैक्टिक एसिड के साथ स्किन को एक्सफोलिएट और पोषण देता है।



इसे कैसे बनाएं

2 बड़े चम्मच सादा दही में 1 बड़ा चम्मच शहद मिक्स करें।

कैसे इस्तेमाल करें

सबसे पहले आप इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें।

इसी तरह अपनी स्कैल्प और बालों पर इस मास्क को लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

आप इसे समाह मे एक बार इस्तेमाल कर सकते हैं।

अंडा और नींबू से बनाएं मास्क

अंडे में मौजूद प्रोटीन बालों को मजबूत बनाता है और स्किन को टाइटन करता है, जबकि नींबू तैलीयपन को कम करता है और चमक देता है।

कैसे बनाएं

एक अंडे को फेंटें।

सूखे बालों और स्किन के लिए जदी जबकि ऑयली स्कैल्प व स्किन के लिए व्हाइट हिस्से का इस्तेमाल करें।

अब इसमें 1 बड़ा चम्मच ताजा नींबू का रस मिलाएं।

इसकी एक पतली लेयर स्किन पर लगाएं। इसे 10-15 मिनट तक सूखने दें। ठंडे पानी से धो लें।

वहीं, बालों के लिए आप इसे जड़ों से लेकर सिरों तक लगाएं। 20-30 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी और शैम्पू से धो लें।

सप्ताह में एक बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

किचन में मौजूद इन 3 चीजों की मदद से बनाएं फेस पैक, चेहरे पर आएगा गजब का ग्लो



कैसा हो अगर आपकी स्किन का रंग साफ हो जाए और चेहरे पर कमाल का निखार आ जाए। जाहिर सी बात है कि आप खुशी से झुम उठेंगी। अधिकतर महिलाएं व लड़कियां ग्लोइंग स्किन पाने के लिए तरह-तरह के केमिकल वाले ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। जिसकी वजह से एलर्जी, स्किन के ड्राई होने और पिंपल बढ़ने की संभावना अधिक हो जाती है। ऐसे में आज हम आपको आज एक ऐसा नुस्खा बताने जा रहे हैं, जो स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग बना देगा। इस नुस्खे में इस्तेमाल की गई चीजें हमारी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है। साथ ही यह चीजें आपके किचन में मिल जाएंगी। तो आइए जानते हैं इन तीन चीजों के बारे में और इनसे फेस पैक बनाने के तरीके के बारे में इन 3 चीजों का करें इस्तेमाल बता दें कि हमारे किचन में कई ऐसे इंग्रीडिएंट्स मौजूद होते हैं, जो स्किन के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन आज हम आपको किचन में मौजूद उन 3 चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका मिश्रण फेस पर

अप्लाई करने से आपका चेहरा बेदाग निखार लाने का काम करेगा।किचन रीमॉडलिंग

फेस पैक सामग्री

दूध- 1/2 कप

चावल का आटा- 1 चम्मच

एलोवेरा- 1 चम्मच

ऐसे करें अप्लाई

सबसे पहले एक छोटे से पैन में दूध और चावल के आटे को अच्छे से पका लें।

फिर जब तक यह गाढ़ा पेस्ट न हो जाए, तब तक इसको पकाएं।

जब चावल का आटा और दूध अच्छे से पक जाए तो इसको एक कटोरी में निकाल लें।

अब इसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल डालें और इसको अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर इस फेस पैक को अपने चेहरे पर अप्लाई करें और 20 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें।

सूखने के बाद नॉर्मल पानी से चेहरो धो लें और आप पाएंगे कि चेहरे की सारी गंदगी साफ हो गई और आपकी स्किन रग्लो करने लगेगी।

फोंड की बैचलर पार्टी में सबकी नजर होगी आप पर, बस पहनें इन एक्ट्रेसस जैसी स्टनिंग ब्लैक ड्रेसेज

आजकल बैचलर पार्टी काफी ट्रेंड में है। ब्राइड की सहेलियां या कजिन सिस्टर्स मिलकर बैचलर पार्टी आयोजित करती हैं। इस दौरान काफी मौज-मस्ती होती है। बैचलर पार्टी में सभी सज-संवरकर जाना होता है। अगर आप भी अपने दोस्त या फिर कजिन की बैचलर पार्टी में शामिल होने जा रही हैं, तो इन बॉलीवुड हसीनाओं का लुक जरूर क्रिएट करें। एक्ट्रेसस जैसा स्टनिंग लुक पाने के लिए आप इन लुक को जरूर ट्राई करें, इससे आप ग्लैमरस नजर आएंगी। यदि आप ब्लैक लवर हैं और ब्लैक ड्रेस पहनने का शौक है, तो आप इन ड्रेस को जरूर ट्राई करें।

श्राद्धा कपूर की शॉर्ट ड्रेस

बॉलीवुड हसीना श्राद्धा कपूर ने ब्लैक ऑफ शोल्डर शॉर्ट ड्रेस पहनी है। इस लुक में श्राद्धा बेहद

प्यारी लग रही है। एक्ट्रेस ने स्ट्रेट हेयर के साथ हॉट टच ग्लॉसी मेकअप किया है। स्मोकी आईज और ब्रिंग आईलाइनर में श्राद्धा काफी खूबसूरत दिख रही हैं। आप भी बैचलर पार्टी में श्राद्धा कपूर का यह लुक ट्राई कर सकते हैं। सब लोग आपको ही देखते रह जाएंगे।

भाग्यश्री का सिक्विन स्लिट गाउन

बैचलर पार्टी में आप ग्लैमरस दिखना चाहती हैं, तो भाग्यश्री का यह लुक जरूर ट्राई करें। भाग्यश्री ने हाई स्लिट सिक्विन गाउन लुक का आप भी स्टाइल कर सकते हैं। आप इस लुक को अच्छे दिखाने के लिए बोल्ड मेकअप और कर्ली हेयर से कंप्लीट कर सकते हैं।

भूमि पेडनेकर कट आउट बॉडीकॉन गाउन

ब्लैक कट आउट गोल्डन वर्क



बॉडीकॉन गाउन बैचलर पार्टी के लिए सबसे बेहतरीन हो सकता है। भूमि का यह लुक आप भी स्टाइल कर सकते हैं। एक्ट्रेस की तरह ही

बालों को वन साइड वेवी लुक देकर खुद को एक्ट्रेस की तरह ही ब्यूटीफुल लुक दिया जा सकता है।

नोरा फतेही सिक्विन गाउन

अगर आप बैचलर पार्टी में हटकर दिखना चाहती हैं, तो आप नोरा फतेही का यह सिक्विन गाउन को स्टाइल कर सकते हैं। इस ड्रेस

के साथ हाई बन हेयर स्टाइल सबसे बेस्ट रहेगा। वहीं, ग्लॉसी मेकअप इस पर परफेक्ट लुक देगा।

सर्दियों में ड्राई स्किन होगी कोमल बस इस तरह से बादाम का इस्तेमाल चेहरे पर करें

सर्द हवाओं के कारण इस मौसम में सबसे ज्यादा स्किन ड्राई होती है और यह चेहरे को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। बादाम पोषण के लिहाज से बहुत अच्छ माना जाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। गौरतलब है कि बादाम गुणों की खान है। इसके सेवन से शरीर को कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स प्राप्त होते हैं। सेहत के साथ ही स्किन के लिए काफी फायदेमंद है। आमतौर पर कुछ लोग बादाम का तेल से चेहरे पर मालिश करते हैं। हालांकि, अगर आपके पास बादाम का तेल नहीं तो बादाम का फेस पैक बना सकते हैं। इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई करने से स्किन रग्लो करने लगती है। चेहरे पर बादाम का पैक लगाने से फाइन लाइंस और रिंकल को भी दूर करता है। इतना ही नहीं, स्किन के एंजिंग प्रोसेस को रोकता है जिससे स्किन



को यंग दिखने में मदद मिलती है। जानें ऑयली और ड्राई स्किन पर कैसे लगाएं बादाम।

ऑयली स्किन के लिए बादाम का प्रयोग कैसे करें

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को बादाम के तेल से बना फेस पैक चेहरे पर लगाएं। फेस पैक बनाने के लिए आप एक से दो बादाम को रातभर पानी में भिगों

जल्दी निकलते हैं और चेहरा डल दिखता है। दही के साथ मिलाकर बादाम लगाने से न केवल पिंपल का निकलना कम होता है बल्कि तैलीय त्वचा नहीं दिखाई देती और खिला-खिला चेहरा नजर आता है।

ड्राई स्किन के लिए बादाम सबसे अच्छा है

ड्राई स्किन के लिए काफी फायदेमंद है बादाम। चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स भी बादाम के फेस पैक दूर हो जाती है। बादाम के इस्तेमाल से स्किन ग्लोइंग और यंग बनाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए भिगे बादाम को ओट्स और दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और चेहरा को साफ करें। ऐसा करने से आपके चेहरे की डेड स्किन रमूव होती है और त्वचा रग्लो करती है।

दही बादाम फेस पैक लगाने का फायदा

जिन लोगों की ऑयली स्किन होती है उनके पिंपल और एक्ने

दें। अगली सुबह इस बादाम को पीसकर पेस्ट तैयार करें। दही में बादाम के पेस्ट को मिलाकर फेस पैक बनाएं और फिर चेहरे पर अप्लाई करें। 10-15 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

ब्राइडल हेयर स्टाइल के लिए परफेक्ट हैं ये ट्रेंडी एसेसरीज, मिलेगा परफेक्ट लुक

हर दुल्हन के लिए शादी का दिन बेहद खास होता है। इस दिन की तैयारी दुल्हन काफी समय पहले से शुरूकर देती है। वह अपने लिए अलग-अलग डिजाइन के कपड़े लेती हैं और मेकअप का सामान लेती हैं। लड़की अपनी शादी पर खास दिखने के लिए ज्वेलरी से लेकर एक्सेसरीज हर चीज का ध्यान रखती हैं। लेकिन जब बात हेयर स्टाइल की आती है, तो लड़कियां कंप्यूज हो जाती हैं कि किस तरह की एक्सेसरीज अपने बालों में लगाएं, जिससे आपके बाल अच्छे लगेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको लगाने से आपका ब्राइडल लुक अच्छा लगेगा।

मोर पंख वाली हेयर एक्सेसरीज

आजकल बालों में बेहद खूबसूरत डिजाइन वाली हेयर एक्सेसरीज लगाई जाती है। इससे आपका लुक भी बहुत सुंदर आता है। लेकिन जब बात हेयर एक्सेसरीज को खरीदने की आती है, तो कई बार कंप्यूज हो जाते हैं। इसके लिए आप मोर पंख वाली डिजाइन वाली हेयर एक्सेसरीज को ले सकते हैं। खुले बाल और वेन हेयर स्टाइल दोनों के लिए यह आती है। जिसको आप अपने बालों में लगाकर अपने लुक को



क्रिएटिव बना सकती हैं। अगर आप अपने बालों को क्रिएटिव तरीके से अट्रैक्टिव लुक देना चाहते हैं, तो इसके लिए आप झुमकी डिजाइन वाली हेयर एक्सेसरीज भी लगा सकती हैं। इस तरह की हेयर एक्सेसरीज लगाने के बाद आपका लुक बेहद प्ग्यल लगेगा। इस तरह से आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। आपको पहले बालों में बन लगाना है और फिर इस एक्सेसरीज में आपका बन और भी अधिक सुंदर लगेगा। आप चाहें तो इसके लिए कस्टमाइज कर सकती हैं।

स्टड वाली हेयर एक्सेसरीज

अक्सर हम ऐसे स्टोन स्टड अपने इयररिंग्स के लिए खरीदते हैं। लेकिन आप इसको अपने ब्राइडल लुक के साथ बालों में अप्लाई कर सकती हैं। इसके लिए आपको अलगअलग कलर वाले स्टड को खरीदना है। फिर इसको अपने बालों में बालों में अटैच कर लें। इसके बाद आपको बालों में ज्यादा चीजें लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इससे आपका लुक अच्छ और स्टाइलिश भी दिखेगा। आप चाहें तो इसको मल्टी कलर या फिर एक ही कलर में खरीद सकते हैं।

सर्दियों में कॉन्टेक्ट लेंस पहनने से पहले इन टिप्स को फॉलो करना जरूरी है

हमारी आंखें बहुत संवेदनशील मानी जाती हैं और पर्यावरणीय परिस्थितियों के कारण इनमें परिवर्तन होते रहते हैं। अत्यधिक गर्म मौसम में चिड़चिड़ापन, सूखापन और एलर्जी के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसी तरह, अत्यधिक ठंड की स्थिति भी हमारी आंखों पर प्रभाव डालती है, विशेष रूप से आर्द्रता कम होने पर सूखापन पैदा करती है। कॉन्टेक्ट लेंस पहनने वालों में, यह प्रभाव और भी अधिक बढ़ जाता है। इसलिए, सर्दियों के महीनों के दौरान आंखों की देखभाल बहुत महत्वपूर्ण है।

सर्दियों में कॉन्टेक्ट लेंस पहनने के दौरान अपनाएं ये टिप्स

हाइड्रेटेड रहें

सर्दियों के दौरान हाइड्रेशन काफी जरूरी है। हर दिन 6 से 8 गिलास पानी पीने की कोशिश जरूर करें। हाइड्रेशन में सूखी आंखों से बचने में मदद करता है और आपकी आंखों में नमी का संतुलन बनाए रखता है।

आंखों को ठंडा रखें

इस मौसम में तेज हवा ज्यादा



चलती है, इससे बचना जरूरी है। आप चिकनाई वाली आई ड्रॉप्स का प्रयोग जरूर करें। जिससे जलन से बच सकते हैं और आंखों की नमी बनाएं रख सकते हैं।

कॉन्टेक्ट लेंस कम ही पहनें

सर्दियों के दौरान अपने कॉन्टेक्ट लेंस पहनने का समय कम से कम रखने का प्रयास करें। इससे अस्ुविधा और सूखापन कम हो सकता है। यदि संभव हो, तो

कॉन्टेक्ट लेंस को यूवी-सुरक्षात्मक चश्मे से बदलें।

कॉन्टेक्ट लेंस की सामग्री

आप ऐसे कॉन्टेक्ट लेंस चुनें, जो कि आंखों से पानी के वाष्पीकरण को रोकने में मदद करें और आंखों में नमी बनाएं रखें।

अच्छी कॉन्टेक्ट लेंस स्वच्छता बनाए रखें

आप जब भी अपने लेंस को क्लीन करें तो हमेशा अनुशंसित

प्रक्रिया का पालन करें। सुनिश्चित करें कि आपका कॉन्टेक्ट लेंस कैसे नियमित आधार पर साफ और स्वच्छ हो।

ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें

अपने घर या कार्यालय में ह्यूमिडिफायर का उपयोग करने से हवा में नमी जोड़ने में मदद मिल सकती है, जिससे आपकी आंखों के शुष्क होने और उनमें जलन होने की संभावना कम हो जाती है।

शादी के बाद आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे ये फॉक सूट, देखते रह जाएंगे पति

शादियों का सीजन फिर से शुरू हो गया है। इस मौके पर दुल्हन डिजाइनर लहंगा वियर करती हैं। वहीं शादी के बाद लड़कियां ससुराल और मायके दोनों जगहों पर ट्रेडिशनल आउटफिट वियर करती हैं। वहीं अगर शादी के बाद पहली बार मायके जा रही हैं, तो इस दौरान हर लड़की खूबसूरत नजर आना चाहती हैं। ऐसे में आप ट्रेडिशनल आउटफिट में फॉक सूट वियर कर सकती हैं। यह आपके लुक को निखारने और लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। साथ ही आप इस तरह के आउटफिट में कंफर्टेबल फील करेंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ फॉक सूट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको वियरकर आप बेहद स्टाइलिश नजर आएंगी।

मिरर वर्क फॉक सूट

आप मायके और ससुराल दोनों जगहों पर मिरर वर्क वाला फॉक



सूट कैरी कर सकती हैं। यह आउटफिट ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए बेस्ट हैं। इस तरह के आउटफिट आप पर बेहद खूबसूरत लगेंगे। आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों से 2,000 रुपये तक की कीमत में इस तरह का आउटफिट में खरीद सकते हैं। इस तरह के सूट के साथ आप मिरर वर्क या चोकर वाली ज्वेलरी पहन सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वर्क फॉक सूट

अगर आप स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो आपको एम्ब्रॉयडरी वर्क फॉक सूट वियर करना चाहिए। यह सूट आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। इस तरह के सूट आपको 2,000 से 3,000 रुपये के बीच में मिल जाएंगे। इस तरह के सूट के साथ आप कुंदन या फिर पर्ल वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। आप एम्ब्रॉयडरी वर्क में

इस तरह की फॉक सूट चुन सकती है। यह न्यू लुक पाने में बेस्ट है।

सेक्विन वर्क फॉक सूट

बता दें कि यह आप मायके जाने के दौरान सेक्विन वर्क फॉक सूट भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आप काफी स्टाइलिश नजर आएंगी। इससे आपका लुक रॉयल नजर आएगा। आप मार्केट से यह आउटफिट ले सकती हैं। साथ ही आपको यह सूट ऑनलाइन भी 3,000 रुपए तक मिल जाएगा। इस तरह के सेक्विन वर्क फॉक सूट के साथ हैवी झुमके या चोकर स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के फॉक सूट के साथ हैवी वर्क वाला दुपट्टा कैरी करने से आपका लुक स्टाइलिश लगेगा। इसके साथ ही अगर आप सिंपल लुक पाना चाहती हैं, तो आप प्रिंटेड फॉक सूट भी वियर कर सकती हैं। इस तरह का सूट आपके ऊपर बहुत खूबसूरत लगेगा।

जमीन हड़पने के केस में गिरफ्तार आरोपी फ़ाइम ब्रांच की हिरासत से फरार



पणजी। पुलिस अधीक्षक (फ़ाइम ब्रांच) राहुल गुप्ता ने कहा कि दोनों का पता लगाने की कोशिश जारी है। गोवा पुलिस पड़ोसी राज्यों के पुलिस के संपर्क में है। आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। गोवा में जमीन हड़पने के मामले में गिरफ्तार एक आरोपी चार साल से फरार रहने के बाद एक बार फिर कॉन्स्टेबल की मदद से हिरासत से भाग गया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (फ़ाइम ब्रांच) राहुल गुप्ता ने बताया कि 55 वर्षीय सुलेमान खान को साढ़े चार साल तक फरार रहने के बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सुबह के 2:30 बजे वह फ़ाइम ब्रांच की कस्टडी से फिर भाग

कूड़ेदान से मिला व्यक्ति का कटा हुआ सिर, शरीर के अन्य हिस्सों का पता लगाने की कोशिश जारी कोलकाता। कटे हुए सिर को जांच के लिए एमआर बागुर अस्पताल भेजा गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, कूड़े से मानव शरीर का अंग बरामद किया गया।पश्चिम बंगाल में कोलकाता के टॉलीगंज इलाके में कूड़े के ढेर से एक कटा हुआ व्यक्ति का सिर बरामद हुआ। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने गोल्फ ग्रीन के पास ग्राहम रोड पर एक प्लास्टिक बैग देखा, जिसमें कटा हुआ सिर था। घटना की जानकारी पाकर दक्षिण उपनगरीय डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, स्थानीय पुलिस स्टेशनों के कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। शरीर के बाकी हिस्सों का पता लगाने की कोशिश जारी है।कटे हुए सिर को जांच के लिए एमआर बागुर अस्पताल भेजा गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, कूड़े से मानव शरीर का अंग बरामद किया गया।

दिल्ली-मुंबई-तुर्किये जा रहे इंडिगो के 400 यात्री इस्तांबुल में फंसे, खाने को तरसे; एयरलाइन से दी सफाई



इस्तांबुल। एक यात्री ने बताया कि उड़ान पहले दो घंटे देर हुई और फिर अचानक बताया गया कि उसे रद्द कर दिया गया है। आखिरकार 12 घंटे बाद बताया गया कि उड़ान का समय बदला गया है। इंडिगो का सिस्टम एक बार फिर ठप हो गया। नई दिल्ली-मुंबई और तुर्किये के बीच यात्रा करने वाले करीब 400 यात्री इस्तांबुल हवाईअड्डे पर 24 घंटे तक फंसे रहे। जब परेशान यात्रियों ने सवाल करना शुरू किया

तो एयरलाइन का कहना था कि परिचालन संबंधी कारणों से उड़ान में देरी हुई। यात्रियों ने सोशल मीडिया मंच एक्स और लिंकडइन पर अपना गुस्सा जताया। उन्होंने दावा किया कि उड़ान में पहले देरी हुई और फिर बिना किसी जानकारी के उसे रद्द कर दिया गया। अनुश्री भंसाली नाम की एक यात्री ने बताया कि सवा आठ बजे की उड़ान को पहले रात 11 बजे तक टाला। उसके बाद फिर अगले दिन सुबह 10 बजे टाल दिया गया है।

कुछ भी हो सकता है, ईरान-अमेरिका युद्ध की आशंकाओं पर ट्रंप का चौंकाने वाला बयान

दबाव

◀ **अब जब ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं तो माना जा रहा है कि अमेरिका फिर से ईरान पर दबाव बढ़ सकता है।**

वाॅशिंगटन। साल 2020 में ट्रंप ने ही ईरान के खिलाफ हवाई हमले की मंजूरी दी थी, जिसमें ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी को भीतर मिसाइलें दगना है, जिससे लड़ाई और भीषण हो सकती है। गौरतलब है कि अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप का रुख ईरान के प्रति खासा सख्त रहा था। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड दल ने ट्रंप की हत्या की धमकी दी थी, जिसके बाद ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में धमकी दी थी। हालांकि ईरान ने आरोपों से इनकार किया था। साल 2020 में



को टाइम मैज्जीन ने पर्सन ऑफ द ईयर चुना है। ट्रंप ने कहा कि कुछ भी हो सकता है। कुछ भी हो सकता है। यह एक बहुत ही अस्थिर स्थिति है। ट्रंप ने कहा, उन्हें लगता है कि फिलहाल सबसे खतरनाक स्थिति यूक्रेन द्वारा रूस के भीतर मिसाइलें दगना है, जिससे लड़ाई और भीषण हो सकती है। गौरतलब है कि अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप का रुख ईरान के प्रति खासा सख्त रहा था। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड दल ने ट्रंप की हत्या की धमकी दी थी, जिसके बाद ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में धमकी दी थी। हालांकि ईरान ने आरोपों से इनकार किया था। साल 2020 में

प्रोफेसर के हाथ काटने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे शख्स को हाईकोर्ट से राहत, दी गई सशर्त जमानत

फैसला

◀ **साल 2010 में एक प्रोफेसर के हाथ काटने के मामले में अब केरल हाईकोर्ट ने बड़ फैसला लिया है।**

तिरुवनंतपुरम। साल 2010 में एक प्रोफेसर के हाथ काटने के मामले में अब केरल हाईकोर्ट ने मुख्य साजिशकर्ता को जमानत दे दी है, जिसे पिछले साल एक विशेष एनआईए अदालत ने दोषी ठहराया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। साल 2010 में एक प्रोफेसर के हाथ काटने के मामले में अब केरल हाईकोर्ट ने बड़ फैसला लिया है। उसने इस मामले के मुख्य साजिशकर्ता को जमानत दे दी है, जिसे पिछले साल एक विशेष एनआईए अदालत ने दोषी ठहराया था और आजीवन कारावास की सजा



सुनाई थी। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन और न्यायमूर्ति पीवी बालकृष्णन की पीठ ने दोषी एम के नासर की सजा को निलंबित कर दिया, जबकि एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ उसकी अपील हाईकोर्ट में लंबित है। बता दें, एनआईए अदालत ने नासर को मामले में मुख्य साजिशकर्ता पाया था। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि नासर को आरोप सिद्ध होने से पहले और बाद नौ साल से अधिक समय तक जेल में रहना पड़़ा है। जबकि उसके जैसे आरोपों का सामना कर अन्य आरोपियों को कम समय के लिए जेल की सजा दी गई थी तथा सजा पूरी करने के बाद उन लोगों को

रिहा कर दिया गया था। इसके अलावा, सत्र न्यायाधीश के निष्कर्षों के खिलाफ एनआईए द्वारा दायर अपीलों पर अलग-अलग विचार किया जा रहा है, जिन पर अभी तक अभी तक सुनवाई नहीं हुई है। पीठ ने कहा, इसमें देरी की भी संभावना है क्योंकि मुख्य आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया है और सत्र न्यायाधीश के कानून के अनुसार मुकदमे को अपने हाथ में लेना होगा तथा उसका निपटारा करना होगा। इसके लिए कुछ मूल रिक्तों की आवश्यकता हो सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि इन तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, उसका मत है कि नासर को दी गई सजा को उसकी अपील पर

जवान ने दागी थीं 27 गोलियां

तैनात

◀ **संसद पर हमले के दौरान गेट नंबर छह पर तैनात रहे सीआरपीएफ के हवलदार डी. संतोष कुमार ने हैंड ग्रेनेड और फायरिंग की आवाज सुनकर अपने इवार्ज को जानकारी दी।**

आतंकी हैंड ग्रेनेड फैंकने के अलावा ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहे थे। संतोष कुमार ने अपनी एसएलआर से पहले दो-तीन गोलियां दागीं। चूँकि सभी आतंकी एक साथ फायरिंग कर रहे थे, इसलिए संतोष ने एक पेड़ की आड़ ली। इसके बाद वह सोचते हुए गोली कहीं भी लगे, बाहर निकल कर उसने आतंकियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। मात्र छह मिनट में तीन आतंकी मार दिए गए। चौथा आतंकी जो मानव बम था,



उसे सुखविंद्र सिंह ने खत्म कर दिया। संतोष की पत्नी सिंधु दूबे और बेटी सौम्या ने कई बार कहा था कि उन्हें संसद भवन का वह स्थान देखना है, जहां पर सभी आतंकी मारे गए थे। बतौर संतोष, उसने वादा किया था कि वह एक दिन उन्हें संसद भवन परिसर अवश्य दिखाएंगे। संसद पर हुए हमले के बाद संतोष कुमार की पोस्टिंग कश्मीर में हो गई थी। उसके बाद उत्तर-पूर्व और फिर नक्सली इलाकों में। इसी तरह

तैनाती चलती रही। 14-15 साल तक बीत गए, लेकिन वे अपने परिवार को संसद भवन दिखाने का समय ही नहीं निकाल सके। संसद भवन हमले के मुख्य आरोपी अफजल गुरू, जिसे फरवरी 2013 में फांसी दी गई थी, उस वक संतोष कुमार दिल्ली में तैनात थे। उन्होंने बल मुख्यालय को परिवार साथ रखने के लिए आवेदन दिया था। मंजूरी मिलने के बाद ही वे अपने परिवार को संसद भवन दिखाने में कामयाब हुए।

ट्रंप के टैरिफ लगाने के जवाब में कनाडा भी उठा सकता है सख्त कदम, ऊर्जा की सप्लाई रोकने पर विचार

कनाडा

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने कनाडा पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात कही थी।

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के कदम के जवाब पर चर्चा की गई। ट्रंप के बाद पर टैरिफ लगाने के बयान के बाद यह दूसरी ऐसी बैठक थी, जिसमें कनाडा द्वारा अमेरिका के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई। इस बैठक में कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिना फ़ोर्लैंड भी थीं। बैठक के दौरान कई प्रीमियर्स ने अमेरिका के खिलाफ सख्त कदम उठाने की दृष्टी सरकार को सलाह दी। कनाडा की वित्त मंत्री ने बैठक के बाद बताया कि कुछ राज्यों के प्रीमियर्स ने उन उदाहरों



की पहचान करने और उनका निर्यात रोकने की सलाह दी है, जो कनाडा से अमेरिका को निर्यात किए जाते हैं और जो अमेरिका के लिए अहम हैं। कनाडा द्वारा काफी मात्रा में अमेरिका को तेल, नचुरल गैस और बिजली की सप्लाई की जाती है। कुछ प्रीमियर्स ने अमेरिका की ये ऊर्जा सप्लाई रोकने की सलाह दी। उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने एक बयान में कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सामान पर 25 फीसदी तक टैरिफ लगाने की बात कही थी। ट्रंप ने कहा था कि जब तक ये देश अपने सीमा से होने वाली

ड्रास की सप्लाई और अवैध अप्रवासियों को नहीं रोकते हैं, तब तक वे टैरिफ लगाएंगे। अमेरिका और कनाडा के बीच सालाना व्यापार अरबों डॉलर का है। अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव्स के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका और कनाडा के बीच साल 2022 में 614 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। ऐसे में अगर ट्रंप, कनाडा से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का फैसला करते हैं और उसके जवाब में कनाडा भी सख्त कदम उछता हो तो इससे दोनों देशों के रिश्तों में तनाती पैदा हो सकती है।

राष्ट्रपति बाइडन ने इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए बनाई खास रणनीति



पिछली साल सितंबर से जारी यहूदी-विरोधी भावना से लड़ने की व्यापक रणनीति को दिखाता है। हालांकि, यह कदम छह साल के लड़कें वाइडो अलन-फ्रूम की हत्या के एक साल से अधिक समय बाद उठाया गया है, जिसे एक व्यक्ति ने चाकू मार दिया था। उसे और उसकी मां को सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया था क्योंकि वे फलस्तीनी-अमेरिकी थे। बाइडन ने शिकगो में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'हमने बहुत देशों के लोगों की यात्रा प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे बाइडन ने अपने कार्यकाल के पहले दिन रह कर दिया था। इराहल-गाजा जंग शुरू होने के बाद अमेरिका में मुस्लिमों और अरब के खिलाफ नफरत तेजी से बढ़ रही है। इसी का मुकाबला करने के लिए लंबे समय से इंतजार की जा रही रणनीति का राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को खुलासा किया। उन्होंने भेदभाव को कम करने के लिए निरंतर काम करने का आह्वान किया। 64 पत्रों का यह दस्तावेज डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से कुछ सप्ताह पहले आया है। बता दें, ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान कुछ मुस्लिम बहुल देशों के लोगों की यात्रा प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे बाइडन ने अपने कार्यकाल के पहले दिन रह कर दिया था। यह व्हाइट हाउस द्वारा

हम पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, मगर सब उन पर ही निर्भर, जयशंकर की पाकिस्तान को दो टूक

नई दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि 2019 में पाकिस्तान द्वारा लिए गए कुछ फैसलों के कारण व्यापार के संबंधों में रुकावट आई है। किसी भी अन्य पड़ोसी की तरह हम पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में एक बार फिर पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंधों को बेहतर बनाने के लिए तैयार है। हालांकि, अगर वह अपने पिछले व्यवहार को नहीं बदलता है, तो द्विपक्षीय संबंधों पर इसका असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में पाकिस्तान द्वारा लिए गए कुछ फैसलों के कारण व्यापार के संबंधों में रुकावट आई है। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कहा, मैं माननीय सदस्य को सूचित करना चाहूंगा कि पाकिस्तान के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के मामले में, किसी भी अन्य पड़ोसी की तरह, हम पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। मगर किसी भी अन्य पड़ोसी की तरह, हम आतंकवादियों से मुक्त संबंध भी रखना चाहेंगे। जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार का यही रुख रहा है। उन्होंने कहा, हम यह साफ कर चुके हैं कि पाकिस्तान पर अब निर्भर है। वह यह दिखाए कि अपना पिछला व्यवहार बदल रहा है। अगर वह ऐसा नहीं करता है तो निश्चित रूप से संबंधों पर इसका असर पड़ेगा। इसलिए इस मामले में गैर पूरी तरह से पाकिस्तान के पाले में है। बता दें, केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त हो गए थे।

जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए राज्यसभा में नोटिस

नई दिल्ली। जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की मांग करते हुए न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 और संविधान के अनुच्छेद 218 के तहत प्रस्ताव के लिए नोटिस पेश किया गया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को न्यायमूर्ति यादव के कथित विवादस्पद बयानों पर समाचार रिपोर्टों का संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस मुद्दे पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जानकारी मांगी। विपक्षी दलों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के विवादस्पद बयान के लिए उनके खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए राज्यसभा में नोटिस दिया। सूत्रों के मुताबिक, जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग के लिए राज्यसभा में दिए गए नोटिस पर 55 विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इनमें कांग्रेस के कपिल सिब्बल, विवेक तन्खा और दिग्विजय सिंह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जॉन ब्रटास, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मनोज कुमार झा और तुणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले शामिल हैं। सांसदों ने राज्यसभा महासचिव से मुलाकात की और महाभियोग का नोटिस सौंपा। जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की मांग करते हुए न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 और संविधान के अनुच्छेद 218 के तहत प्रस्ताव के लिए नोटिस पेश किया गया है। नोटिस में कहा गया कि विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यक्रम में न्यायमूर्ति की ओर से दिए गए भाषण या व्याख्यान से प्रथम दृष्टया पता चलता है कि उन्होंने भारत के संविधान का उल्लंघन करते हुए नफरत फैलाने वाला भाषण दिया और सांप्रदायिक विद्वेष को भड़काया। नोटिस के मुताबिक, %न्यायाधीश ने प्रथम दृष्टया अस्पष्टसंख्यकों को निशाना बनाया और उनके खिलाफ पूर्वाग्रह-पक्षपात जाहिर किया। जज ने समान नागरिक संहिता से संबंधित राजनीतिक मामलों पर सार्वजनिक बहस में भाग लिया या सार्वजनिक रूप से अपने विचार व्यक्त किए, जो न्यायिक जीवन के मूल्यों के पुनर्कथन, 1997 का उल्लंघन है। विश्व हिंदू परिषद के आठ दिसंबर को आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति यादव ने कथित तौर पर कहा था कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है।

सीएमओ ने की सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा



अवधनामा संवाददाता

बलिया। मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित योजनाओं व इंडिकेटर्स की प्रगति की विस्तृत समीक्षा शुक्रवार की शाम चार बजे की। मुख्य विकास अधिकारी ने समीक्षा के दौरान फैमिली आईडी बनाए जाने के कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए उप कृषि निदेशक को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों का फैमिली आईडी बनाए जाने के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश

दिए। इसके साथ ही जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर आगामी बैठक तक अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नमामि गौ॰15वां वित्त आयोग (पंचायत), व्यक्तिगत शौचालय एवं मध्यान्ह भोजन आदि योजना/ इंडिकेटर्स में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने विभागीय योजनाओं में शत-प्रतिशत प्रगति लाना सुनिश्चित करें, जिससे सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में सुधार आ सके। मुख्य विकास

अधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत शेष रह गए विद्यालयों को सभी पैरामीटर से संतुल्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों एवं भूगतान में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कि पात्र लाभार्थियों का चयन कर अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने सेतुओं के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि निर्माण कार्य में आ रही समस्या का निस्तारण कराते हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाय। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने कार्यालय में ई-ऑफिस के तहत शीघ्र कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें।



अवधनामा संवाददाता

भीमपुरा। थाना क्षेत्र के बरौली गांव में शुक्रवार की अपराह्न टैक्टर राइस मिल से धान कुटाई करते समय साड़ी फंसने से महिला की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने टैक्टर राइस मिल व चालक को कब्जे में ले लिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। थाना क्षेत्र के बरौली निवासी सरस्वती देवी 53 वर्ष

शुक्रवार की अपराह्न धान कुटाने के लिए अपने घर ट्रैक्टर बुलाकर धान की कुटाई करा रही थी इसी बीच सरस्वती देवी का आंचल राइस मिल के साफ्ट में फंस गया। चालक राइस मिल बंद करते करते महिला काल के गाल में समा गई उसका शव पुरी तरह छत विसृत हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। बता दें कि मृतक सरस्वती देवी अपने दो पुत्रियों के साथ घर रहकर खेती बारी का कार्य करती थी पति संजय मोयं व दो पुत्र बाहर नौकरी करते हैं। वही मृतक का देवर चंद्रेश मोयं की तहरीर पर पुलिस ने राइस मिल चालक व वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई शुरू कर दी है।

बिजली के निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का धरना



अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के आवाहन पर एवं नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफइलेक्ट्रीशियी इम्पलाईज एण्ड इन्जिनियर्स के राष्ट्रीय कमेटी के निर्णय के अनुसार राष्ट्र व्यापी विरोध दिवस पर 30१० में बिजली क्षेत्र की निजीकरण की किसी भी एकतरफ़ कार्यवाही के विरोध में आज देश भर में राष्ट्रव्यापी विरोध दिवस पर विरोध सभायें करने के आवाहन पर आज आजमगढ़ के विद्युत कर्मचारियों एवं अभियन्ता अधिकारियों ने कार्यालय समय के बाद सायकाल 05००0 बजे के बाद सिधारी हाईडिल कार्यालय के बाहर शान्तिपूर्ण विरोध दिवस एवं विरोध सभाकर दुखः एवं आक्रोश व्यक्त करते हुए ऊर्जा क्षेत्र, प्रदेश के विकास, किसानों, विद्युत उपभोक्तओं, नौजवानों के हित में विद्युत कर्मचारियों,

इन्जीनियरों, अधिकारियों के शोषण के खिलाफ ऊर्जा क्षेत्र के निजीकरण के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का ऐलान किया। विरोध सभा में विद्युत कर्मचारी, अभियन्ताओं ने कहा कि 30१0 में बिजली व्यवस्था में सबसे ज्यादा सुधार विद्युत कर्मचारियों, अभियन्ताओं के कड़ी मेहनत से हुआ है, और लगातार हो रहा है। लेकिन पाँवर कारपोरेशन प्रबंधन ने अचानक पूर्वान्वल और दक्षिणान्वल विद्युत वितरण निगमों के प्रदेश के 42 जनपदों में बिजली वितरण के निजीकरण की घोषणा कर बिजली कर्मियों को ड्रेलित कर दिया है। एवं अनवश्यक रूप से ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशान्ति का वातावरण बना

दिया है। बिजली कर्मी अभी भी पूरी मेहनत से कार्य कर रहे हैं, और निजीकरण के विरोध में सभी ध्यानाकर्षण कार्यक्रम कार्यालय समय के उपरान्त कर रहे हैं। जिससे बिजली व्यवस्था पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े, और उपभोक्तओं को कोई दिक्कत न हो। लेकिन प्रबंधन औद्योगिक अशान्ति उत्पन्न कर अब इसे पटरी से उतार देने पर तुला हुआ है, तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री से माँग की कि वे प्रभावी हस्तक्षेप करने की कृप करें। पाँवर करपोरेशन प्रबंधन विद्युत वितरण निगमों की अरबो, खरबो की बिजली की परिसम्पत्तियों को कौड़ियों के मोल बेचने की साजिश कर रहा है।

नवीनीकृत कलेक्ट्रेट बार गेट का डीएम ने किया शुभारंभ

70 वर्ष से ऊपर के अधिवक्ताओं का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के लिए लगाया गया कैप



अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट बार परिसर में 70 वर्ष से ऊपर के अधिवक्ताओं का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु और उनके स्वास्थ्य परीक्षण हेतु कैम्प का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किया गया। जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र और पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा के द्वारा उक्त कैम्प का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बार के अध्यक्ष के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का अनुरोध किया था, जिसके क्रम में मुख्यमंत्री के प्रेरणा से

आज कैम्प लगाकर 70 वर्ष से ऊपर के अधिवक्ताओं का आयुष्मान कार्ड बनाया गया इसके साथ ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस दौरान दवाओं और च्यवनप्रास का वितरण भी किया गया। नवीनीकृत कलेक्ट्रेट बार गेट का जिलाधिकारी के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बार के अध्यक्ष मनोज मिश्र, महामंत्री लाल बहादुर यादव, स्वास्थ्य विभाग से जिला सूचना प्रणाली प्रबन्धक हिमाशू शेखर सिंह, डा. बदी विशाल पाण्डेय, अक्वीश श्रीवास्तव, डा. राजीव यादव, सहित अन्य पदाधिकारी व अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ब्लॉक प्रमुख ने गरीबों में कंबल वितरण किया



जौनपुर। (नेवड़िया) शुक्रवार को स्वर्गीय निर्मला सेठ की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर ग्राम पंचायत कोलबारी,भवानीगंज में ग्राम प्रधान संतोष सेठ ने अपने माता की पुण्यतिथि पर रामायण पाठ कर 351 गरीब असहाय को कम्बल वितरण ब्लॉक प्रमुख रामपुर माननीय राहुल सिंह जी के हाथों करवाया। गरीब असहाय, वनवासी लोगों की भीड़ कम्बल देने के लिए लगी रही। सभी कम्बल पाकर अत्यन्त खुश थे। ब्लाक प्रमुख ने कहा कि कड़के की डंड में गरीबों को कम्बल वितरित करना पुण्य का कार्य है। गरीब, असहाय लोगों को हर संभव मदद करना और उनको सरकार की योजनाओं का लाभ दिलवाना हम सभी की जिम्मेदारी है। ब्लॉक रामपुरअंतर्गत सभी ग्राम पंचायत में डंड में अलाव की व्यवस्था हर चौराहे व सार्वजनिक स्थानों पर की जाएगी। इस कार्यक्रम में संतोष सेठ, पंकज सिंह ,शानू सिंह, विपुल सिंह, चंद्रशेखर यादव, अरुण सिंह, शुभम सिंह, शनि सिंह, ग्राम प्रधान महेवा, संतोष सिंह व सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अतुल सुभाष आरम्भहत्या के आरोपियों घर पर कर्नाटक पुलिस ने चर्या की नोटिस

जौनपुर। अतुल सुभाष मोदी आरम्भहत्या मामले में आरोपी बनाये गये, निकिता सिंघानिया और उनकी माँ ,भाई व बड़े पिता के नाम से कर्नाटक पुलिस ने जौनपुर नगर कोतवाली क्षेत्र के मधारी टोला मोहल्ले में स्थित उनके घर पर पहुंची, मकान में ताला बंद होने कारण घर पर नोटिस चर्या कर दिया है। नोटिस में तीन दिन के भीतर सभी आरोपियों को कर्नाटक के बेंगलुरु शहर के मराठहल्ली पुलिस स्टेशन में आकर जवाब देने को कहा है। इस मामले में टीम के इस्पेक्टर रंजीत कुमार से बात करने की कोशिश किया गया तो उन्होंने ने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया।

आज होगी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

आजमगढ़। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशधर्मचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ धनंजय कुमार मिश्रा ने बताया है कि 30१0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जय प्रकाश पाण्डेय माननीय जनपद न्यायाधीश,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में 14 दिसम्बर को जनपद न्यायालय के साथ ही साथ समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा- 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, आरबोडेशन वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्यादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद) आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। वादकारी अपने सम्बन्धित न्यायालय में सम्पर्क कर अपने वाद को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित करारकर लोक अदालत का लाभ उठा सकते हैं।

वैदिक मंत्रों के बीच पीएम मोदी ने किया संगम अभिषेक

त्रिवेणी संगम में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र अर्पित कर पीएम मोदी ने की महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज की पावन धारा पर त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहे महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना की। पीएम मोदी ने इस अवसर पर गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी की आरती कर वैश्विक कल्याण का भी संकल्प लिया। तीर्थ पुरोहितों के द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच पूरा कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने त्रिवेणी में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र भी अर्पित किए।

इससे पूर्व पीएम मोदी ने प्रमुख साधु संतों का आशीर्वाद भी लिया। इस अवसर पर पीएम के साथ सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निम्नराज कर्जुण पर सवार होकर



संगम नोज पर पहुंचे। किला घाट पर फ्लोटिंग जेटी से होते हुए वो कर्जुण पर सवार हुए। व्हाइट कुर्ता-पजामा, ब्लू जैकेट, मैरून कलर की शॉल पहने पीएम मोदी ने कर्जुण पर सवार होने के बाद डेक पर खड़े होकर यमुना की लहरों को निहारा। यहां से वह घूम-घूमकर पूरे क्षेत्र का अवलोकन भी करते नजर आए। इसके बाद रिवर कर्जुण पर विहार का भी आनंद उठाया। संगम नोज पर सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने एक बार फिर उनका स्वागत किया। इसके बाद

पीएम मोदी ने साधु संतों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया। इस दौरान एक संत ने उन्हें मोतियों की माला भी भेंट की। यहां से पीएम सीधे संगम नोज पर बने पंडाल में पहुंचे। यहां उपस्थित तीर्थ पुरोहितों ने उन्हें आसन ग्रहण कराया। पीएम के अगल-बगल में सीएम योगी और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी आसन ग्रहण किया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पीएम मोदी ने पूजा अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों ने उनसे आचमन भी

आने वाले समय में उर्जा का नया श्रोत बनेगा हाइड्रोजन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के नैनो साइंस केंद्र में हाइड्रोजन गैस उर्जा के संचय विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्राध्यापक डा. ठाकुर प्रसाद यादव ने कहा कि हाइड्रोजन स्वरू उर्जा का नया श्रोत हो सकता है। हाइड्रोजन पर्याप्त मात्रा में पर्यावरण में उपलब्ध है और इसके उत्पन्न उर्जा कार्बन उत्सर्जन रहित होता है इस वजह से हाइड्रोजन उर्जा के प्रयोग को लेकर तमाम शोध हो रहे हैं। इस हाइड्रोजन उर्जा के ईंधन के रूप में प्रयोग को लेकर देश-विदेश में बहुत से शोध चला रहे हैं। इस क्रम में इलहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्राध्यापक डा. ठाकुर प्रसाद यादव ने अपने व्याख्यान में यह बताया कि हाइड्रोजन गैस उर्जा का एक स्वाच माध्यम है और यह धरती पैर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है लेकिन इसको संचित करना बहुत ही जटिल प्रक्रिया है। इस उर्जा का प्रचुर मात्रा में सदुपयोग नहीं हो पा रहा है इसके कई व्यवहारिक कारण हैं जैसे हाइड्रोजन उर्जा का संचय एवं संचित हाइड्रोजन गैस का अवांशकतानुसार उपलब्ध न हो पाना है। भौतिक विज्ञान विभाग के युवा

रज्जू भैया संस्थान में हुआ व्याख्यान का आयोजन

वैज्ञानिक डॉ. ठाकुर प्रसाद यादव ने भारत के हाइड्रोजन मैन के नाम से विख्यात पदमश्री प्रो. ओएन श्रीवास्तव के निदेशन में काशी हिंदू विश्वविद्यालय से अपना शोध कार्य किया है और वह स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी टॉप दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल है। डॉ. यादव भौतिकी के नैनो पदार्थ, हाइड्रोजन संभरण और ऊर्जा भंडारण पर किए गए शोध कार्य के कारण सुविख्यात में रहे हैं। उनके 150 से अधिक शोध पत्र और 20 पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.वंदना सिंह की प्रेरणा से विद्यार्थियों में शोध के प्रति आकर्षण विकसित करने के लिए ऐसे आयोजन किये जा रहे हैं। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने स्वागत तथा नैनो विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डा सुजीत कुमार चौरसिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रो गिरिधर मिश्र, प्रो मिथिलेश सिंह, डा काजल कुमार डे, डा धीरेंद्र कुमार चौधरी, डा नीरज अवस्थी, डा अजित सिंह, डा नितेश जयसवाल, डा रामशु, डा संदीप वर्मा सहित शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुरु ही ब्रह्मा, विष्णु और शंकर हैं: शंकराचार्य

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। “‘गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु, गुरुर्देव महेश्वरः। गुरुःसाक्षात् परमब्रह्म, तस्मै श्रीगुरुवे नमः।। अर्थात् गुरु ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश्वर (शंकर भगवान) हैं, और गुरु ही साक्षात परम ब्रह्म हैं। गुरु के बिना ज्ञान नहीं होता। माता-पिता भी व्यक्ति के प्रथम गुरु होते हैं जो संस्कार एवं जीवनशैली का ज्ञान कराते हैं। बाद में शिक्षक (गुरु) ही उसका विस्तार करते हैं। मैं भी इसी सूत्र के आधार पर श्रीमद्ज्योतिषीठो के पूर्व शंकराचार्यों की स्मृति, संस्मरण और सम्मान में यह नव दिवसीय आराधना महोत्सव का कार्यक्रम करता हूँ। श्रीमज्ज्योतिषीठोधीश्वर जगद्गुरुशंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज ने आज भगवान आदिशंकराचार्य मंदिर, श्रीब्रह्मनिवास-अलोपीबाग प्रयागराज में आज आयोजित नौ दिवसीय आराधना महोत्सव में श्रीमद्भगवत कथा में उक्त बातें बताया। मध्य प्रदेश से पथारे पूज्य व्यास आचार्य पं0 ओमनारायण त्रिवेदी ने बड़ी संख्या में उपस्थित श्रीमद्भगवत कथानुरागी भक्तों को सरल भाषा में संगीतमय श्रीमद्भगवत कथा के माध्यम से मानवीय कृत्य गुरु महत्व एवं महाभारतकालीन युद्धनीतियों की विविध प्रकाश से विवेचना किया। श्रीमद्भगवत महापुराण कथा के पश्चात



आरती की गई। इसके पश्चात भगवान मैदानेश्वर बाबा का भव्य रुद्राभिषेक पूजा श्रीशंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी द्वारा किया गया जिसमें 31 वेदपाठी विप्रों ने पूजा-आरती सम्पन्न कराया। श्रीमद्ज्योतिषीठो प्रवक्ता ओमनाराथ त्रिपाठी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम 15 दिसम्बर तक प्रतिदिन की भाँति चलता रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दण्डी संन्यासी स्वामी विनोदानंद सरस्वती जी महाराज, दण्डी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती, दण्डी संन्यासी ब्रह्मपुरी जी, ज्योतिषीठ संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य पं0 शिवार्चन उपाध्याय, आचार्य पं0 अभिषेक मिश्रा, आचार्य पं0 विपिनदेवानंदजी, आचार्य पं0 मनीष मिश्रा, सीताराम शर्मा, अनुराग, दीप कुमार पाण्डेय आदि विशेष रूप से सम्मिलित रहे।

कार्यालय नगर पंचायत साहनपुर, (बिजनौर)

पत्रांक- 326/न0पं0सा0/2024-25 दिनांक:- 13-12-2024

निविदा सूचना द्वारा ई-टेंडर

समस्त ठेकेदारों/सप्लायर/फर्मों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत साहनपुर द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु बुनियादी अनुदान (द्वितीय किस्त) एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु बुनियादी अनुदान (प्रथम किस्त) के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर के विकास कार्यों हेतु दिनांक 06.01.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर निविदाएँ समस्त ठेकेदारो/फर्मों से शर्तों के आधार पर आमंत्रित करती है। निविदा अभिलेख एवं शर्तें वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 18.12.2024 को अपरान्ह 12:00 बजे से दिनांक 06.01.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे, जहां से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। सभी निविदादाता दिनांक 18.12.2024 को अपरान्ह 12:00 बजे से दिनांक 06.01.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर आनलाइन अपनी निविदा दर्/दर्दें डाल सकते हैं, तथा दिनांक 06.01.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे कार्यालय में निविदा खोली जायेगी। निविदा खोले जाने की दिनांक को अवकाश की स्थिति में अगला कार्य दिवस माना जायेगा।

Tender Reference	03/ET/NPS/2024-25
Publish Date and time for RFP	18.12.2024 को अपरान्ह 12:00 बजे से
Last Date and time for submission of E-Tender	06.01.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक
Date and time of opening tender	06.01.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे को
Place of opening of E-tender	Office Nagar Panchayat Sahanpur
E-tender security	10% of Tender Value
E-tender document processing	As per tender list

(अनूप कुमार रावत)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत साहनपुर,
(बिजनौर)

(मौ0 खुशींद मन्सूरी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत साहनपुर,
(बिजनौर)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, शाहजहाँपुर

पत्र सं0- 483/नि0वि0/न0नि0शाह0/2024 दिनांक : 12 दिसम्बर, 2024

Expression of Interest (EOI)

कार्य का नाम :- नगर निगम, शाहजहाँपुर में विभिन्न चौराहे व तिराहों का यातायात व्यवस्था हेतु सुधार/सौन्दर्यकरण कार्य।

नगर निगम, शाहजहाँपुर सीमान्तर्गत विभिन्न चौराहे व तिराहों का यातायात व्यवस्था हेतु सुधार/सौन्दर्यकरण कार्य के क्रियान्वयन हेतु सर्वे उपरान्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराये जाने हेतु अनुभवी वास्तुविदों/कंसल्टेन्ट्स से प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं, जिसमें परामर्शी दर सहित प्रतिशत में भली बन्द प्रस्ताव नगर निगम शाहजहाँपुर के निर्माण अनुभाग कार्यालय में दिनांक 21.12.2024 को अपरान्ह 04.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। जो कि तद्दिनांक अपरान्ह 4.30 बजे से खोले जायेंगे। उक्त से संबंधित विस्तृत विवरण नगर निगम, शाहजहाँपुर में किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधिक जानकारी के लिए श्री आशीष त्रिवेदी, अधिशासी अभियन्ता, (सिविल) मो0नं0-9450110481 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, शाहजहाँपुर

नगर आयुक्त
नगर निगम, शाहजहाँपुर

बिजनेस/सेहत/टेक

ईडी की कार्रवाई तीसरे पक्षों की ओर से की गई धोखाधड़ी से जुड़ी, छापों पर डेंट्सू इंडिया ने रखा पक्ष



नई दिल्ली। संचार कंपनी डेंट्सू इंडिया ने शुक्रवार को कंपनी के खिलाफ की गई ईडी की छापेमारी पर अपना पक्ष रखा। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से छापेमारी की कार्रवाई की गई थी। कंपनी ने कहा है कि उक्त कार्रवाई तीसरे पक्ष की ओर से की गई धोखाधड़ी से संबंधित है। कंपनी ने क्या कहा है, आइए जानें। संचार कंपनी डेंट्सू इंडिया ने शुक्रवार को कंपनी के खिलाफ की गई ईडी की छापेमारी पर अपना पक्ष रखा। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से छापेमारी की कार्रवाई की गई थी। कंपनी ने बताया है कि छापेमारी 'तीसरे पक्षों' की ओर से की गई कुछ सदिग्ध धोखाधड़ी से संबंधित थी और उसने संबंधित अधिकारियों को सक्रियता से

इसकी सूचना दी थी। जांच एजेंसी ने गुरुवार को मॉडिया में जारी एक बयान में कहा था कि उसने 'सुमाया-डेंट्सू मामले' की जांच के तहत 10 दिसंबर को मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम में उसके कई परिसरों पर छापेमारी की है। धन शोधन का मामला मुंबई पुलिस (वर्ली पुलिस थाना) की ओर से डेंट्सू कम्प्युनिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और टेक्स्टाइल समूह सुमाया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उसके प्रवर्तकों और कुछ अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्रथमिकी से उजाग है। डेंट्सू इंडिया ने एक प्रश्न के जवाब में कहा है कि उन्होंने 2021 में "तीसरे पक्षों और इनडिड के कुछ पूर्व कर्मचारियों की ओर से की गई सदिग्ध धोखाधड़ी गतिविधि की पहचान की थी, जिनके खिलाफ आपराधिक शिकायतें भी दर्ज

टाटा संस के प्रमुख चंद्रशेखरन महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस से मिले, राज्य के विकास पर हुई चर्चा



मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष के रूप में एन चंद्रशेखरन और महाराष्ट्र के 20 शीर्ष सीईओ के काम के परिणामस्वरूप एक रिपोर्ट पिछले साल प्रस्तुत की गई थी। यह रिपोर्ट महत्वाकांक्षी 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने में बहुत सहायक साबित होगी। उन्होंने यह बात शुक्रवार को चंद्रशेखरन से मुलाकात के बाद कही।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि

चंद्रशेखरन ने उन्हें बधाई दी और टाटा समूह और महाराष्ट्र सरकार के बीच दीर्घकालिक साझेदारी पर विश्वास व्यक्त किया। फडणवीस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, +हमने महाराष्ट्र के विकास को गति देने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की।

फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष के रूप में उनके (एन चंद्रशेखरन) और महाराष्ट्र के 20 शीर्ष सीईओ के काम के परिणामस्वरूप एक रिपोर्ट पिछले साल प्रस्तुत की गई थी। यह रिपोर्ट महत्वाकांक्षी 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने में बहुत सहायक साबित होगी।

आई डी फेश ने प्रसिद्ध साउथ-इंडियन इडली डोसा बैटर को अब लखनऊ में भी पेश करने की घोषणा की

लखनऊ। ताजा, प्राकृतिक खाद्य उत्पादों में भारत का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड iD Fresh

अब इस साउथ-इंडियन नाश्ते का स्वाद ले सकते हैं। लखनऊ के उपभोक्ता अब iD Fresh के



स्वस्थसत्त सतत प्रगति पर है। बैंगलोर स्थित कंपनी ने अब अपने अखिल भारतीय विकास योजना के रूप में लखनऊ में विस्तार की घोषणा की है। कंपनी अपनी बढ़ती उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए एक रणनीति के तहत अपने प्रशंसित उत्पादों की श्रृंखला लखनऊ में पेश करने जा रही है, जिसमें कंपनी का प्रसिद्ध एन प्रामाणिक साउथ-इंडियन इडली-डोसा बैटर शामिल है। पूरे देश के उपभोक्ता

मालाबार परोट, गेहूं का लच्छा पराठ, पनीर, दही और कॉफी का भी आनंद ले सकते हैं। कंपनी अपने ब्रांड के जल्द ही बाजार में बाकी उत्पादों, जैसे मसाले और चटनी को भी लॉन्च करने वाली है। आईडी फेश फूड के सीईओ (भारत) रजत दिवाकर ने कहा, हम लखनऊ जैसे प्रमुख शहर में आईडी फेश के प्रामाणिक, प्राकृतिक और प्रिजर्वेटिव-मुक्त उत्पाद पेश करने के लिए अत्यंत

रोमांचित हैं। लखनऊ हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। यहां की समृद्ध खाद्य संस्कृति और प्राकृतिक और पारंपरिक स्वादों की सराहना करने वाले उपभोक्ताओं की तादाद है। यहां हमारा विस्तार हमारी अखिल भारतीय विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है, और हम लखनऊ के उपभोक्ताओं से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। हम उनके लिए ऐसे उत्पाद ला रहे हैं जो उच्च गुणवत्ता वाले, पौष्टिक विकल्पों के प्रति उनके प्यार के अनुरूप हैं। वर्ष 2024 में कंपनी ने पूरे भारत में विस्तार करने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में 554 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया और वित्त वर्ष 2025 में 700 करोड़ रुपये तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। सही मायने में देखें तो कंपनी के परिचालन राजस्व में 16व की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 340.9 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 395.76 करोड़ रुपये हो गई।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ में विंटर स्कूल 2024 का समापन

लखनऊ। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ में आयोजित एक्सपेंडिंग रिसर्च होराइजन्स पर पांच दिवसीय विंटर स्कूल का आज समापन हुआ। इस वर्ष विंटर स्कूल में अकादमिक लेखन और प्रकाशित होना, निगमनात्मक (डिडिक्टव), आगमनात्मक (इंडिक्टव) और अपवर्तनीय तर्क द्वारा सिद्धांत तैयार करना, हार्वर्ड केस लिखना, डिजिटल युग में गुणात्मक शोध क्वालिटेटिव रिसर्च और शोध में एआई का उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। विंटर स्कूल का उद्घाटन 9 दिसंबर को हुआ, जहाँ जयपुरिया, लखनऊ के डीन रिसर्च डॉ. अनुभव मिश्रा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. नृपेंद्र राणा, प्रोफेसर, डीनस बिजनेस स्कूल, बेलफास्ट, यूके थे।

विंटर स्कूल ने सभी शोध विद्वानों और शिक्षाविदों के लिए शिक्षण और शोध विधियों का एक अनूठा और मौलिक अवलोकन प्रस्तुत किया। पांच दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य

डॉक्टरेट विद्वानों के साथ-साथ शिक्षाविदों के शिक्षण शिक्षाशास्त्र और



शोध विधियों की बेहतर समझ रखने और अपने शोध में मदद करने के लिए एन सांफ्रैक्वेयर और मॉडल के बारे में जानने के लिए एक मंच प्रदान करना था। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम बेहतर शोध लेख तैयार करने और उन्हें शीर्ष पत्रिकाओं में प्रकाशित करने पर केंद्रित था, जिससे प्रतिभागियों को शोध पत्र प्रकाशन और थीसिस लेखन के लिए फायदेमंद शोध कौशल विकसित करने में मदद मिली। विंटर स्कूल 2024 के प्रमुख आकर्षण में विंटर स्कूल, डॉक्टरेट संगोष्ठी (कोलोक्वियम), छात्र प्रतियोगिता, पेपर डेवलपमेंट

वर्कशॉप, 3-मिनट थीसिस पिच आदि सहित कई कार्यक्रम शामिल थे।

इस सहयोगी मंच ने नेटवर्किंग को प्रोत्साहित किया, प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाया और शिक्षा और अनुसंधान के भविष्य को आकार दिया। विंटर स्कूल 2024 के प्रमुख वक्ताओं में डॉ. नृपेंद्र राणा, प्रोफेसर, डीनस बिजनेस स्कूल, बेलफास्ट, यूके; सुश्री चैतली शर्मा, के-12 और अन्य बिन्नी-दक्षिण एशिया, टर्निटोन एपीएस; डॉ. आश्लोक दौक्षित, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ; डॉ. सुजीत शर्मा, प्रोफेसर, आईआईएम नागपुर; डॉ. शैलेश पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, जयपुरिमेंट

अवधानामा

टाटा मोटर्स ने बॉमाकॉनएक्सपो 2024 में अपनी नई तकनीक का प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी कर्मशिल्प ल्हीकल निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने बॉमाकॉनएक्सपो 2024 कई उन्नत प्रॉडक्ट्स का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में टाटा मोटर्स ने सीपीसीबी IV+ कॉम्प्लायंट टाटा मोटर्स जेनसेट्स का प्रदर्शन किया, जो 25 केवीए से लेकर 125 केवीए तक की पावर रेंज में उपलब्ध हैं। इसके अलावा सीईवी बीएस V उत्सर्जन कॉम्प्लायंट इंस्ट्रियल इंजन भी पेश किए गए, जो 55 से 138 हॉर्सपावर तक के पावर नोड्स में आते हैं। कंपनी ने प्रदर्शनी में लाइव एक्ससल्स, ट्रेलर एक्ससल्स और दूसरे कलपुर्जों का भी प्रदर्शन किया। ये सोल्यूशंस तरह-तरह की इंडस्ट्रीज में मटीरियल हैंडलिंग, निर्माण उपकरण, इंडस्ट्रीज और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इन प्रॉडक्ट्स को काम करने में बेहतरीन दक्षता और सालों साल चलते रहने के लिहाज से बनाया गया है।

बॉमाकॉनएक्सपो 2024 में पेश किए गए टाटा मोटर्स के प्रॉडक्ट्स

टाटामोटर्स जेनसेट्स- सीपीसीबी IV+ कॉम्प्लायंट है। इन जेनरेटर्स की कार्यक्षमता और स्थिति को दूर से ट्रैक किया जा सकता है। इन जेनरेटर की पावर रेंज 25 केवीए से 125 केवीए की रेंज तक है।

श्रृंखला
“ प्रदर्शनी में विभिन्न उद्योगों के लिए नये जमाने के जेनसेट्स, इंडस्ट्रियल इंजन और एक्ससल्स की बड़ी श्रृंखला को दिखाया गया

इंडस्ट्रियल इंजन-इंजन सीईवी बीएस V उत्सर्जन मानकों के अनुरूप है। ये 55 से 138 हॉर्सपावर की पावर नोड में उपलब्ध है।

लाइव एक्सेल्स- ये लाइव एक्ससल्स उच्च भार वाली निर्माण मशीनरी के लिए बनाए गए हैं। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये मुश्किल हालात में भी शानदार

प्रदर्शन कर सकें।

ट्रेलर एक्सेल्स एंड कंपोनेंट्स- ये ट्रेलर उच्च भार वाले कर्मशियल वाहनों के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसमें 16 एमएम की मोटी एक्सल मीन दी गई है।



टाटा मोटर्स कर्मशियल ल्हीकल्स में स्पेयर्स और नॉन-व्हीक्युलर बिजनेस के हेड श्री विक्रम अग्रवाल ने बॉमाकॉनएक्सपो 2024 में टाटा मोटर्स के पब्लिलियन का उद्घाटन किया। श्री विक्रम अग्रवाल ने कहा, +बॉमाकॉन एक्सपोएक बेहतरीन

प्लेटफॉर्म है, जहां पर टाटा मोटर्स ने अपने नए-नए तकनीकी उपकरणों और सोल्यूशंस को मजबूत और भरोसेमंद तकनीक की तलाश करने वाले ग्राहकों के लिए पेश किया है। कंपनी के नए प्रॉडक्ट्स ग्राहकों की

जरूरतों और फोडबैक पर आधारित हैं जिन्हें उपभोक्ताओं से बड़े पैमाने पर प्राप्त फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया है। कंपनी देश के लोगों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने प्रॉडक्ट्स और सर्विसेज का दायरा बढ़ा रही है। इसके

तहत जेनसेट के माध्यम से पावर सोल्यूशंस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सीईवी बीएस डू उत्सर्जन मानकों पर खरे उतरने वाले इंडस्ट्रियल इंजन और लाइव एक्सेल्स के साथ इफ़ास्ट्रक्चर को मजबूत बनाया जा रहा है। कंपनी ट्रेलर एक्सल और कंपोनेंट्स का निर्माण कर लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को भी मजबूत बना रही है।

टाटा मोटर्स के विभिन्न प्रॉडक्ट्स लंबे समय तक चलने की क्षमता, बेहतरीन कार्यक्षमताऔर शानदार परफॉर्मेंस के देने के लिए प्रसिद्ध हैं। टाटा मोटर्स के ये प्रॉडक्ट्स बड़े पैमाने पर रिसर्च के बाद विकसित किए गए हैं। इनका उत्पादन आधुनिक प्लांट्स में किया गया है। देश भर में 2500 से अधिक अधिकृत सर्विसेस आउटलेट्स से ग्राहकों को गाड़ियों की सर्विसिंग और मरम्मत आसानी से उपलब्ध कराई जाती है। कंपनी उद्योग की सख्यविशेषताओं को पूरा करने वाले अभिनव एवं उच्च प्रदर्शन वाले प्रोडक्ट्स प्रदान करके भारत में इफ़ास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

फिच ने भारत के 2024-25 के जीडीपी पूर्वानुमान को संशोधित कर 6.4% किया

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने 2024-25 के लिए भारत के जीडीपी पूर्वानुमान को संशोधित कर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 7.0 प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी की ओर से यह नीचे की ओर संशोधन रिजर्व बैंक की अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति में विकास पूर्वानुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत करने के तुरंत बाद किया गया। फिच ने अनुमान लगाया है कि भारत के जीडीपी में 2024-25 वित्तीय वर्ष में 6.4 प्रतिशत और 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की गति से धीमी होगी।

हालांकि, फिच ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि वैश्विक समकक्षों की तुलना में मजबूत बनी हुई है। फिच के अनुसार, +भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के झटके से मजबूती से उबरी है। हालांकि संकेतक हाल के महीनों में अधिक मिश्रित तस्वीर की ओर

इशारा करते हैं, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह नरमी आर्थिक गतिविधि में लंबे समय तक मंदी का कारण बनेगी। फिच को उम्मीद है कि अमेरिका और चीन के बीच संभावित व्यापार युद्ध और वैश्विक व्यापार मंदी के बीच घरेलू मांग आर्थिक विकास को गति देने जारी रहेगी। फिच को उम्मीद है कि सरकार की ओर से राजकोषीय समेकन के प्रयासों के बावजूद बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और व्यापार करने में आसानी जैसे प्रमुख विकास चालक क्षेत्रों में नीति निरंतरता रहेगी। सार्वजनिक बुनियादी ढांचा पूंजीगत व्यय अर्थव्यवस्था और सीधे तौर पर इस क्षेत्र से जुड़ी या इससे जुड़ी परिसंपत्तियों के लिए सहायक बना रहेगा।

फिच ने कहा कि हाल के वर्षों में बैंक और कॉर्पोरेट बेलेंस शीट की बेहतर सेहत से सकारात्मक निवेश चक्र और तेज पूंजीगत खर्च का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए।

ई-कमर्स मार्केटप्लेस मीथो ने 2024 में की जबरदस्त वृद्धि

भारत के एकमात्र टू ई-कमर्स मार्केटप्लेस, मीथो ने 2024 में जबरदस्त वृद्धि की है। इसने सभी तक इंटरनेट कमर्स पहुंचाते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अपने प्लेटफर्म पर मिलने वाले अर्डर में साल-दर-साल 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मीथो ग्राहकों की पसंद से जुड़ा हुआ है, और देश में तेजी से ई-कमर्स का विस्तार कर रहा है। इसकी वृद्धि भारत में क्फायती शॉपिंग पसंद करने वाले ग्राहकों के कारण है, जो फैशन, ब्यूटी, पर्सनल केयर और होम एसेंशियल्स में सस्ते और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदना चाहते हैं। देश के विभिन्न इलाकों और आबादियों के बीच उपभोक्ताओं के लगातार बदलते व्यवहार के साथ ई-कमर्स का भी विस्तार हो रहा है, तथा ग्राहक सस्ते दामों में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदारी करने की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

बाजार में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों बनने के बाद भी मीथो के विकास की दर जारी रही और 2024 में इस पर लगभग 175 मिलियन सालाना यूजर्स ने खरीदारी की। मीथो के 50

प्रतिशत ग्राहक टियर 4 शहरों, जैसे नईदुपेटा (आंध्र प्रदेश), शेरघाटी (बिहार), और हरपनहल्ली (कर्नाटक) से हैं। साथ ही मीथो लगातार चौथे साल सबसे ज्यादा डाउनलोड होने वाला शॉपिंग ऐप बन गया, जिसे 210 मिलियन से ज्यादा बार डाउनलोड किया गया।

यह वृद्धि मीथो की वित्तीय परफॉर्मेंस भी प्रदर्शित करती है। वित्तवर्ष 2023-24 में कंपनी पहली होरिज़ंटल ई-कमर्स प्लेटफॉर्म बनी, जिसने पूरे साल के लिए 232 करोड़ रुपये का अपरेटिंग केश फ्लो बनाकर रखा। इस अवधि में अपरेशंस से मिलने वाला राजस्व 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 7,615 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। यह वृद्धि मुख्यतः खरीदारी करने वाले साला ग्राहकों और दोबारा आकर खरीदारी करने वाले ग्राहकों द्वारा ज्यादा अर्डर दिए जाने के कारण हुई। अपने मौजूदा ग्राहकों को जोड़े रखते हुए नए ग्राहकों को आकर्षित करने की कंपनी की क्षमता ने भारत के प्रतिस्पर्धी ई-कमर्स बाजार में मीथो की निरंतर वृद्धि को

बल दिया। 2024 में मीथो की वृद्धि में मदद करने वाली मुख्य झलकियाँ हैं- छोटे शहरों में बढ़ता उपभोग डिजिटल मांग में वृद्धि कर रहा है लद्दाख, उत्तर प्रदेश, और बिहार ई-कमर्स यूजर्स की वृद्धि में अग्रणी रहे। इससे टियर 2. बाजारों की विशाल क्षमता प्रदर्शित होती है। यह ट्रेंड भारत में उपभोक्ता व्यवहार में बड़ा परिवर्तन प्रदर्शित करता है। सस्ते मूल्य में उच्च गुणवत्ता के उत्पादों की मांग बढ़ रही है, जिससे ईकमर्स के परिसर में परिवर्तन आ रहा है, और छोटे शहरों में उपभोग बढ़ रहा है।

ब्यूटी एवं पर्सनल केयर (बीपीसी), और होम एवं किचन (एचएंडके) श्रेणियों में अर्डर 70 प्रतिशत साल-दर-साल बढ़े, जिससे इन श्रेणियों की मजबूत मांग प्रदर्शित होती है। मीथो मल में भी ऐसे ही रुझान देखने को मिले। यहाँ अर्डर 117 प्रतिशत बढ़े, जिससे अतुलनीय मूल्य में बाँडेड उत्पादों के लिए पसंदीदा प्लेटफर्म के रूप में इसकी स्थिति मजबूत होती है।

2024 का समापन

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर; डॉ. सुभादीप रॉय, प्रोफेसर, आईआईएम अमरदाबाद; डॉ. वर्षा जैन, चेयर प्रोफेसर- एमआईसीए, अहमदाबाद; सुश्री संगीता मेनन, एमएलड पब्लिशिंग में प्रकाशन संबंध प्रबंधक; डॉ. शिव कक्कड़, उपाध्यक्ष, एआई इनिशिएटिव्स, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट; डॉ. सुधीर राणा, एसोसिएट प्रोफेसर, गल्फ मेडिकल यूनिवर्सिटी, यूएई शामिल थे। विंटर स्कूल में अकादमिक लेखन और प्रकाशित होना, डेस्क अस्वीकृति से बचना और शोध में नैतिकता को बनाए रखना, आर का उपयोग करके वित्त के लिए अर्थमिति, डिडिक्टव, इंडिक्टव और एक्डिक्टव रीजनिंग द्वारा सिद्धांत उत्पन्न करना, हार्वर्ड केस लिखना-एक विशेषज्ञ से अंतर्दृष्टि, प्रकाशनों के जीवन-चक्र का प्रबंधन, डिजिटल युग में गुणात्मक शोध, एआई के साथ अकादमिक और अनुसंधान अवर्द्धता, शोध में एआई का उपयोग, पेपर डेवलपमेंट वर्कशॉप (पीडीडब्ल्यू), प्रस्तुतियाँ आदि पर विभिन्न अत्यधिक जानकारीपूर्ण सत्र और कार्यशालाएँ शामिल थीं।

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

लखनऊ। धूमधाम से मनाया गया हार्नर कालेज के प्रे प्राइमरी एवं प्राइमरी वर्ग का वार्षिकोत्सव को लखनऊ के महानगर विस्तार स्थित हार्नर कालेज के सभागार 'एट्रियम' में प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी वर्ग के बच्चों का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अर्चना पाण्डेय, निदेशक सेन्ट गैब्रियल कान्वेंट स्कूल, एवं डॉ0 माला मेहरा, प्रधानाचार्या, हॉनर कॉलेज द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कॉलेज की गायन मण्डली द्वारा सुन्दर गीत 'वी आर ग्लैड यू आर हेयर' गाकर सभी का स्वागत किया तथा वासुदेव कुटुम्बकम (सर्वधर्म प्रार्थना) से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके पश्चात कालेज की प्रधानाचार्या डॉ0 माला मेहरा द्वारा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। इसके बाद प्री-प्राइमरी के बच्चों के द्वारा 'सेटिंग द पेस' योग अभ्यास की सराहना की गई उनके उज्ज्वल

बच्चों ने जंगल बुक पर आधारित नाटक की मनमोहक प्रस्तुति दी फिर

भविष्य की कामना करते हुए उन्हे ढेर सारा अशीर्वाद दिया ।



कॉलेज की गायन मण्डली द्वारा सुन्दर गीत 'स्टैंट योर डे' प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात प्री-प्राइमरी के बच्चों द्वारा वन्द्यखलेपन की रसै करते हुए 'फलाइड आफ फेटेसी नामक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महोदया श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए उनके द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना की एवं उनके उज्ज्वल

इस अवसर पर बच्चों एवं उनकी माताओं द्वारा कथक एवं भरतनाट्यम के विलय की शानदार प्रस्तुति 'ताल तरंग' ने दर्शकों का मन मोहा तो वहीं दुसरी तरफ बच्चों द्वारा मोबाइल फोन एडिक्शन पर आधारित नृत्य नाटिका द्वारा विशेष संदेश दिया कॉलेज की गायन मण्डली द्वारा सुन्दर गीत- 'आई एम इन द लार्डस आर्मी' म पोंडकास्ट- वापस आफ टुमारो

कार्यक्रम से समा बॉध दिया। फिर बच्चों एवं उनके पिता द्वारा तैयार प्रस्तुत कार्यक्रम 'बान्ड आफ लव' ने अपने शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को भावुक कर दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा म्यूजिकल परफार्मेंस 'सिमफनी', लखनऊ की तहजीब पर आधारित फैशन शो, ड्रीमस सोर हाई' पर नृत्य प्रस्तुति जैसे मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तो वहीं लाइक्रोंडे प्रदर्शन जैसे दमदार कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की तालियाँ बरसती।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सीएमएस गोमती नगर की वरिष्ठ प्रधानाचार्या मंजीत बत्रा द्वारा बच्चों द्वारा प्रस्तुत सभी कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उन्हें अशीर्वाद प्रदान किया।

अंत में ग्रेड फिनाले कार्यक्रम के द्वारा समारोह का भव्य समापन के साथ प्रधानाचार्या डा माला मेहरा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सोनभद्र, हमीरपुर, बांदा, इटावा

अवधनामा

यूपीयएमएस में एनटीईपी कोर कमेटी की बैठक संपन्न

○ बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) पी.के.जैन ने की

वहाज अली निहाल

सैफई, इटावा। टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश आर्युविज्ञान विश्वविद्यालय सैफई में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) पी.के.जैन ने की। बैठक में संकायाध्यक्ष चिकित्सा व एनटीईपी के वाइस चेयरमैन रैस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो.(डा)आदेश कुमार ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से बताया। बैठक में विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो(डा.) रमाकान्त यादव, कुलसचिव प्रो(डा.) चंद्रवीर सिंह, चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा.)एसपी सिंह, माइक्रोबायर्लॉजी विभाग के



डा.अमित सिंह, शिशु एवं बाल रोग विभाग के डा.दिनेश कुमार, यूपीएसटीएफ एनटीईपी अध्यक्ष प्रो. (डा.)गजेन्द्र सिंह, जिला क्षय रोग अधिकारी डा.शिवचरण हैब्रम तथा आयोजन टीम के सदस्य डा.आशीष कुमार, डा.आदित्य कुमार, डा.प्रशांत यादव, डॉ नम्रता के अलावा एनटीईपी कोर कमेटी के अन्य सदस्य तथा सभी विभागों के फैकेल्टी मेम्बर, रजिडेंट, एनटीईपी सलाहकार मौजूद रहे। बैठक में बोलाते हुए विश्वविद्यालय

के कुलपति प्रो. (डा.) पी.के.जैन ने कहा कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) का मुख्य उद्देश्य टीबी को देश से पूरी तरह खत्म करना है। इसके व्यापक क्रियान्वयन के लिए जरूरी है कि सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो। संकायाध्यक्ष चिकित्सा व एनटीईपी के वाइस चेयरमैन रैस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) आदेश कुमार ने बताया कि 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत अभियान में तेजी

लायी जा रही है। इसके लिए सभी जरूरी चीजे की जा रही हैं। उम्मीद है जल्दी देश पूरी तरह टीबी मुक्त हो जायेगा। विश्वविद्यालय का रैस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग इसके लिए नियमित रूप से आस-पास के गाँवों तथा जनपदों में समाजसेवी संस्थानों तथा ग्रामपंचायतों की मदद से भी इस पर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा यूपी एसटीएफ एनटीईपी के अध्यक्ष प्रो.(डा.)गजेन्द्र सिंह ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के बेहतर प्रबन्धन एवं निदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि टीबी को अतिशोघ्न देश से पूरी तरह खत्म किया जाये। कार्यक्रम में शिशु एवं बाल रोग विभाग के डा0 दिनेश कुमार ने 'बाल रोग चिकित्सा व क्षय रोग' पर विस्तार से बताया वहीं माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. (डा.) अमित सिंह ने क्षय रोग के निदान में चिकित्सकीय जाँचें जिसमें 'प्रयोगशाला निदान' पर विस्तार से प्रकाश डाला।

हार्ट अटैक से प्रेमी की मौत, खबर सुनते ही प्रेमिका ने छोड़ी दुनिया

सुमेरपुर हमीरपुर। प्रेमी की मौत की खबर पाकर प्रेमिका ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आनन फानन में उसे फंदे से उतर कर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। कस्बे के बसंत नगर निवासी पंकज यादव (25) पुत्र मानसिंह को 11 दिसंबर को हार्टअटैक पड़ा था। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान बृहस्पतिवार की रात मौत हो गई। जिसका शव शुक्रवार को तड़के कस्बे में लाया गया। जैसे यह सूचना उसकी प्रेमिका आशी (22) उर्फ रोहणी को पता चला तो उसने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आशी को फंदे पर लटकता देखकर परिजनों ने उसे उतारकर अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

किसान भाई ट्रैक्टर-ट्रालियों में अनिवार्य रूप से रिफ्लेक्टिव टैप लगाये

सड़क सुरक्षा

अवधनामा ब्यूरो



नुमाइश आदि में ट्रालियों में सवारियां भरकर न ले जाये तथा यदि पुलिस प्रशासन का कोई अधिकारी/कर्मचारी इस प्रकार की सवारियों ढोने के लिये मना करें तो उसका सहयोग करें, उसका विरोध न करें, ओवरस्पीड में ट्रैक्टर न चलाये, ट्रालियों में ओवरलोड भार न लादे, कृषि कार्य हेतु पंजीकृत ट्रालियों का प्रयोग केवल कृषि कार्य हेतु ही करें, इनमें किसी भी प्रकार की सवारी, यात्री, व्यक्ति, बच्चे न बैठये। इस आयोजन में जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक यातायात, क्षेत्राधिकारी यातायात,

उपनिरीक्षक यातायात एवं उनके स्टॉफ के साथ-साथ प्रदीप कुमार देशमणि, सहायक परिवहन अधिकारी (प्रशासन), वीरेंद्र नाथ राजभर, यात्रीकर, मालकर अधिकारी, सचिव मण्डी, रियाज अहमद मण्डी इस्पेक्टर, प्रदीप त्रिपाठी मण्डी इस्पेक्टर एवं परिवहन विभाग का समस्त स्टॉफ भागीदार रहा। इस आयोजन में लगभग 150 ट्रैक्टर-ट्रालियों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर किसानों भाईयों के साथ-साथ ट्रैक्टर चालाक एवं ट्रैक्टर स्वामियों को सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत जागरूक किया गया।

विश्व बाघ दिवस: छात्र-छात्राओं को इटावा सफारी पार्क का भ्रमण कराया

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। इटावा सफारी पार्क में विश्व बाघ दिवस से ग्रामीण पृष्ठ भूमि के परिधदीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को वन्य जीवों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से अनुभूति कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। इसके अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को बच्चों को सफारी का नि:शुल्क भ्रमण अनवरत रूप से कराया जा रहा है। इस मौके पर भरथना ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय काँपेसी पचार के छात्र-छात्राओं को सफारी का भ्रमण कराया गया। इसके अतिरिक्त जनपद आगरा के रुनकता में स्थित महाकवि सूरदास नेत्रहीन विद्यालय सूरकुटी से दृष्टि बाधित 40 दिव्यांगजनों को भी इटावा सफारी पार्क का भ्रमण कराया गया। ब्रेल लिपि पर आधारित वन्य जीवो से संबंधित ब्रेल गैलरी का शुभारंभ इन दृष्टि बाधित दिव्यांगजनों द्वारा किया गया। सभी छात्राओ द्वारा ब्रेल लिपि



में अंकित वन्यजीवों से सम्बन्धित रोचक जानकारी प्राप्त की गई तथा सफारी भ्रमण के बाद प्रसन्नता व्यक्त की गई। पर्यटकों को सफारी पार्क के बारे में जानकारी देने हेतु बनायी गई ऑडियो गाइड के माध्यम से इन सभी बच्चों को जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर सफारी पार्क के निदेशक डा.अनिल कुमार पटेल द्वारा वन्यजीवों तथा सफारी पार्क के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की गई। इसके अतिरिक्त पशुपालन विभाग के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डा.आर.के.सिंह द्वारा वन्यजीवों के रेस्क्यू के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया गया। इस मौके पर सफारी पार्क के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

11 वीं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। ग्यारहवीं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक डा. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम सभागार हमीरपुर में जिलाधिकारी धनराश मीणा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें जिलाधिकारी द्वारा निम्नलिखित निर्देश दिए गये है।

एन.एच.0-34 (कानपुर सागर हाइवे) से लगे सभी आबादी भाग मे गाड़ियो की स्पीड कम से कम 20 किमी. / घण्टा तथा खदान मार्गों में 34-50 किमी./घण्टा स्पीड के निर्देश दिये गये है। सभी गाड़ियो के पीछे रेडियम टेप लगावाया जाए। पुल के ऊपर ओवर लोडेड 16 चक्का व 22 चक्का ट्रको मे 40 टन के भार से ज्यादा जितनी भी गाड़िया निकलती है, उनमें रोक लगायी जाए साथ ही सभी टांस्पोर्टर को गोटिस जारी किया जाए। किसी भी गाड़ियों का पीछन न किया जाए फिक्स स्थान पर गाड़ियो को चेक किया जाए। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) हमीरपुर द्वारा अवगत कराया गया कि पिछले एक माह के अन्दर रू. 90.00 लाख तथा साथ



ही खड़ी गड़ियों की रू0 74.00 लाख की पेनाल्टी लगायी गई है। हमीरपुर राठ मार्ग (राज्य मार्ग सं.-42) व अन्य महत्वपूर्ण मार्गों पर गवशों को सड़क पर बैठने से रोकने हेतु सम्बंधित थानों साथ सायंकाल पेट्रोलिंग की जाए। गाड़ी चेकिंग करने वाली सम्बन्धित टीम के पास कैमरा उपलब्ध कराया जाए साथ ही चालान करने के समय कैमरा साथ लेकर जाए। मौहदा बसवारी मार्ग तथा जलालपुर ममना मार्ग में झाड़ियां कटवायी जाए। किसी एक स्थान पर कैमरा लगाये जाए जिससे वाहनों की स्पीड मे रोक लगायी जा सके। शहरी क्षेत्र के नो इन्ट्री के बाद किसी भी बड़ी गड़ियों की स्पीड 20 किमी./ घण्टा से ज्यादा होने पर रोक लगायी जाए तथा शहरी क्षेत्र पी.डब्ल्यू. डी. कैम्पस, जिला अस्पताल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं जिलाधिकारी कार्यालय के सामने रबल स्ट्रिप बनाये जाए। लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुये दिनांक

21.12.2024 से 22.12.2024 तक सभी प्रकार की गाड़ियों को बन्द कराया जाए साथ ही परीक्षा के समय अधिक स्पीड की गाड़ियो पर रोक लगायी जाए। एन.एच.-34 (कानपुर सागर हाइवे) सुमेरपुर से मौदहा के आगे तक रोड मार्किंग करायी जाए तथा हेलेमट लगाने हेतु लोगो को जागरूक किया जाये व दो पहिया सागर हाइवे से मौदहा के बगैरे वाले वाहनों का चालान किया जाए। इस बैठक में विजय शंकर तिवारी अपर जिलाधिकारी (वि./रा./) सुरेश कुमार अपर जिलाधिकारी/एम.एल.वर्मा, अधिशाषी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, हमीरपुर/ रांसेश कुमार सी.ओ. सदर/ डी.एन. प्रसाद, अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, हमीरपुर/ विनोद कुमार यादव सहायक अभियन्ता /चन्दन पाण्डेय, यात्री एवं मालकर अधिकारी, हमीरपुर / रामप्रताप साहू सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक आदि अधिकारी मौजूद रहे।

एसबीए चुनाव: सभी पर्वे वैध, किसी प्रत्याशी ने नहीं लिया पर्वा वापस

अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष व सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे पद पर होगा मुकाबला

- 6 सदस्यों समेत 13 पदाधिकारी हो जाणगे निर्विरोध
- 16 दिसंबर को 18 प्रत्याशियों को वितरित की जाएगी मतदाता सूची
- 17 दिसंबर को होगी टेंडर वॉटिंग
- 20 दिसंबर को मतदान व 21 दिसंबर को होगी मतगणना
- प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ वक़ील मतदाताओं से किया संपर्क, चुनावी सरगमी हुई तेज



पदों अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष व सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे पद पर मुकाबला होगा जिसके लिए कुल 18 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। 16 दिसंबर को मतदाता सूची प्रत्याशियों को वितरित की जाएगी, जबकि 17 दिसंबर को टेंडर वोटिंग होगी। 20 दिसंबर को मतदान व 21 दिसंबर को मतगणना होगी।उधर प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क किया। जिसकी वजह से चुनावी सरगमी तेज हो गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी शशि कुमार मिश्र ने बताया कि 23 पदों के लिए कुल 31 लोगों ने पचां दाखिल किया था। जांच में सभी पचां वैध पाए गए, किसी भी प्रत्याशी ने पचां वापस नहीं लिया। जिसकी वजह से 31 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी

अरुण कुमार मिश्र, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव व ओम प्रकाश पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी गोविंद प्रसाद मिश्र व शारदा प्रसाद मोर्या, महामंत्री पद के लिए तीन प्रत्याशी अखिलेश कुमार पांडेय,अरुण कुमार सिंघल व योगेश कुमार द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी आशीष कुमार मिश्र उर्फ मंटू, वंशीधर पांडेय व वीरेंद्र कुमार सिंह, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के लिए दो प्रत्याशी प्रदीप देव पांडेय व संजय कुमार पांडेय तथा उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे के लिए दो प्रत्याशी अखिलेश कुमार मिश्र व आशुतोष कुमार दुबे, संयुक्त मंत्री प्रशासन अजय प्रकाश मिश्र, संयुक्त मंत्री प्रकाशन शरद चन्द्र गुप्ता व संयुक्त मंत्री पुस्तकालय सूरज वर्मा के साथ ही सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से ऊपर के लिए 6 प्रत्याशी अशोक कुमार मिश्र, पुष्पा तिग्गा, प्रदीप पांडेय,

सुनील कुमार, सुशील कुमार चौबे व सेराज अख्तर खां एवं सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे के लिए 7 प्रत्याशी अविनाश रंजन त्रिपाठी, आशीष कुमार पाल, कचन, प्रमोद कुमार सिंह, रमाशंकर चौधरी, राहुल जैन व श्याम किशोर मिश्र शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी प्रत्याशी ने अपना पचां वापस नहीं लिया। अब कुल 31 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जिसमें से 6 सदस्यों समेत उपाध्यक्ष चार पद तथा संयुक्त मंत्री तीन पद कुल 13 पदाधिकारी निर्विरोध चुन लिए जाएंगे। पांच पदों के लिए 18 प्रत्याशियों अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष व सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे के बीच मुकाबला होगा। वहीं 16 दिसंबर को प्रत्याशियों को मतदाता सूची का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा 17 दिसंबर को टेंडर वोटिंग होगी। 20 दिसंबर को मतदान तथा 21 दिसंबर को मतगणना होगी। उधर प्रत्याशियों द्वारा समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क किया गया। जिसकी वजह से चुनावी सरगमी तेज हो गई है।

एनटीपीसी सिंगरोली बिजनेस एक्सेलेन्स अवार्ड्स 2023-24 सीएसआर-सीडी के लिए जीता स्वर्ण पुरस्कार

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरोली परियोजना को बीते 12 दिसम्बर 2024 को कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के कम्प्यूनिटी डेवलपमेंट श्रेणी (सीएसआर-सीडी) में स्वर्ण पुरस्कार से नवाजा गया है। यह प्रतिष्ठित अवार्ड एनटीपीसी सिंगरोली के समाजिक जिम्मेदारी के प्रति सजग रूप से परियोजना के आस पास के स्थानीय समुदायों के जीवनशैली पर सकारात्मक रूप से प्रभाव डालने की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना करता है। इस अवसर पर एनटीपीसी सिंगरोली के अपर महाप्रबंधक, मानव संसाधन, सिद्धार्थ मंडल ने कहा की, -हमें समुदाय विकास के क्षेत्र में इस अवार्ड को प्राप्त करके

अत्यंत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। यह उपलब्धि हमारी टीम, साझेदारों और समुदाय के लोगों की साझी मेहनत का प्रमाण है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के तौर पर हमारा यह मानना है कि हम जहां भी काम करें, वहां के लोगों की भलाई और उनके विकास में योगदान देना हमारा कर्तव्य है। हम इसे आगे भी इसी तरह जारी रखेंगे। ज्ञात हो की एनटीपीसी सिंगरोली द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सशक्तिकरण, 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाओं का जन-जन तक पहुंच, शिक्षा में छात्रवृत्ति, आर्थिक रूप से तन जनसमुदाय के आवासों के बुनियादी ढांचे में सुधार और अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से समुदायों की भलाई के लिए कई पहलुओं को विगत कई वर्षों से जारी रखा गया है।

रंगदारी की जांच दूसरे क्षेत्राधिकारी से कराने की मांग मौदहा हमीरपुर। बीते अक्टूबर माह में रंगदारी के रूप में बीस हजार रुपये मांगे और नहीं देने पर इकलौते बेटे का अपहरण करने की धमकी के मामले में पीड़िता ने क्षेत्राधिकारी की रिपोर्ट पर नाराजगी जताते हुए आलाधिकारियों को पत्र लिखकर दूसरे क्षेत्राधिकारी से जांच कराने की मांग की है। कस्बे के बड़ा चौराहा निवासी फरजाना बानो पत्नी फय्याज उद्दीन ने प्रमुख सचिव गृह को भेजे गए शिकायती पत्र में बताया कि उसने अक्टूबर में दबंग और अपराधी के विरुद्ध बीस हजार रुपये धमकी देकर दस हजार रुपये लिए थे जिसकी उसने शिकायत दर्ज कराई थी जिसकी जांच क्षेत्राधिकारी कर रहे थे लेकिन कार्यालय के कर्मचारियों ने आरोपी से मिलकर गलत रिपोर्ट लगावा दी है क्योंकि आरोपी का आपराधिक इतिहास रिपोर्ट से मेल नहीं खाता है इसलिए पीड़िता ने दूसरे क्षेत्राधिकारी से जांच कराने की गुहार लगाई है।

प्रधानों व शिक्षकों के सामंजस्य से होगा विद्यालय का विकास

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। ग्राम प्रधान /स्थानीय प्राधिकारी एवं प्रधानाध्यापकों का ब्लाक स्तरीय उम्मुखीकरण कार्यक्रम शुक्रवार को ब्लाक संसाधन धनं रौप राबर्ट्सगंज पर सकुशल संघन हुआ। ठुकार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सचिव विधायक भूपेश चौबे एवं विशिष्ट अतिथि जीत सिंह खरवार के कर कर्तव्यों मां सरस्वती की प्रतिमा पर मलयापन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया तत्पश्चात कॉपेजिट विद्यालय रौप राबर्ट्सगंज के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, कार्यक्रम में ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष सुरेश शुक्ला जी ने शिक्षकों के साथ ताल मेल बनाकर ग्राम प्रधानों को शिक्षण कार्य की गुणवत्ता, विद्यालयीय विकास व बच्चों को योजनाओं से लाभान्वित करने आदि को



लेकर मंथन किया। आपसी तालमेल को सबसे महत्वपूर्ण पहलु बताया गया। स्तत्र विद्या सागर ने डीबीटी, ऑपरेशन कायाकल्प के 19 पैरामीटर, एसएमसी के कार्य व दायित्व, आउट ऑफ स्कूल, बालिका शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेलकूद प्रतियोगिता, राष्ट्रीय अन्विकार अभियान आदि पर विस्तार से जानकारी दिए। ऋद्धेश कुमार सिंह ने निपुण भारत मिशन अंतर्गत संचालित समस्त गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा किया गया मुख्य अतिथि महोदय ने मिशन कायाकल्प के तहत करण एण् कार्यों पर

प्रकाश डाला और स्कूलों को उत्कृष्ट बनाने में ग्राम प्रधानों एवं शिक्षकों की सराहना की। ऋथ धनंजय कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया गया कार्यक्रम का संचालन आनंद प्रकाश त्रिपाठी एवं विजय प्रकाश द्विवेदी जी ने संयुक्त रूप से किया इस अवसर पर धमेंद्र कुमार उपाध्यय,वरुण त्रिपाठी,राजेश कुमार बुजबाला सिंह,मीना भारती ,अनुप तिवारी, शम्भु नारायण सिंह,अमर नाथ पटेल सहित समस्त शिक्षक एवं अभिभावकों की गरिमामई उपस्थिति रही।

साक्षिप्त समाचार महायज्ञ में आय सतों को बांटे कम्बल



सुमेरपुर हमीरपुर। तपोभूमि आश्रम में चल रहे गायत्री यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह में करीब 500 तपस्वी सन्त आए हुए हैं। कड़ाके की ठण्ड में भी ये सन्त खुले आसमान के नीचे धुनी रग्गा अपनी मस्ती में भजन जप करते रहते हैं। हर कोई इनके दर्शन और सेवा का लाभ ले रहा है। रविचार को भाजया नेता अमित कुमार सोनू ने अपने पिता द्वारिका प्रसाद के जन्मदिन के मौके पर इन सन्तों को कम्बल बांटकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मधु महाराज, द्वारिका प्रसाद, रावेन्द्र शिवहरे, रिजुवान हाशमी, विकास गुप्ता, लकी मिश्रा, लक्ष्य गुप्ता, कबीर कुमार, मिरय कुमार समेत तपोभूमि आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यपाल के आगमन के दृष्टिगत सेवाकुंज आश्रम कारीडाइ चपकी का निरीक्षण



सोनभद्र/अवधनामा ब्यूरो। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने आज राज्यपाल महोदय के आगमन के दृष्टिगत सेवाकुंज आश्रम कारीडाइ चपकी का निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहाकि हेलीपैड के निर्माण कार्य, सड़कों पर गढ़े आदि का मरम्मत कार्य कर लिया जाये एवं परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था भी बेहतर तरीके से सुनिश्चित कर ली जाये, इस दौरान जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्यपाल महोदया के आगमन के दृष्टिगत जिन अधिकारियों को जो भी जिम्मेदारी दी गयी है, ससमय सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

बल्ली पूजन के साथ श्री रामचरित मानस नवाह पाठ महायज्ञ के पंडाल कार्य प्रारंभ

सोनभद्र/अवधनामा ब्यूरो।

श्री रामचरित मानस नवाह पाठ महायज्ञ समिति की ओर से राबर्ट्सगंज नगर स्थित आरटीएस क्लब में 24 दिसंबर 2024 से होने वाले श्री राम चरित मानस नवाह पाठ महायज्ञ के लिए समिति के पदाधिकारियों द्वारा शुक्रवार को बल्ली का पूजन- अर्चन कर पंडाल बनने के कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान समिति के महामंत्री सुशील पाठक ने बताया कि महायज्ञ समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन के निर्देशन पर आगामी 24 दिसंबर 2024 से होने वाले 30वें श्री राम चरित मानस नवाह पाठ महायज्ञ के लिए बल्ली पूजा पांडल का विधिवत पूजन अर्चन कर शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी ही 111 भूदेव महायज्ञ में शामिल होंगे तथा ध्वनि विस्तारक यंत्र पूरे नगर में लगाए जाएंगे, ताकि मानस की चौपाइयों से समूचा शहर गुंजायमान रहे। बल्ली पूजन कार्यक्रम में सुशील पाठक, शिशु त्रिपाठी, किशोर केडिया, सुधाकर दुबे, राकेश गुप्ता, संजय जयसवाल, सुंदर केसरी सहित अन्य लोगों उपस्थित रहे।



जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को सौंपा महाकुंभ 2025 का आमंत्रण

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधित्व में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार एवं अल्पसंख्यक राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से शिष्टाचार भेंट करते हुए उन्हें प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ-2025 में आने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

अनिल कुमार ने उपराज्यपाल को अवगत कराया कि यह ऐतिहासिक आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक सम्पन्न होगा, जो न केवल आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पटल पर एक नए आयाम में प्रस्तुत करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य मानवता के उच्चतम आदर्शों, आध्यात्मिकता, और सांस्कृतिक



एकता को स्थापित करना है। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समारामों में से एक है। इसमें 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं, संतों, पर्यटकों और विविध समुदायों से जुड़े लोगों के भाग लेने की संभावना है। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द, समरसता, और एकजुटता के विचारों को बल प्रदान करता है। अनिल कुमार ने इस महाकुंभ की

विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह आयोजन अत्याधुनिक प्रबंधन और सतत विकास की अवधारणा पर आधारित होगा। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की हर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। पूरे क्षेत्र को डिजिटल मैपिंग से जोड़ा जाएगा, जिससे तीर्थयात्रियों को मार्गदर्शन और जानकारी प्राप्त करना सरल हो सके। 101 स्मार्ट पार्किंग स्थलों की स्थापना की जाएगी, जहां

तीर्थयात्री अपने वाहनों को आसानी से खड़ा कर सकेंगे। 182 विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 24म7 चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त, 400 किलोमीटर से अधिक नई सड़कों का निर्माण और कुंभ क्षेत्र में हर प्रमुख स्थान पर साफ-सफाई के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए आधुनिक निगरानी प्रणाली भी लागू की जाएगी। हर घर-दर-दर तक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि इस आयोजन को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल स्तर से तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। साथ ही शासनादेश में यह भी निर्देश दिये गये हैं कि नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापूर्तियां एवं पर्यावरणीय क्लीयरेंस सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाय।

तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, राजकीय तकमील-उत-तिब कॉलेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ में वैज्ञानिक लेखन, अनुसंधान सत्यनिष्ठा और प्रकाशन नैतिकता पर 10 दिसम्बर से 12 दिसम्बर, तक तीन दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ प्रो० अब्दुल कबी, प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक राजकीय तकमील उतिय कालेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ ने अवगत कराया कि कार्यशाला तीसरे दिन सुबह 09:30 बजे प्रारंभ होकर शाम 06:00 तक चली। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में स्नातकोत्तर छात्रों को शोध कार्य का शिक्षण देने वाले अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, आज इस प्रशिक्षण में राजकीय तिब्बी कालेज एवं चिकित्सालय,



पटना से डॉ० मो० तनवीर आलम ने एक लेक्चर "What makes a good discussion" एवं दूसरा लेक्चर "Preparing an abstract" के शीर्षक पर दिया राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज, प्रयागराज के प्राचार्य डॉ० वसीम अहमद ने एक लेक्चर "Reporting guidelines" एवं दूसरा लेक्चर "Writing review" के शीर्षक पर दिया तथा डॉ० मो० अलीमुद्दीन कमरी, प्रोफेसर

National Institute of Unani Medicine, Bengluru, Karnataka द्वारा "Overcoming language barrier" एवं दूसरा लेक्चर "Know the editorial process" के शीर्षक पर लेक्चर दिया इस प्रकार आज की इस कार्यशाला में कुल छः लेक्चर सम्पन्न हुए। आज के कुल 6 शेशन का संचालन डॉ० शमीम इरशाद एवं डॉ० अब्दुल मलिक द्वारा किया गया।

त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत शाहजहाँपुर हेतु 145.30 लाख रुपये मंजूर

लखनऊ।

प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत जनपद शाहजहाँपुर में सड़क निर्माण से संबंधित एक कार्य हेतु 145.30 लाख रुपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गई धनराशि जिलाधिकारी, शाहजहाँपुर के निवर्तन पर रखी गई है। इस संबंध में जारी शासनादेश की प्रति जिलाधिकारी, शाहजहाँपुर को प्रेषित कर दी गई है। शासनादेश के अनुसार मंजूर की गई धनराशि से शाहजहाँपुर के रेती रोड मनोहरपुर नाथ मंदिर के निकट पार्किंग/बहुउद्देशीय सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कार्य कराया जाएगा। शासनादेश में यह भी निर्देश दिए गए हैं कि इस योजना के लिए मंजूर की गई धनराशि ब्याज अर्जित करने के उद्देश्य से आहरित कर बैंक अथवा ढाकघर में नहीं रखी जाएगी। यह धनराशि आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जाएगी और उसी के अनुसार कार्यदायी संस्था को अवमुक्त की जायेगी।

मुमताज पीजी कॉलेज में त्याख्यान का आयोजन

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। मुमताज पी जी कॉलेज में बैरिस्टर मुमताज हुसैन व्याख्यान माला जिसके संरक्षक महाविद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट अतहर नबी व अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर नसीम अहमद खान हैं। बैरिस्टर मुमताज हुसैन व्याख्यानमाला के संयोजक डॉ० मोहम्मद इमरान खान व महाविद्यालय के फ़ारसी विभाग के अध्यक्ष डॉ ज़ेद एच अल्वी द्वारा संयुक्त रूप से यह व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय फ़ारसी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० उमर कमालुद्दीन काकोरवी साहब ने तर्कसंगत विश्लेषण करते हुए बताया कि अमीर ख़ुसरो की रचनाओं विशेषकर फ़ारसी रचनाओं में किस प्रकार से हिंदुस्तान की मिट्टी की सुगंध मौजूद है,उन्होंने अपनी रचनाओं में किस प्रकार से देश को एकता में पिरोए रखने की बात की है।

खाके वतन अजु मुल्के सुलेमान ख़ुर्रर ख़ारे वतन अजु सुम्बुलो रेहान ख़ुर्रर।



इस व्याख्यान की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट अतहर नबी साहब ने की तथा मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर उनको सम्मानित किया। महाविद्यालय के फ़ारसी विभागाध्यक्ष डॉ ज़ेद एच अल्वी ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। महाविद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट अतहर नबी साहब के मार्गदर्शन में प्राचार्य प्रोफेसर नसीम अहमद खान ने इस व्याख्यान को आयोजित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की एवं भविष्य में इस प्रकार के ज्ञानपूर्ण व्याख्यान आयोजित कराने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम

लघु सेतुओं के निर्माण कार्य हेतु 33 करोड़ स्वीकृत

लखनऊ।

उ०प्र० सरकार द्वारा राज्य योजना (सामान्य) के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों के कुल 19 नये लघु सेतुओं के निर्माण हेतु रू० 33 करोड़ 69 लाख 20 हजार की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु रू० 26 करोड़ 95 लाख 36 हजार की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है। इन 19 कार्यों में जनपद चन्दौली के 04, उन्नाव व मैनपुरी के 02-02, जौनपुर, सीतापुर, महाराजगंज, ललितपुर, कानपुर देहात, प्रयागराज, शाहजहाँपुर, सहारनपुर, गोरखपुर, बागपत तथा मेरठ के 01-01 कार्य सम्मिलित हैं। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उ०प्र० शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।

जारी शासनादेश में निर्देश दिये गये हैं कि कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। साथ ही शासनादेश में यह भी निर्देश दिये गये हैं कि नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापूर्तियां एवं पर्यावरणीय क्लीयरेंस सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाय।

स्वच्छता है सेवा, स्वच्छ वार्ड है संकल्प : अनुज झा

वार्डों के 11 हजार पार्षद/सभासदों ने एसवीपीएस के सदस्यों के साथ किया श्रमदान और दिया स्वच्छता का सन्देश

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। स्वच्छता है सेवा, स्वच्छ वार्ड है संकल्प' के साथ प्रदेश के 12 हजार से अधिक वार्डों में 'स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। जिसमें से लगभग 2200 वार्डों को 'स्वच्छ वार्ड' घोषित करते हुए उन्हें निकाय स्तर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। निदेशक नगरीय निकाय निदेशालय अनुज कुमार झा ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 07 दिवसीय 'स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता' का आयोजन प्रदेश स्तर पर किया गया। इस प्रतियोगिता में निकायों के वार्डों ने बहु-चढ़ कर प्रतिभाग किया। जिसमें जनप्रतिनिधियों और स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के लगभग 80 हजार सदस्यों के सहयोग से 06 प्रमुख इंडिकेटर्स में 1100 अंकों पर मूल्यांकन किया गया। जिसके उपरांत 700 से अधिक निकायों के लगभग 2200



प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में दिनांक 29 नवम्बर से 05 दिसम्बर के मध्य 'स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता' कराने निर्देश दिए गए थे। उक्त के क्रम में प्रत्येक निकाय अंतर्गत 03 वार्डों को 'स्वच्छ वार्ड' घोषित करने के लिए वार्डों में स्थापित स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के लगभग 80 हजार सदस्यों के सहयोग से 06 प्रमुख इंडिकेटर्स में 1100 अंकों पर मूल्यांकन किया गया। जिसके उपरांत 700 से अधिक निकायों के लगभग 2200

- 'स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता' में 12 हज़ार से अधिक वार्डों ने किया प्रतिभाग
- 80 हजार से अधिक एसवीपीएस के सदस्यों ने वार्डों में स्वच्छता और सुविधाओं का किया मूल्यांकन
- ढाई लाख से अधिक लोगों को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक
- 29 नवम्बर से 05 दिसम्बर के मध्य हुई स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता
- प्रत्येक निकायों के 03 'स्वच्छ वार्ड' को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित
- वार्डों की स्वच्छता के सारथी 'सफाई मित्रों' को भी निकाय स्तर पर सम्मानित किया गया

वार्डों को 'स्वच्छ वार्ड' घोषित करते हुए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 11 हजार सभासद/पार्षदों ने ढाई लाख से अधिक लोगों की जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए आमजनमानस में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का सन्देश देते हुए स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गयी।

छोटा इमामबाड़ा लखनऊ में मजलिस का आयोजन

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। यौमे मादरे हज़रत अब्बास अ.स के उन्वान से छोटा इमामबाड़ा लखनऊ में तीन रोज़ा मजलिस का आयोजन शब में 7.30 बजे किया गया है। यह मजलिसें अल वसी फाउंडेशन द्वारा आयोजित की जा रही हैं। पहली मजलिस को आली जनाब मौलाना हसनैन बाकरी साहब ने खिताब किया। मजलिस से पहले सोज़ख़ुवानी के फ़ायज़ जनाब नवाब अख़्तर रिजवी साहब व हमनबा ने अंजाम दिए। मौलाना ने अपने बयान में कहा कि हज़रत उमुल बनीन की जिंदगी दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी दलील है बहादुर, शुजाअत और अमल का बेहतरीन नमूना जिन्होंने घर में आने के बाद जब अब्बास जैसी एक औलाद की तरबीयत करके समाज के सामने पेश करके एक अमली पैगाम दिया कि अगर बेहतरीन अमल की खुद हासिल हो और दिनी उसूल की पाबंद हो तो समाज में बेहतरनी औलाद पेश करके समाज को बुराइयों से महफूज रख



सकती है और उसमें एक अहम खुसूसियत कि बच्चों के हवाले से उनको इल्म से मालामाल करना और उम्मुल बनीन ने जब अब्बास को निगाहों में रखते हुए बेहतरीन तरबीयत के जरिए से समाज में बेहतरीन औलाद को पेश किया। इसलिए आज हर मां को इस रास्ते पर चलने की ज़रूरत है जिसमें दो चीजें अहम हैं एक बच्चों को इल्म से आरास्ता करना और दूसरी चीज बच्चों को तहज़ीब सीखना और अगर हमारे बच्चे ऐसे बनेंगे तो मुल्क तरक्की करेगा और बुराइयों के खात्मा होगा। मजलिस के बाद जनाब शुजा अब्बास ने नौहाख़ुवानी की।

गाँव को सौर ऊर्जा से जगमग करेगी सूर्य सखी

अवधानामा ब्यूरो

गोरखपुर/लखनऊ। जनपद गोरखपुर के ब्लॉक - गगाहा के 30 समूह की महिलाओं को 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण न्यू पालकी लान गोरखनाथ में शुरू हुआ। ये प्रशिक्षण दिनांक 13 दिसंबर से 18 दिसंबर 2024 तक चलेगा। यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी गोविंद तिवारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूहों का संचालन किया जा रहा है दू यूपीएसआरएलएम के समूहों की सभी ग्राम पंचायतों में उपस्थिति एवं कार्यशीलता को ध्यान में रखकर उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा) द्वारा राज्य की सभी 57,702 ग्राम पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट, रूफ टॉप कि स्थापना, रख- रखाव करने का कार्य समूह सदस्यों के माध्यम से कराने हेतु रूचि दिखाई गई एवं उक्त कार्यों को कराने हेतु



यूपीएसआरएलएम से अनुबंध किया गया। यूपीनेडा द्वारा ग्राम पंचायतों में भविष्य में अन्य कार्य भी कराने की योजना है। उक्त कार्यों को करने हेतु दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को यूपीनेडा एवं यूपीएसआरएलएम के मध्य 3 वर्षों हेतु एक अनुबंध हस्तांतरित किया गया, उक्त अनुबंध के अनुसार यूपीनेडा के सौर ऊर्जा के कार्यों को समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा एवं सौर उर्जा का कार्य करने वाली समूह सदस्यों को सूर्य सखी का नाम

दिया गया है दू इन सूर्य सखियों को कार्य करने हेतु उत्पाद की कुल मूल्य के अनुसार कमीशन के रूप में दिया जाएगा दू उक्त अनुबंध के अनुसार आगामी 3 वर्षों में प्रदेश की सभी 57,702 ग्राम पंचायतों में सूर्य सखियाँ पदस्थ की जाएंगी, जिससे से 30,000 सूर्य सखियाँ यूपीनेडा द्वारा एवं 27,702 सूर्य सखियाँ यूपीएसआरएलएम द्वारा प्रशिक्षित की जाएंगी दूसूर्य सखी की न्यूनतम योग्यता हाई स्कूल तय किया गया है 7 सूर्य सखियों को तकनीकी कोशल,

उद्यमशीलता एवं व्यवसाय संचालन का 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, सूर्य सखियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने और विस्तार करने का कार्य करेंगी। सूर्य सखी ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के अपार अवसर पैदा करने की दिशा में एक कदम होंगी। सूर्य सखियाँ सौर उत्पादों की मरम्मत और विपणन में व्यापक रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे वे कुशल सौर तकनीशियन और उद्यमी बन सकेंगी। यह पहल जमीनी स्तर पर सूर्य सखियों का एक मजबूत नेटवर्क बनाने के लिए बनाई गई है। ये सशक्त महिलाएं प्रेरणा ओजस की व्यावसायिक क्षमता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस मौके पर प्रेरणा ओजस के सीईओ शैलेंद्र द्विवेदी एवं जनपद गोरखपुर से एनआरएलएम विभाग से जिला मिशन मैनेजर अभिषेक वर्मा, बीएमएम आशिर ,यूपीनेडा से अश्वत मिश्रा। नागेंद्र प्रताप आदि मौजूद थे।

अखिल भारतीय कैफी आजमी अकादमी की 106वीं जयंती पर सेमिनार आयोजित

लखनऊ।

अखिल भारतीय कैफी आजमी अकादमी की 106वीं जयंती पर सेमिनार आयोजित करने और उसकी तैयारी के लिए अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. खुशींद मेहदी की अध्यक्षता में अकादमी की कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। जिसमें सज्जद जहीर की पुस्तक रौशनाई, पर प्रगतिशील आंदोलन कल और आज की स्थिति, पर एक सेमिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जिसमें विशिष्ट अतिथि सज्जद जहीर की पुस्तक रौशनाई का हिन्दी में अनुवाद करने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जानकीप्रसाद शर्मा मौजूद रहेंगे। इस मौके पर जानकीप्रसाद अपनी राय पेश करेंगे। अकादमी के महासचिव सईद मेहदी ने बताया कि कार्यक्रम में कैफी साहब के व्यक्तिगत से जुड़े कार्यक्रम होंगे। जिसमें कैफी आजमी की इज्जत पेश की जायेंगी। कैफी साहब को उन त्योहारों पर चर्चा की जायेगी जिनको वह पसंद करते थे। इस दौरान युवाओं के लिए बैतबाजी प्रतियोगिता भी होगी।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024 का ग्रैंड फिनाले का समापन

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने इंटीग्रल स्टार्टअप फाउंडेशन के साथ साझेदारी में, नोडल सेंटर के रूप में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (SIH) 2024 - सॉफ्टवेयर संस्करण के ग्रैंड फिनाले के समापन समारोह की मेजबानी की। (एमआईसी) और एआईसीटीई के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम ने एक जीवंत वातावरण की पेशकश की, जहां युवा आगे बढ़ सकें, नवप्रवर्तन कर सकें और व्यावहारिक चुनौतियों के लिए नवीन समाधान विकसित कर सकें। कुलपति और सत्र के अध्यक्ष प्रो. जावेद मुस्तफ़ि ने प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि उनका निष्ठा, प्रतिबद्धता और महत्वपूर्ण योगदान निश्चित रूप से हमारे देश को प्रतिष्ठित करने और नवाचारों में ग्लोबल लीडर बनने में मदद करेगा। मुख्य अतिथि,



उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विभाग के निदेशक, डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने भारत में बढ़ती डिजिटल संस्कृति और डिजिटल नवाचार में निरंतर प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें युवा वास्तविक दुनिया की समस्याओं से निपटने वाले समाधान बनाने में अग्रणी हैं।विशिष्ट अतिथि शिक्षा मंत्रालय के इन्ोवेशन सेल के डेवेलोपमन मैनेजर मदन मोहन शरण सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम इस बात का उदाहरण है कि कैसे युवा समस्या-समाधान और उद्यमशीलता सोच की सीमाओं को

आगे बढ़ा रहे हैं और एक ऐसे भविष्य को आकार दे रहे हैं जहां भारत प्रौद्योगिकी और उद्यमिता दोनों में अग्रणी है। अन्य विशिष्ट अतिथियों में आर के सिंह, अपर निदेशक, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, बी एम तिवारी, सहायक निदेशक, नेशनल एजुकेशन एल्यारंस फॉर टेक्नोलॉजी (एआईएटी), एआईसीटीई, गुप्तरसाद दातर, नोडल सेंटर प्रमुख और डेलॉइट में वित्तीय सेवाओं के निदेशक, इस अवसर पर उपस्थित थे और प्रतिभागियों को बधाई दी।